

Treasury
+
Securities Co

for
personal +
information

Prologues

4/12/57

Rev. S. T. ...

E. E. L. Chweh, Trindin.
P.O. Kham paw,
St. Sumbargah, Orissa.

76

President Rev. J. J. T. ... M. A. B. D. S. T. M. Date ... 11-57.
E. E. L. Chweh, in chola Nagpur + Nissam - Ranchi.

श्रीमान महोदय, मैं आप-के सेवा-में निमित्त जाते-को रिपोर्ट देता हूँ।
और साथ-में अपना-अर्ज भी पेश-करता-हूँ। रिपोर्ट और ध/व गान्ठ
की-बंदोबस्त मुझे मजि करना पसंदी-होता-है। वर्तमान स्थिति पर कोई
अपवाद निमित्त बिबरन करने का-मेहरबानी-किया-जावे।
तब शौली रिपोर्ट के वर्तमान स्थिति अनुसार, मेरे जीवन-के निर्वह
के लिये यहाँ बहुत कड़ीनाई है। मैं इतने दिन यहाँ ध/व गान्ठ के असे
रहने पाया। आगे रहना-कठीन-है। जब की कोई विशेष ध्यान दिया
न जाय।

उत्तरी अंचल वाले यहाँ से मुझे मगावे बिना नहीं छोड़ते
निकतना का-ते-यत्र भी-का-गले-पान्तु हार खाये। अति तब उन्हा
वही निशानी-है। वे अपने मिशानी करीबतक पहुँच-भी-गये।

धरतक है। 56 वीं से तब के दुर्लभत अंग होंगे-
पर प्रगट हो-गा। समूचा पेरिश-मिल कर करीब एक मंडली के जैसा-है।
इसे पेरिश, इलाका-जैसा-समझा गया-है। निमरीद पेरिश-कोई-दुसरे
इलाका, पेरिश-के लगान-नहीं-है। यह अंकेले में है। वही पेरिश का
इलाका होने से-तो स्थानिया-मंडली अमदनी एकत्र का-बटवारा हो
कर गान्ठ के गार्डजिर में काम चलाया-जाता-है। जैसा दुसरे इलाका
में दिखे जाते-हैं।

उत्तरी अंचल के अन्दोलन पहले कोई तब जीवन-निर्वह
होती थी-गान्ठ की आशा में मु-अब हो नहीं सकती है। मिशन क्षेत्र
की जितनी है-मु-निरा-स्वपालित की-धारा-बहती है। मंडली पैसा के
नारा-पर अगर मिशन क्षेत्र चलाई जाते हैं तो अच्छा होगा-जब तब
मिशन क्षेत्र का-अपने सुखी स्वपालन की मिशाने नहीं-पहुँचती
है; मिशन क्षेत्र मिशाने में रखा न जाय, वह अच्छा है।

Chweh Chharili का कोई Christian endeavor नही
है आरम्भ का जो-की-है सो-ही नारा अब तक बहती रहती है। बखि
Autonomous की- free will, self-modification, governing
लेगों को squandering on selfish pleasure, motive और
self-justification के बृत्ति का का-दिया-है

मुझे 56 वीं के नीव (nine) मीहनों का, 56 वीं के अन्तर्गत मीहनों
का-जो-ये बचत का-की-या गान्ठ पाना-है (एक मोहर का-दे दिया जावे और
अन्धचा यहाँ के लिये काम चवाने को कोई सुगम प्रबन्ध दिया जावे।
कलीसिया के लोको दुह माई-यों के आदिमक सेवा के वाले विशेष ध्यान
दिया जावे-वे स्वयं अपने से स्वतः पाड़ी की पोसन का-नहीं-सकते हैं।
अगले मैं-चला जाऊँ तो वे अपने को देख-दिया हुआ-समझेंगे।

कलीसिया का-बिरोधी उत्तरी अंचल-शैतान जैसा गर्जन-वाले
सिंह की-नाई इस खोज में रहते-हैं कि किसी को फास खाए। जबतक
रहता हूँ तब तक-का-की-माई-यों की-आशा-है कलीसिया हम-का-दे-स
रेख करत बहती-है। जो मैं-रिपोर्ट देता-हूँ सो-इस निमित्त है कि यहाँ
की-परिस्थिति क्या-है-और उस मु-ए.ए. का-कोई खास-विशेष
निगरानी-हो-मु-अब तो मेरा-आशा-भी-थोड़ा-ही रह गया है।

धन्यवाद-साथ-जब-प्रति-उत्तर में आशा-के

आप-का-प्राची-हो-...

St. S.
Trindin Ranchi.

Burmikapur
 No: 5/10/57

The

President. G. I. L. Church
 Ranchi

I

आप को धीमे सहाय
 आप को मायूम कि मैं पुनः काम करने
 को तैयार हूँ। और चाहता हूँ कि भतीजी
 कहेंगी। लेकिन यहां पानी ठीक ना होने के
 कारण हम लोग भावना नहीं रह सकते हैं।
 पहले बीबा सब को सुकाने पड़े भांग
 भांग सुकाने को सुकाने हैं।

II

यहां सुकाने को 20 रु. में 1-10 परिवार
 रह कर गुजारा चलाना बहुत मुश्किल लगता
 है। सो आप से काज का ता हूँ मेरे लिखे
 उपाय बताईये नहीं तो सुकाने को तो बहुत
 ही मुश्किल है।

III मैं भाग ही चाहता हूँ कि आप को
जल्दी जवाब नहीं दे सका बिहार के
कारना।

IV थल ल का १०) कः बाकी है। आप
से याचना पूर्वक का ज है कि
दिसम्बर तक धीरज धारिये मैं
दिसम्बर तक जग मा हूँ।

V इस चरित्र में ससौर उरोव बहुत है।
उनके पास काफ़ी काम मुक निपाई।
माफी केना ल एके काडली में द गन को
बप विना दिया गया फिर जाने का
उपेद है।

आप का विश्वास

Rev. P. Surin
7/1/57

To the
President
G L L church
Danachi

G.E.L. Church
Rajgangpur

3-10-1957.

To, The Officers (President, Secretary and Treasurer)
G.E.L. Church Council
Rauchi.

महोदय,

आप लोगों को योशुसहाय।

आप लोगों का अन्तिम चिट्ठी राजगंगपुर में मिली। मैं बिमारी के कारण जवाब देने न सका क्योंकि जून महिने के सुरु हो से घर में बिमारी हो गयी अर्थात् मेरे एकल ही नेटो को सक्त बिमारी घर देवाया जिसके कारण भरो तकलीफ पाया, ~~पर~~ इन्चर को महान कृपा से उसने चरी बिमारी से बंगापन पाया पर अभी तक बिलकुल अच्छ नहीं हुआ है। ऐसे हालात में काम भी नहीं करता है।

मैं आपने ~~मैंने~~ अखरी चिट्ठी में आप लोगों को लिखा था कि "आप लोगों की जो मर्जी" सो आप लोग मुझे कष्ट करते हैं या निक देते हैं, मुझे ~~मे~~ अर्जी पर बिमिन्त्रापुर या सिमडेगा तो नहीं दिये इस लिये अब खास राजगंगपुर ही में सहायन प्राप्ति के समान भी तो जगह प्रदान कर दें क्योंकि दो जत का तो जगह था और दिखता भी है। यदि मेरी न सुनी जाय और मैं जैक दिया जाऊ तो मुझे यही मालूम होगा कि मैं निरुध्द दास हूँ। सो जल्द जवाब दें, नहीं तो मुझे कोई दूसरा रस्ता पकड़ना पड़ेगा।

मैं पाद्री बिजय आईव और फ्लोरकस संग का कौन सा ऐसा भरो दोष या पाप का दोष किया कि उन्होने कौंसिल के आगे निरुध्द दिखाने के उन जगहों में मुझे जगह देने में इन्कार किये वह साफ है। मैं तो अपने खाल में कौंसिल के हुक्मनुसार पाद्री बिजय आईव और मंडली के लिये भलाई ही का काम किया, यदि मैं पाद्री बिजय को चर्ज नहीं दिया होता तो क्या होता? अर्थात् राजगंगपुर आया ही नहीं होता, मैं अपना संगी पाद्री ~~का~~ जान कर कौंसिल के आदेश और मंडली के भलाई निमित्त किया और सब प्रकार से सहायता दिया।

अब आप लोगों के साथ लिखना पड़ता है कि राजगंगपुर के प्रचारक पन के प्रचारक समग्र समग्र पर अवज्ञकानुसार पाद्री के घर में रहने के समग्र गिरजा और स्नान कराया इस पर पाद्री साहब प्रचारक और मंडली के चर्चों को बोलता है कि क्यों बागे पाद्री को गिरजा या स्नान करवाते हैं? ऐसा करने से डिसिपलिन ठीक नहीं होता है। ~~अब~~ पाद्री साहब बिजय का डिसिपलिन ^{सकजोडा} जो कहां तक ठीक है और ठीक हो रहा है, हां उन को कौन कहे, ^{लिख} तो ता 22-1-59 को रजिष्ट्रेशन शर्दी बलों को दिन रतवार सात बजे रात शादी देने के गिरजे घर में ले गया जो अनियमित है। यदि कोई चुगली कर दे तो क्या होगा? उसके कामों, बातों और व्यवहारों से मंडली के लोगों में कुछकुड़ाहट होती है।

मैं तो कोई ऐसा ख्याल नहीं करता पर मैं मंडली को अधीन रह कर ही अपना जीवन व्यतित करता हूँ, पर धर्म के कामों के लिये ^{जब} ऐसी बातें सुनने में आता है तो मन में बड़ी चोट और दुःख मालूम पड़ता है, क्योंकि मैं चुपचाप बैठा हूँ।

मैं चाहता हूँ कि हमों में ईश्वरीय आत्मा बाल करे कि कलीशा में आत्मिक और लौकिक आशीष मिले।

इन्चर आप लोगों के कामों में आशीष देवे।

आप लोगों का मित्रास्त,

S. M. Bage.

30/7/57

The President

J.E. L. Church

Rauchi.

महाशय,

मैं बीत साल गोविन्दपुर प्रचारक
 ट्रेनिंग स्कूल में था। मेरे नाम पर कर्सी-
 मर्डी इलाका से मई महिने का भी ७॥
 सात रुपया भाठ आना दिया गया है।
 हम लोगों का हेड मास्टर हम लोगों का
 घर का पता लिया इसीलिये कि वह
 मई महिने का स्टैपेंड घर के पते पर
 भेज दिया जाय। इतने दिन बीत गए मैं
 इसी आशे में था। औरों को ठीक समय
 में काम मिला (१ले मई ही से)। मुझे तो
 तब भी नहीं बन पड़ा। इलाके की आशा
 भी थी कि स्टैपेंड मिलेगा क्योंकि वह तो
 भयना देन चुका ही दिया था। उसकी मेरी
 आशा सार्थक है। भाय क्या समझते हैं,
 जो इलाका या सिनोड अपना देन चुकाता है
 उसके प्रचारकों को अन्तिम महिना (मई) का

स्टैपेंड मिलना चाहिए या
 नहीं। हम लोगों को ^{यह भी} नहीं कहा
 गया कि मई महिने का स्टैपेंड
 नहीं मिलेगा। मैं उचित विचार
 के लिये आप के सामने पेश
 करता हूँ

आप के पास एक भी प्रचार-
 कों का स्केल लिस्ट है तो खाना
 कर देने की कृपा करेंगे।

आप के कृपा भिलाषा -

Hanoch Lugun
 Birmitrapur G.E.L.
 Church.

P.O. Birmitrapur
 Sindargarh St.
 S. E. R. 14

पोस्ट कार्ड

जवाब / 85
 केवल पता



नाम The President
 पता Rev J. J. P. Tiga
 G. E. L. Church Council
 डाकखाना Ranchi
 जिला Ranchi

To The President,
G. E. L. Church in Ch. Nagpur
& Assam.

35

G. E. L. Church
Madhapur
12-4-57

Dear Sir,
I am very sorry to inform you
that the workers of the Missionfield Baram
are ready to leave their service as, they
were left unpaid for about eleven months
up to this date.

I beg humbly therefore that,
you will be very kind enough to send
subsidiary grant for Brinagya at least for
three months for, which act, of kindness,

35
I shall ever remain
thankful to you

Today I am going
to visit the place of
the missionfield Bawra
and stay there up to
the 5th May 1957.

Yours sincerely,
Rev. J. Tobus

G. E. L. Church,
Madanpur.

17-4-57

Cafun forward
to General President
Missal Rajgunglun
Rev. J. Tobus
(17-4-57)

पोस्ट कार्ड

साथ का कार्ड जवाब के लिए

केवल प्रती



TO

The President,
G. E. L. Church in
Ch. Nagpur & Assam
Ranchi.

P.O. Lower Bazar
Ranchi.
(Bihar.)

35
G.E.L. CHURCH CHHOTANAGPUR & ASSAM
ORISSA SYNOD

President:—REV. C. B. AIND

Secretary:—CAND. TH. DUNGUNG.

Treasurer:—SHRI P. D. NAG.

Orissa Synod

RAJGANGPUR

No. _____

Dated 13-11-57

To,
The General Superintendent,
Orissa Cement Ltd., Rajgangpur.

Dear Sir,

In behalf of the G.E.L. Church
Rajgangpur I beg to state that the following
few facts for your kind consideration.

It seems that the Company is expediating the construction work of the exchange
building, for its completion it is supposed
that our old school building will also be
demolished in the very near future. But
due to the noble cause of education and
humanity I request you to construct
the new proposed school building as
early as possible so that our school

may be able to shift in the new building before it is demolished.

Here it will not be out of order to mention that at present we are not having any other accommodation to accommodate the school.

I hope, under the above circumstances you will be pleased to give a sympathetic consideration and not put us in any awkward position.

Yours faithfully
C.M.E.

Synod President
G. E. L. CHURCH
RAJGANGPUR

No 142-143/57

Copy to - (1) The president, G. E. L. Church
Ranchi

(11) Shri P. D. Kandulua, Secretary-
Manager Board of properties,
Janshed pur.

for information.

C.M.E.

9/11 35

24/13/57

15th. Novemb.

The Rev. C.E. Aind, President,
Orissa Synod, Rajganagpur.

Dear Rev. Aind,
After you left Ranchi last time many things have happened and the important one is that the police has proceeded against both the parties. We have to appear before the S.D.O. on the 26th. inst. at 10:30 a.m. You are also included in the 1st. party. So, you have to come at least on the first day after which we shall see what the pleaders will advise you.
With Yisusahay and all good wishes,

Yours Sincerely,

Encl:
Some papers for
information.

President, G.E.L. Church.

No. 2376/57

30.10.57

Dear Mr. Dutt

your letter No. R.L.P./
SEC/41-28/14231 dated 28/10/57
I have already sent
back the lay-out plan
of the school building
with my approval. Please
pay the school contribution
to Rev. C.B. And Thanks.

Yours Sincerely
sd. J. J. P. Ziga
President

Grams : "ROCKCEMENT" Rajgangpur
Phone : Rajgangpur P. C. O. Ex : 1

Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR
(ORISSA STATE)

76/10/30/10

28th October, 1957

No. RGP/SEC/41-28/14231

Dear Mr. Tigga,

Re: Layout Plan of the School Building.

A blue-print copy of the layout plan of the school was sent to you under cover of my letter No. RGP/SEC/41-28/13467 dated 14-10-1957. I shall be glad if you kindly let me have your approval early.

Yours sincerely,

Rev. J. J. P. Tigga,
B.A., D.D.S.T.M.,
President-Lutheran Church,
RANCHI:

K.C. Dutt
(K.C. Dutt)

GS/mdn.

ORISSA CEMENT LIMITED.

RAJGANGPUR
(Orissa State)

REF:NO.RGP/SEC/41-28 13457

13/14 October, 1957.

Dear Mr. Tigga,

I am glad to inform you that the Board of Directors of our Company has been pleased to sanction the construction of the School building at Rajgangpur at the ~~Company's~~ Company's cost and to pay a donation of Rs.1000/- per year to the School.

I enclosed ~~xxxx~~ herewith a blue-print copy of the school lay out plan and shall be glad to receive your approval ~~xxxx~~ thereto early.

Please also advise Rev.C.B.Aind to receive the first years' donation from our Accounts Department.

Yours sincerely,

sd/- K.C.Dutt.

(K. C. Dutt).

Encl: 1

Rev.J.J.P.Tiga, M.A., B.D., S.T.M.,
President, Lutheran Church,
Ranchi.

- Copy to: 1 . Mr.P.D.Kandulna Esqr, B.A.,
The Secretary-Manager,
G.E.L.Church Proprietor,
Chetanagpur, Assam, 27, Hume Pipe Road, Jamshedpur.
with a blue-print copy of the layout.
2. Rev.C.B.Aind, President, Orissa Synod, Rajgangpur, with
a blue print copy.

2366/57.

28th October, 7.

To

The Secretary,
Orissa Cement Limited,
Rajgangpur.

Dear Sir,

With reference to your letter No.RGP/SEC/41-28 13467 dated 13th/14 October, 1957, I have to state that the blue-print copy of the school layout plan is hereby approved and you are requested to construct the school building as soon as possible.

I have further to request you to kindly pay Rs.1000/- to Revd.C.B.Aind President Orissa Synod of the G.E.L.Church the amount of your contribution to the local Lutheran proposed High School for 1957.

Thanks.

Yours Sincerely,

Ref
Copy forwarded along with
a copy of letter to RGP/SEC/41-28 13457
from Orissa

Copy of the
Copy along with the copy of the
letter under reference forwarded to
(1) Rev. C.B.Aind President Orissa Synod
(2) Secretary, G.E.L. Church
(3) Secretary, Rajgangpur Board

President,
G.E.L. Church, Ranchi.

Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR
(ORISSA STATE)

Ref: No. RGP/SEC/41-28 13467

13th October, 1957.

14

Dear Mr. Tigga,

I am glad to inform you that the Board of Directors of our Company has been pleased to sanction the construction of the School building at Rajgangpur at the company's cost and to pay a donation of Rs. 1000/= per year ~~to the school~~.

I enclosed herewith a blue-print copy of the school layout plan and shall be glad to receive your approval thereto early.

Please also advise Rev. C.B. Aind to receive the first years' donation from our Accounts Department.

Yours sincerely,

(K.C. Dutt)

Encl: 1

✓ Rev: J.J.P. Tigga,
B.A., D.D.S.T.M
President-Lutheran Church,
Ranchi.

- Copy to: 1. Mr. P.D. Kandulna Esqr. B.A.
The Secretary, Manager,
C.E. Church proprietor,
Chottanagpur, Assam, 27, Hume Pipe Road, Jamshedpur.
with a blue print copy of the Layout.
2. Rev. C.B. Aind, President, Orissa Synod, Rajgangpur,
with a blue print copy.

Os/N

Approved by the
meeting. Ex. Officer
24/10/57

Approved and
returned to
the Secretary
Orissa Cement Ltd
J.J.P. Tigga
President, G. E. L. Church
Ranchi Bihar, India

35/
G.E.L. CHURCH CHHOTANAGPUR & ASSAM
ORISSA SYNOD

President:—REV. C. B. AIND.

Secretary:—CAND. TH. DUNGUNG.

Treasurer:—SHRI P. D. NAG.

RAJGANGPUR

No. 122/57

Dated 20-9-57

From: The Rev. C. B. Aind.
President, Orissa Synod.

To, The President, G.E.L. Church, Ranchi.

Sir,

I am sorry that you could not come down to Rajgangpur on the 13th instant according to your programme. From the reliable source I came to know that you have received the compensation money and have signed the sale deed too. Before signing you were to see the ^{land} ~~spot~~ in question personally because the demand of the Orissa Cement ^{seems to be} ~~is~~ of more than six acres.

If you have received the amount—please send the same to me as per resolution of the C. E. No 173/57 that the ^{creation of the} proposed compound wall and shop may be started and completed soon. The new cinema has begun its work from the 15th of this month.

35/
22/9/57

Dear Rev. Aind,
I am writing you
that the compensation
money for the land was
paid in cheque to the
Secy. Manager through
meant the same has
been deposited in the
Bank of India. The
Boards of the Church
No money has been
paid here for the
construction of the
building. Yours
P. D. Nag

Sent to Pastors

22/6

Rev. S. A. M. L., Rambo

" S. L. "

" D. D. T. "

" C. Juwan Tishy

" Isaac Ekeka

22/6

EXTRACTS FROM THE MINUTES OF THE BIHAR CHRISTIAN COUNCIL 1949.

Item 22 ~~the~~ COMITY RULES.

Report of the Committee on Comity: During recess the Committee met and submitted the following recommendations which were carefully considered and accepted with necessary amendments :-

A. Form of condition for affiliation

1. Name of Society
2. Name of Board in the Home Country
3. (a) Whether the Society is affiliated to the British Council of Churches, or to The Foreign Missionary Conference of North America, or any other corresponding body in the sending countries.

(b) Name of the Board or Society which would finance the Body

4. Financial support expected.
5. (a) Missionary personnel ordained or unordained.
(b) Married or unmarried.
6. The number of Indian workers.
7. Nature of work.
8. Membership of Church in India.
9. Territory proposed to be occupied.
10. Theological affinity and church polity.
11. That they shall be responsible for the repatriation of any member of their Society if that is necessary.
12. Does this body accept the rules of Comity ?

B. Comity Rules :-

- (i) That we accept the rules of Comity drawn up by the National Christian Council and that they be supplemented by the following bye laws :-
- (ii) a. The Bihar Christian Council should not give permission to any Society seeking affiliation or already affiliated to enter any new territory unless the Secretary has first ascertained from the body or bodies occupying that area whether they would agree. The term 'occupying' to be defined after the Council has surveyed the area under consideration whether there is room for education, medical, evangelism etc.
- b. That the Bihar Christian Council recommend to the Churches that they do not receive any body from another church unless they produce a certificate that they are in good standing or failing that without reference to the proper authority of the church to which they belong.
- c. Every Church is at liberty to minister to its people wherever they may be, but that the courtesy must be observed in each case of consultation with the Church established in that area

EXTRACTS FROM THE EXECUTIVE MINUTES DATED 5&6th MAY 1955
HELD AT RANCHI.

6. Finances: The financial position of the Council was very carefully considered and it was unanimously agreed that the affiliation fee be increased in order that adequate funds may be available for the work of the Council. It was therefore resolved to recommend to the Council that the affiliation fee be raised as follows and the Constitution be changed accordingly:

Missions Re. 40/- per representative p.a.

Churches and other bodies Re. 25/- per representative p.a.

It was further resolved to recommend to the Council that special subscriptions be raised for special purposes.

Orissa 35
GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd, 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

No. 2289/55

The 9th June, 1955.

CL

Rev. Z. Khalkho,
G.E.L. Church,
P.O. Rajgangpur.

Dear Rev. Khalkho,

Mr. K. A. Fierabrand, Chairman of the U.C.C. Evangelistic Committee informs us to say that some baptist church Congregations in the Sambhalpur district have been accepted to our Lutheran fold a few months ago. He says that this action was taken by you against a written agreement arrived at between you and the baptist church.

Would you kindly give us a detailed report acquainting us as to the nature of this case, so that we can find a way out and avoid misunderstanding and troubles, if there are any.

Requesting you for an early reply.

I am,
Yours sincerely,

W. E. Horo 9/6
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

C.C. to Rev. J. J. P. Tiga.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

The 9th June, 1955 .

No. 2288/C -

To

Miss Quy,
Secretary U.C.C.,
Baptist Mission,
Sambalpur (Orissa)

Dear Miss Quy,

I learn from a letter of Mr.K.A.FieraBrand that you have some complaints against one of our pastors viz Rev. Khalkho who is alleged to have accepted some Baptist congregations into Lutheran Fold much against your will and in defiance of a resolution of the U.C.C.

I would like to have a copy of this resolution and of the proceedings of the meeting which was held at Cuttack months ago, between representatives of our Church and the U.C.C. I assure you that we shall look into the matter and shall see that no ill will prevails in the area.

With best of regards.

Yours sincerely,


Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.9/6/55.

Copy to Rev.J.J.P.Tiga.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

The 9th June, 1955.

No. 2287/55-

To
Mr. K. A. Fierabrand,
The Kopje,
Darjeeling. (India)

Dear Mr. Fierabrand,

Your letter of May 23, addressed to Rev. J. J. P. Tiga has been passed on to me and I am addressing a letter to the U.C.C. Secretary asking her to send me relevant documents re: alleged acceptance of some baptist church congregations into the Lutheran fold in Sambalpur District.

I am contacting Rev. Khalkho for a detailed report on this matter. I assure you that we shall take all necessary actions after knowing the whole situation.

With regards.

Yours sincerely,

H. E. L. 9/6
Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

B.L.9/6/55.

Copy to Rev. J. J. P. Tiga.

35

From: - Christ Immanuel Kiran Kumar @Kil Nag, B.A.,
Asst. to Deputy Minister, Supply & Agriculture,
Orissa. P.O. Cuttack. Phone No. 138.

(at Chatsila, S.E. Ry.)

My dear Sir,

My last meeting with you
at Raigangpur on 19-9-56.

I am very sorry that I had
very less time that day or else I would have
done something solid amidst my lecture.
But, anyway, I came to know later
that you gave a nice and fine version.

I am prepared to cooperate
enthusiastically ~~and~~ with strong vigour
and heart in eradicating the mal-
administration from our Church, if you
invite me.

Now I wish to add that
shortly, I am leaving for New-Delhi
on an expected interview with our
Prime Minister, India. I am contemplating
to join the Bar-at-law in London.

So I seek your advice, on your
own interest also, to solve my present
financially. Now I look forth to get
help of Rs 20,000/- as I am
to approach at New-Delhi only.

Shree. New York.
Dr. J. Roy.

One thing I would like to add that the
Roman Catholic Churches of Orissa have contributed
for all of this denominational feasts to
send Sri Agnes Majhi, M.A., B.A., for Bar-at-law.
Last year he failed due to some trouble.
Next year he is expected to pass. So I
seek your advice if something can be
given to me for our Church if there is
any provision for this or the like.

I am a simple B.A. but I have
Economics & Political Science as my Honours subject
and Mathematics as my 1st additional. I could not
appear for Honours as I appeared as a
non-collegiate from Ravenshaw College, Cuttack.

To Shri J. P. S. M. A., B. D., S. M. T.,
Ranchi.
With deep respect to you. Yours truly,
Vishwanath. 14-11-55

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOI ANAGPUR
AND ASSAM.

MISSION ESTD. 1845—AUTONOMOUS 1918

ORISSA SYNOD

No. 67/56

RAJGANGPUR.

From:

Dated... 13-8-56

The Rev. C. B. Aind
Acting president, Rajgangpur.

To,

The president, G. E. L. church, Ranchi.

Sir,

I beg to state the following for your information and immediate action.

(1) That according to my letter no 52/56 d/26-7-56 some uraon mandlis have stopped centralization and also they have ordered Rev. X. Khallho and Rev. Sh. party to act as their pastors. Accordingly these two pastors are disobeying the suspension order. Mostly about five or six uraon mandlis are in favour of these two pastors.

(2) It is to let you know that the school education authorities are in difficult position to recognise me as the head or the secretary of the buli. schools in Orissa synod. Hence you are requested to communicate to the following officers, that they may recognise me the head of the G. E. L. church in Orissa synod, because Rev. Khallho has written to them that he is still the

P. T. D.

I am in need of a graduate teacher for the school. Please therefore send one for Rajgangpur.

authority, as he has not handed over the charge

information, be given to—

(i) D. G. of schools, Sundergarh.

(ii) copy to — S. G. of schools, Rajgangpur Circle

— S. G. of schools, Birsra circle
P.O. Birsra, Dist. Sundergarh.

— S. G. of schools, Birmitrapur Circle
P.O. Birmitrapur
Dist. Sundergarh.

(iii) S. G. of police, Rajgangpur.

(3) It is very essential to have the managing
Committee meet in your presidency
at least for the first time for the formation
of the M. C. Therefore please fix the
date and try to come for the same.

(4) It is to let you know that Rev. Sh. Parth
has not yet handed over charge of Nigrohar
Parish. He has brought the flag and cups
to Rajgangpur and handed over to Rev. Khallho.
People of that parish do not feel well to
distribute Holy Communion in other shortage
of article. Hence I am thinking to come to Ranchi
in the next week to purchase the same.

Yours faithfully
CMM



To,
The president
G.E.L. Church,
Ranchi.

13/6/37



print
11/8/56

No 61/56.

Rajgangpur.
6-8-56.

35

From: The Rev. C. B. Anil.
Acting President, Orissa Synod.

To,
The President, G. E. L. Church, Renua.

Sir,

In continuation of my letter no 52/56
of 26-7-56, I beg to report that on 5-8-56
Rev. Sharan prady had been to Rengar-
bahar mandli, which is within the Rajga-
ngpur parish, and he performed all
the pastoral works like distribution
of holy communion and Baptism.
I have received this information from
a reliable source. I have also heard
that he will continue doing such
works in the following Sundays also.

Further I was told that whenever
meetings are held in the name of a
Kroulek Sabha, these Rev. Khalkho is
giving misrepresentation. He used to tell
the people that the Church Council is now
divided in two parts. He also used to tell
that I have received the resolution of the
C. C. which allows me now to work.
Hence I suggest some pamphlets —

should be printed and sent saying
that the church council is one and what-
ever resolutions Rev. Khetkha is producing
before the Kurukh sabha are of the
from the Kurukh sabha secretary.

Further if you think wise enough to
report about the pastoral works of these
suspended pastors to the District Magis-
trate Sundergarh also.

yours faithfully

C. P. H. C.

2382/56.

11th August, 6.

To

The Rev.C.B.Aind,
G.E.L. Church,
Rajgangpur.

Dear Rev.Aind,

Received your report dated 6-8-56 No.61/56.

Thank you very much for it. Please watch on the works of Rev.

Sharan Purti and Rev.Z.Khalkho till 15-8-56 and submit a report on their work. Later on we shall see what we can do on this subject.

Yours sincerely,

H.T. Jaiswal

Assistant in charge,
For President and Acting Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Recd
H T
11-8-56



To,
The president
G.E.L. Church
Ranchi
(Bihar).



14-7
27/7/56

35

The Orissa Synod Savu

सिथु सहाय ।

महाशय ।

आज तारीख १३-७ पूर्वा रेगारबहार में श्री ब्रह्मकेरुका के समापतित्व में एक बैठकी हुई । यह बैठकी दुइका बहार के २२-२-५६ तारीख की बैठकी — जिसमें उडिशा सिनोड कालीन साला मुलियों के प्रतिनिधी उपस्थित थे । उसी समा का लगभग बैठकी है । गव. २२-२-५६ फिटिंग का फैसला सिनोड और पार्चमोन्टिल को पहले ही भेजा जा चुका है । उडिशा पार्चियों की बदली न जाने पर अर्थात् पाप्री R. Khalicho और पाप्री Sh. Panti पर प्रेसिडेंट ने बदली आज्ञा उलंघन का दोष लगकर प्रेसिडेंट ने दोनों पार्चियों को सस्पेंड कर दिया है ।

समा — उडिशा पार्चियों की बदली, पाप्री R. Khalicho और पाप्री Sh. Panti का सस्पेंडेशन और सस्पेंडेशन समय में उक्त दोनों पार्चियों को "सिनोड से कोई आर्थिक सहायता न दिया" — प्रेसिडेंट के इस ओर्डर के ऊपर समा ने गौर किया और बड़ी गम्भीरता के साथ निम्नलिखित निर्णय पास करती है ।

१ — पाप्री R. Khalicho और पाप्री Sh. Panti का सस्पेंडेशन : —
युंकि सिनोड समा ने अब तक इन दोनों पार्चियों को उडिशा सिनोड के बाहर भेजे बदली जाने का अनुमति नहीं दिया है । इसलिये बदली आज्ञा उलंघन करने का दोष (उन पर लागू नहीं होता है) । इसलिये यह समा प्रेसिडेंट का सस्पेंडेशन को नहीं मानती है और पाप्री R. Khalicho सिनोड प्रेसिडेंट भी मानती है । इस प्रकार उनका पुरोहिताई काम को मानती है ।

२ — पाप्री C. B. Aind और पाप्री S. Damsing का उडिशा सिनोड में बदली : — इसलिये कि नियमावली के अनुसार ये दोनों पाप्री उडिशा सिनोड से अलग नहीं किये गये । यह समा उनको अपना पाप्री नहीं मानती है और उनका पुरोहिताई काम को इनकार करती और अपने बीच पुरोहिताई काम करने से मना करती है ।

३ — मंडली मद्रासी का सेंटर लिजेशन और पाप्री R. Khalicho और

पाद्री SH Purty का बालाबः — यं समा निर्णय करनी है
कि जब तक उपर की बातें साफ नहीं होती है तब तक भद्रदानों
का सेन्टर लिजेशन और काम का हिसाब किताब अलग रखे गये जाएँ
पाद्री Machalcho में (पाद्री SH Purty को अधिक सहायता वलाय
के रूप करेगी।

रेगिडवाटर

उद्देश्य के लिए १२ भाग।

सामान्य

N: 93-6-46

Copy 6-

G & L Church President
Ranchi

To Rev J. J. P. Tuga
G.E.L Church President
Ranchi
P.O Ranchi
Dist Ranchi Bihar



Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

Ref. No. 1323/56.

G.E.L. Church Compound,
Ranchi.

Ranchi the 19th June, 1957.

From Resident Rev. J. J. F. Tiga, M.A., B.D., S.T.A.

To

The Secretary,
Orissa Cement Limited,
Rajgangpur.

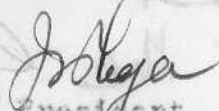
Dear Mr. Dutt,

Thanks for your letter dated the 13th June, 1957.

Rev. Z. Khalkho is here and I had a talk with him yesterday. I advised him to withdraw his letter addressed to you under his signature and those of several others. His only contention is that instead of taking each, we should ask you to construct the school building. We agree in this respect. He is prepared to withdraw his letter if you consent to our terms in this connection, i.e., to construct the school building yourself as indicated in our terms.

With kind regards.

Yours sincerely,



President, G. E. L. Church,
Ranchi, Bihar, India.

President,
G.E.L. Church, Ranchi.

Memo No. 1324-26/57.

Copy to :-

- (1) Rev. C. D. Aind, President Orissa Synod.
- (2) Rev. Z. Khalkho.
- ✓ (3) Mr. P. D. Kandulna, Secretary-Manager Property Board.

of Rev Joel Laben advised he intended in the place of my name in the bills for the building near Ratan Taluk because I haven't it pay.

Copy to
Rev. Joel Laben, Minister
The Electric Supply Company
Ranchi
No. 2068/57
The Manager,
Ranchi

Dear Sir,
May I state that since November, 1953 I have
Rev Joel Laben and I exchanged
our houses and he is
in the Goswami High School
Compound in the building
close to the Ratan Taluk, where
I lived formerly. He is respon-
sible for the payment of the
bills. I am surprised to learn
that my name is still retained
in the bills. You remember
that I applied for my name
being put in place of Rev
J. Laben's in the house where
am living since Nov. 1953 and
the bills are coming in my
name. Similarly the name

Shri Mahoday.

Apko meri or se
 yisu sahay. Ap. ke letter no.
 89/57., date. 29. June 57 ke
 liye hardik sharybad dala
 hun. uske Pratiulla men
 likhle hain ki ap ke is dhyam
 par mujhe bahut Prasanta
 hai. Evangelistic grant ke
 vasle jo main 14 months
 diya hun. so is prakas ki
 hai - "May 1956 - June 1957"
 is se age ka main nahin
 kahle hun. Jab se Mr. E. M. Horo
 Treasurer. hain. unke bich ki
 samay, use age ka hisab dena
 karne par bhi ab mil nahin
 sakti hai. 14 months ki kahne
 kahne ka mal'fob yah nahin
 hai ki from the beginning. Rev.
 Chalkho ke samay ka jo baki
 raha so to adag hi hai.
 Jo gaisa, mera samaj hai.

May 1956 - to June 1957.
 ४ से ले कर main 14
 months ka hisab main
 likh chukun. aur ho
 sake to agar. c.c. meeting
 waste jaunga. to main
 use kuch kah sakunga.
 usse der hogi. Par c.c.
 meeting ho sakta wa
 nahin. kahi hai.
 Poverty dabali hai.
 to gar hajir manphi
 die jaye. Dhanabad
 Apka Prarthi Bhawan
 Silcher

पोस्ट कार्ड

केवल मुद्रा



To
 The President-
 Rev. J. J. P. T. G. M. A. B. D. S. T. M.
 नाम
 G. E. L. Church, Ranchi.
 पता
 P. O. Ranchi.
 डाकखाना
 M. Ranchi. (Bihar).
 जिला

No 87/57

35

Rajgaonpur
18-6-57

Rev. C. B. Mind,

Synod President.

Drossa

To, The President, G.E.L. Church, Rendu.

Sir,

To-day I have received one letter from Mr. Tete, sunderghat. He says that our licenses will be sent very soon, but there are certain omissions for which modification should take place. I have written to the Secretary for the same.

Regarding the suspension of Rev. Khalkho and Rev. party please give the correct reply of the Govt. quarry which has already been communicated to you. If that should be applied their licenses will be very easily

Cancelled. Mr. Tete
says that up till
now correct reply
has not ^{yet} been given
to the G. H. As Mr. Tete
suggests, the following
answer will be sufficient:
"pastors are ordained
by the president of the
G. E. L. Church Chota-
nagpur and Assam, and
he is authorised to
suspend them from
their pastoral work."

Yours faithfully
C. B. A. C.



नाम The President
पता G. E. L. Church
डाकखाना Ranchi
ज़िला Ranchi



नाम The President

पता G. E. L. Church

डाकखाना Ranchi

ज़िला (Bihar)

No 145/58

Orissa

Rajgangpur.

To: The President; G. E. L. Church
Ranchi.

19-11-58.

Sir,

Received your letter regarding Raurkela matter. I am proposing to come to the church council office regarding this same. The church council's plan for church compound at Jaldai (Raurkela) is not known, it is difficult to apply here. I shall be coming to Ranchi on the first week of December 58.

Yours faithfully

C. H. R.

Synod President, Orissa.

1. Rs 4000/- to be paid in cash in lieu of the school building plus material available from the present school building.
2. Valuation of the land - Rs 2000/-
on the document some reasonable price to be mentioned - balance to be paid otherwise. The trees will be left for the Church.
3. Annual Contribution to school at Rs 500/- ~~per~~.
4. Materials for construction of the Church in due course excepting cement.

J. Raja
16/1/57

Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR
(ORISSA STATE)

Ref:No.RGP/SEC/ 1778

9th February, 1957.

The Secretary - Manager,
Board of Management,
G.E.L. Church Properties,
No.27 Hume pipe Road,
JAMSHEDPUR.

Dear Sir,

Re. proposed Exchange siding in Mission Compound.

Kindly refer to your letter No.226/57 dated the 3rd February, 1957 wherein you conveyed that the Officers of the Board of Management of the G.E.L.Church Properties have agreed to sell the parcel of land shown approximately in the blueprint handed over to you and permitting us to go ahead with the work of construction of exchange siding on the Mission land.

The exchange siding work will be taken up by the South Eastern Railway and as such it is felt that a letter from Church authorities permitting the Railway to start the work of exchange siding is necessary. Kindly therefore immediately address a letter to the General Manager, South Eastern Railway, Garden Reach, Calcutta, with copies to (a) The Chief operating Superintendent, S.E.Rly., Garden Reach, Calcutta (b) the District operating Superintendent, S.E.Rly., Chakradharpur and (c) to us, permitting them to take the proposed exchange siding through Mission compound land. As it is also felt that without such a letter from the Church authorities the Railways would not take up the work of exchange siding in hand, and as the Exchange siding is required to be completed immediately, we request the favour of your immediately addressing the South Eastern Railway on the lines suggested above.

Thanking you,

Yours faithfully,
for ORISSA CEMENT LIMITED,

[Signature]
Secretary.

D:P.

✓ C.C.Rev. J.J.P.Tiga, M.A. B.D.S.T.M., President,
G.E.L.Church in Chotanagpur & Assam, G.E.L.Church Compound
Ranchi. for information & necessary action.

G. E. L. CHURCH RAJGANGPUR.

STATION COMMITTEE

OFFICERS—

- 1 President — Rev. C. B. AIND.
- 2 Secretary — Shree U BHENGRA.
- 3 Treasurer — Shree E. KUJUR.

RAJGANGPUR.

No. 51/57

The...1—3—.....1955

To,

The President,

G. E. L. Church, Ranchi.

Sir,

May I say some thing about the settlement of land with Dalniaji; that it will be very difficult for us to erect school building before the beginning of the next session. Hence if the present building is demolished great trouble will arise in matter of holding classes. Hence it will be better that the building be demolished after ^{raining} rainy season. Next, if the matter is not finalized, we ought to demand more, because to bring stones from Langibara will be very costly for us. It

G. E. L. CHURCH RAJANGAPUR.
STATION COMMITTEE

OFFICERS—

- 1 President—Rev. C. B. AND.
- 2 Secretary—S. U. BHANGA.
- 3 Treasurer—S. H. KUR.

RAJANGAPUR

No. 273
To
I am sorry to hear that you have not signed the agreement.

Yours faithfully
C. H. C.

Very sorry to hear about the
settlement of land with the
that it will be very difficult for
us to erect a school building before
the beginning of the next session. There
if the present building is demolished
great trouble will arise in matter
of holding classes. Hence it will be
better that the building be demolished
after the next session. Next, if the
matter is not finished, we
ought to clear our way, because
to build stores from confusion
will be very costly for us. It

Rev. J. J. P. Tiga M.A., B.D., ST.M.

PRESIDENT, LUTHERAN CHURCH
RANCHI.

Notice

The Special Committee appointed by the C.C. will meet today at 8:30 a.m. in the office of the undersigned. You are requested to be present.
Subject: Sale of property at Raigangpur.

Members

J. J. P. Tiga
President

1. Mr. N. S. Horro, C.C. Secy. 3-4-57
2. " C. M. Horro C.C. Treas. 3-4-57
3. " P. D. Nandulua
4. " E. Lalera d. Lalera
5. " B. K. Dikley 3-4-57
6. Dr. P. Topono - M. 3-4-57
7. Rev. C. B. Dind C. B. Dind

No 43157

Onsã

Rajgangpur

26-2-57

From: Rev. C. B. Auld

To,

The President,

G. E. L. Church, Renss.

Sir,

I have received two letters from Mr. Philip Tate (Clerk in the English Office Sundergarh) through which it is learnt that the Gov. of Orissa is enquiring as what ground Rev. Khalkho and Rev. Purty were suspended by the President of the F. E. L. Church. One of Mr. Tate's letter is enclosed here with to help you to understand the situation. You may write ^{regards} to the ^{the Pres. Purty in detail} District Magistrate Sundergarh, who will forward it to the Officer concerned. This should be communicated as early as possible.

yours faithfully

le.
yours faithfully

Chadwick

Rev. J. J. P. Tiga ^{Onisa}
M.A., B.D., S.T.M.

PRESIDENT, LUTHERAN CHURCH
RANCHI.

500/57

Ranchi
2.3.57

Rev C. B. Driel
Synod President
Raigarh

Dear Rev Driel,

I am in receipt of
your letter dated 26.2.57
and also a letter from
the Magistrate in charge
of English free Sundergarh.
I have asked the Secretary
to find the copies of the
licences under question. As
soon as we find them I shall
write to the Govt. I am
glad to know that you
are going to let your
license soon.

I thank you ^{and} all yours

colleagues for the excellent
arrangement you made
for Mr. Lovile's visit. He
has been very much impressed
by all that was done every-
where. More later.

Yours sincerely
Johanna

2/3

Sundargaul.
17. 2. 57

My dear Revd. Aunty,
I wanted to go to
Rajganga today but due to some
unavoidable circumstances I could not go.
We have received another Correspondence,
regarding marriage license. The Govt have
inquired under what circumstances
Revd. Khalkho and Puri were licensed
by the President of S.K.L. Church as they
were authorized by the Govt to solemnize
marriages. I have written officially to President
in this connection. I think reply will be
as under, As the pastors were ordained
by the President and he has right to
license them from doing the pastoral
work. Further the Govt have asked to
supply the copy of authorization authorizing
Puri to solemnize marriage. It is not
known when Puri was posted to this
district so I am feeling difficult to
find relevant references. Will you enquire
in the State if there is any correspondence
8-50

available in connection with grant of
marriage license to Pank. your license is
under issue as we have received
information from the Govt. After a week
you may receive the license. Please
inform me about the wedding which
was due to take place on 16-2-57.
In case you meet the President,
you will inform regarding the signing
of Govt on the suspension order
Khalika. I have nothing more to
write.

Yours
Today.

Yours affs
O. K.
17/2/57

To,

Revd. C. B. Amst,
Rajgangpur

In
O. T. S.

-17.2.51

Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR
(ORISSA STATE)

Raf.No.RGP:SEC:41-28/2227

February 19, 1957.

Dear Rev.Tigga,

Re: Land for Exchange Siding for Rajgangpur.

I am sorry that it was not possible either for me or for you to meet each other again on the 16th prior to your departure from this place. I however hope that you felt no difficulty in reaching Rajgangpur Station for entraining the passenger train and you have safely reached back Ranchi.

I am glad to inform you that the terms offered by you for sale of the parcel of land belonging to Mission, over which our proposed exchange siding would pass and the land for the proposed road, have been approved by the Board of Directors of the Company in their meeting held on the 16th instant. The terms, as you will remember, are as follows :-

- (a) Payment of Rs.40,000 in cash for construction of a school building by the Mission authorities, and value of land,
- (b) Annual contribution of Rs.500/- to the local Church, and
- (c) Supply, free of cost, of stone boulders at Lanjiberna for construction of the Church in the Mission Compound.

It has been decided that the land should be sold to and recorded in the name of the South Eastern Railway. We have asked for a draft of the Sale Deed from the Railway and as soon as it is received from them, I shall pass it on to you for approval.

It is a matter of regret that it was not possible for you - or for Syt. Dalmiaji - to meet each other, on the 16th instant. I, however, hope that on a future occasion this will be possible.

I am sorry to inform you that Syt.Dalmiaji met with an accident at our Works at about 10.30 a.m. on the 17th instant while inspecting the working of a wagon tippler. Yesterday evening he was removed to Calcutta for better treatment in a Nursing Home.

pto

Oriental Cement Limited

I request you for your good wishes for his early recovery.

Thanking you for the co-operation you have rendered to the Company and with kindest regards,

Yours sincerely,

(K.C. Dutt.)

Rev. J. J. P. Tigga,
President,
G. E. L. Church,
Ranchi.

D:K.

cc. Sri P. T. Kandulna, Secretary-Manager, G. E. L. Church, 27, Hume Pipe Rd. Jamshedpur, for info.

(a) Payment of Rs. 40,000 in cash for construction of a school building by the Mission authorities, and value of land.

(b) Annual contribution of Rs. 500/- to the local Church, and

(c) Supply, free of cost, of stone boulders at Jamshedpur for construction of the Church in the Mission Compound.

It has been decided that the land should be sold to and recorded in the name of the South Eastern Railway. We have asked for a draft of the Sale Deed from the Railway and as soon as it is received from them, I shall pass it on to you for approval. It is a matter of regret that it was not possible for you or for Svt. Dalmajji - to meet each other, on the 15th instant. I, however, hope that on a future occasion this will be possible. I am sorry to inform you that Svt. Dalmajji met with an

accident at our works at about 10.30 a.m. on the 15th instant while inspecting the working of a wagon tippler. Yesterday evening he was removed to Calcutta for better treatment in a Nursing Home.

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

NO. 2339/56

G.E.L.Church Compound,
Church Council Office,
Ranchi, the 6th August, 1956.

To

Mr. N. Kandulna,
Orissa Cement Ltd.,
Rajgangpur.
Dist:-Sundargarh. (Orissa)

Dear Mr. Kandulna,

Ap ka 30 July ka chitti mili. Is samay President Tiga Madras men hain. Is liye main ap sabhon ko likh raha hun ki Kalisha men koi alag hone ka bat nahin hai, jo galatphahmi propoganda Rev. 2. Khalkho ke suspenson hone ke wajah chalaya gaya hai wah bilkul galat hai; is liye ap sab bhaiyon ko samjha bujha ka ekta men banaye rakhen. President saheb ke ane par wah is bishay men ap sabhon ko likhega.

Ap sabhon ko Yishusahay.

Ap ka bishwast,

H. Topono

Assistant in-charge,
For President & Acting Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Bh. Lakra.

2340/56

cc to Mr. Hemron,

Rajgangpur. for information with reference to his telegram dt. 31.7.56.

35
Rev. S. Tinker

G. E. L. Church, Nimdih, P.O. Khamrur,

Dist. Sundergarh, Orissa.

The President-

Rev. J. G. P. Tigar M. A., B. D., S. T. M.

G. E. L. Church, Ranchi, Bihar.

श्री. प्रेसीडेन्ट महोदय, मैं आप-के चरखा-इतना अपेक्षा-कर निम्न
आते पेश-करता हूँ। उपर्युक्त में अर्ज करता हूँ कि शिष्ट विचार कर
उत्तर देने की-वृत्ता-करेंगे।

Rev. S. K. Khalkho और Rev. C. B. Chakr. ओडे गोमी
कल्लिशा-की मिशन क्षेत्र-मिमडीह परिसर-में 20-१९-५६ को आये थे
२१-१९-५६ को "So-called-Rome" की-दोहा-का पंचायत
विषये। मिमडीह मंडली के आईगारा-उपस्थित-थे। पंचायत-में
अपनी-दो बातों की-माधुरा-दिचे-"धर्म और शासन विद्या-की"
धर्म-की-"धर्म रक्षा की होना चाहिये"-कल्लिशा-की-शासन विद्या
में संसोधन की-अवश्यकता-है। अभी-कल्लिशा-में भारी अगड़ाई है,
भारी-अशांति है, कल्लिशा में अंधकार है, वास्ते-उत्तरी ओम्बरवरा
जोन निर्माणा-विषय-गया है। उत्तरी जोन-ने-अपना-ए. ए. बना वृत्ता
प्रेसीडेन्ट, सेक्रेटरी, एवं अन्य भी-बढ़ाया-है। अभी-उत्तरी जोन ने
अपना नाम-आलग-चालू कर चुकी-है।

दरवरा जोन-में-७ सिनोड है जो पुरानी महासभा और
ए. ए. के अधिन में है। उत्तरी ओम्बरवरा जोन के बीच-
में भारी लड़ाई अगड़ा-है। आदर-सूचक-है-शासन
विद्या हीकरने पर-भी-बचाने वालों की तरिफा आदि-
गएत-है।

२० वर्ष से यह अनुभाव-करते आते हैं कि मुन्डा
और उरांव के बीच में अगड़ा-चली आति-है। मुन्डा अपने वृद्धम
और से उरांव को दबा दे रही है। २० वर्ष-से कल्लिशा-में
अशांति है। उरांव, मुन्डा-में-लड़ाई है। १९३५-५५ की जितने
अगड़ाओं की घटना हुई उसे प्रकाश-कर अपने माधुरा की
समाप्ति विषये। वे यह भी बताये कि Orissa Synod के अन्दर
उत्तरी जोन की संगठन हुई हो इस में केवल उरांव लोग-हैं।

आईयों के आगे-उत्तरी ओम्बरवरा जोन का-सवाल रहे।
जोन कल्लिशा जोन में रहना-चाहता-है। उपस्थित आईयों ने उत्तरी
जोन में रहने का-अपना-राय-प्रगट-विषये। उपस्थित आईगारा
वे जमा-४९.९.५६।

बाद-पाद्री S. Tinker से भी-पुछा-गया। पाद्री ने उत्तर में कहा
कि-आप-लोगों के माधुरा-के अचार-से-सोच विचार कर अपना
जबाब देते-कहे हैं; वाजीब है कि वह अपना सोच विचार कर
जबाब लिखे तब-में देगा। यह तो कल्लिशा-की मिशन क्षेत्र है।

पाद्री की बातों की उपलक्ष्य में वे उसे काम-से मोअसल (suspend) कर दिखे हैं। यहां की आमदनी आदी को भी जबरन कर चले गये। यहां की निम्नी प्रबन्ध की-बातें रोका दिई गई हैं।

याद-रखाए रहे - निमरीह का खाल - 32, जन थे, तलसेरा-कु थे।
बाबी - दूसरे स्थान से - दिये थे। पेरिश-के और - आई गरा - नहीं थे।

उपरोक्त-वरीन-द्वारा - मुझे कुछ-बातें जानने की-आवश्यकता है। यह मिशन-क्षेत्र-तो कलेशा-की-ही-उत्तरी-दक्कवरी जोग-की-नहीं है। मैं यहां कलेशा-की-आई से काम-करते आ रहा-हूँ। आज यहां Rev. R. Kharbho - खूद - suspend वाला - Rev. E. B. Dhar - नाम के कलेशा-के काम-से - त्यागी (Resigned) वाला - आके मुझे suspend करते हैं। अभी-तब यह मिशन-क्षेत्र कोई जोग के अधिन; न-निर्भर-में-नहीं है। है तो- कलेशा के अधिन व मैं जो यहां काम-करता-हूँ - कलेशा-के अधिन में काम-करता-हूँ। वे मिशन-काम-में खराब न डालते हैं।

अभी-मैं-कहीं-नहीं-में-पड़-जाल-हूँ। कलेशा-यहां की निगाह-नी-नहीं-करेगी-तो-मुझे-कहीं-नहीं-की-समझना-करना-मुश्किल-है। अभी-तब- १ छोटी २ मंडली-कलीश के अधिन में हैं-वे-उत्तरी-और-दक्कवरी जोग-को-नहीं-जानते-हैं। इन-छोटी-मंडलीयों-के-सहारे-मैं-संसारियों-के-बिच-सुलझा-चा-पुचा-करने-का-अवल-लेता-हूँ। इन-छोटी-मंडलीयों-के-देख-रेख-करते-आमदनी-कुछ-छोटी-है-जिससे-जो-जीवन-मिर्बाह-की-बड़ी-कहीं-नहीं-है।

आप-के-प्रतिउत्तर-के-आशे-में-चन्चवादी-होते-आन्त-कर-मार्ज-करता-हूँ-बि-बिना-विशेष-कोई-संतवाग-की-आशा-देने-की-तुपा-करेंगे-.

आप-के-आशा-विन-सेवक-

Shirley

रामदास

No 39/52

From, The Headmaster,
Lutheran Middle School, Kororajo.

To, The Head Supervisor
Lutheran Schools, 'Rauchoi'.

Dated Kororajo, the 20th July, '56.

Sir, With reference to your memo no.
82 E/56 dated 6.6.56. I beg to
submit herewith the statement
required.

I herewith send extract copy
of the minute of the MC dated
the 26th Oct, '55 as well if required.

Further this is to let you know
that Shri E. Pind is again absent from
school from to-day. He went away to
Khemti without sanctioning leave.

Yours faithfully
J. Shan
Headmaster
Luth. Middle School,
Kororajo.
20/7/56

Grant Received from Govt.
during 1955-56.

1. Received grant-in-aid for 1955-56 - Rs 660/-
2. No other grant has been received.
3. Rs 660/- only spent on Teacher's Salary.

J. Shan
Headmaster
Lutheran Middle
School, Koronji
20/1/56

The Charges framed by the Managing Committee of Lutheran Middle School, Koronjo against Shri Elias Aind an assistant teacher.

Extract from the minute of the M.C.
Lutheran Middle School, Koronjo dated 26th Oct, '55.

Item no. 3.

Dismissal of Shri Elias Aind an assistant teacher: - Stating the object of to-day's meeting the Headmaster told the Committee that on 8-10-'55, three students of Class V, absented themselves from the school. After that day also they absented themselves for several days. Enquiring into the matter it was found that almost all the students had determined to leave this school and to join other schools, due to the unfavourable behaviour of and negligence in teaching of Shri Elias Aind. He also told that last year students of other classes had also complained against him. The Headmaster tried in vain to correct Shri Elias Aind.

Hence to-day the M.C. resolves to recommend the dismissal of Shri Elias Aind to the Superintendent of Education, Ranchi with effect from the 16th November, 1955 for the following reasons:-

I Shri Elias Aind, an assistant teacher of Lutheran Middle School, Koronjo is a temporary teacher appointed on July, '53 and up till now due to his unsatisfactory service, he has not become permanent.

II In spite of the Headmaster's remark, he very often becomes late.

III He sleeps in the classroom during the class hour.

IV He does not try to make the boys understand

and whenever the pupils asked him to do so,
they were severely dealt with.

I He gives corporal punishments to the
students. On 8.10.55 he gave beating to the
students of class V for no reason. As a
result of it three students ran away from
the class. Almost all the students say that
so long Shri Elias Aind will be in the school,
they will leave the school. Some guardians are
also murmuring.

Confirmed
J. Shaw
Chairman
12-1-56.

sd C.B. Aind
Secretary
26-10-55

True copy

To

'The Orissa Sanyodh Samva

ची मसहय ।

महाशय !

आज तारीख १३-७-५६ रंगरबहार में श्री नूह केरकेटा के समापन रित्व में एक बैठकी हुई । यह बैठकी जुड़नाबहार के २२-५-५६ तारीख की - जिसमें उडिसा सिनोड अन्तर्गत सोलह मंडलियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे । उसी समाज का जगातार बैठकी है । गत २२-५-५६ मितिग का फैसला सिनोड और चार्च कोन्सिल को पहले ही भेजा जा चुका है । उडिसा पादियों की बदली न जाने पर - अर्थात् पाद्री Z. K. hallkhu और पाद्री Sh. P. wani पर प्रेसिडेन्ट ने बदली आड्डा उलंघन का दोष लगा कर, प्रेसिडेन्ट ने दोनों पादियों को सस्पेंड कर दिया है ।

समा, उडिसा पादियों की बदली, पाद्री Z. K. hallkhu और पाद्री Sh. P. wani का सस्पेंडेशन और सस्पेंडेशन समय में "उन दोनों पादियों को सिनोड से कोई आर्थिक सहायता न दिया जावे" । प्रेसिडेन्ट के इस आर्डर को ऊपर समाने गौर किया और बड़ी गम्भीरता से साथ निम्नलिखित निर्णय पास करती है ।

१- पाद्री Z. K. hallkhu और पाद्री Sh. P. wani का सस्पेंडेशन:- चूंकि सिनोड समाने अब तक इन दोनों पादियों को उडिसा से बाहर बदली जाने का अनुमति नहीं दिया है । इस लिये बदली आड्डा उलंघन करने का दोष उन पर लागू नहीं होता है । इसलिये यह समा प्रेसिडेन्ट का सस्पेंडेशन आर्डर को नहीं ममती है, और पाद्री Z. K. hallkhu

को सिनोड प्रेसिडेंट भी मानती है। इस प्रकार से
उनका पुरोहितार्थ काम जो मानती है।

पार्थी ८. B. Hind और पार्थी S. Durgam
मा उडिशा सिनोड में बहाली :- इस विषय में निम्न-
वर्ती के अनुसार ये दोनों पार्थी उडिशा सिनोड से
ग्रहरा बहो भिन्न गये। यह समा उनको अपना
पार्थी नहीं मानती है और उनको पुरोहितार्थ
काम को बनभार करती है और हमारे बीच
पुरोहितार्थ काम करने को मना करती है।

३- मंडली अमदनी का- सेन्टर विजेबान और पार्थी
२. Khalkho और पार्थी Sh. Pusti का ताकाप :-
यह समा निरीय करती है कि जब तक ऊपर
जो बातें साफ नहीं होती है तब तक अमदनी का
सेन्टर विजेबान और रुस का हिसाब सितार
अलग रखेगी और पार्थी २. Khalkho और पार्थी
Sh. Pusti को आर्थिक सहायता ताकाप के रूप
में करेगी।

34/ नुह बैरकेटा गरभना
सामाजाती

रेंगडबाहल
ता. १३-७-५६

Copy to

Rev. C. B. Hind

Rajgangpur.

Received
14/7/58
26/7/58
No. 52/58

35

Rajgangpur.
26-7-58.

From
Rev. C. B. Sund,
Actg Bynod President.

To,
The president
G. E. L. Church Ranchi.

Sir,

Here I am sending the resolution
of Khalkho party for your infor-
mation and immediate action.
I have got an information that
uraon people had sabhas in
the name of ^{very often} Khalkho sabhas.
In these sabhas, Rev. Khalkho, Rev.
Bhikhan Ekka and Rev. C. C.
Ming were present; and it is
doubtless that they misled the
uraon public. At present it is
difficult to say which of the members
are in that party.

Yours faithfully
C. B. Sund.

Rev. C. B. Ekka,
Ilaka Chairman.

35
P. O. Nuagaon
(via) Bhitmitrapur.

G. E. L. Church Karimatti
—P. O. Bisra—

Dist. Sundargarh (Orissa)

Ref. No. 267/56

Dated 23rd July 1956

महोदय

प्रेसिडेंट महोदय Rev. J. J. P. Yigga को पत्र लिख रहा।
आपके 20 जून '56 का पत्र हुआ Suspension Order मिला। मैं विचार में
Rev. J. Khalkho और Rev. S. Puri का suspend विलकुल नजायज है।
क्योंकि उडिसा सिनोड जानती है Rev. Khalkho की बदली पैवरा और Rev.
S. M. Bage की बदली करीमटी उडिसा सिनोड के अन्दर जो गैर कानूनी है
और मेरी बदली अस्साम किड़े गई थी। जिस पर सिनोड ने गौर विचार किड़े
क्योंकि साफ मालूम हो गया कि C. C. ने विलकुल अन्याय किया है। उडिसा
मिनिस्ट्रियम का राय था कि Rev. Khalkho और Rev. Bage की बदली
उडिसा सिनोड के बाहर होवे। और जो भी C. C. अधिकारी अपना ही लोग
इस मिनिस्ट्रियम के समाप्ति और अंग थे तिस पर भी अपना ही बातों
को बदल दिये; और एक को सिनोड बाहर दूसरे को सिनोड अन्दर और
तीसरे को देश बाहर बदली का हुक्म जमा दिये। इस अन्याय और
अन्दरे मौसला को देख कर उडिसा सिनोड ने 12-1-56 को यह
मौसला किड़े कि वर्तमान उडिसा के कोई प्राहरी उडिसा से बाहर न जायें
सिनोड के इस मौसला का C. C. ने अवतक न कुछ
जवाब दिया न कुछ समझौता ही दिया पर विलकुल ignore कर
दिया अब सस्पेंड Order से मालूम होता है कि Rev. Khalkho
तोहरगा और Rev. Puri गोबिन्दपुर बदली जाने के कारण सस्पेंड
किये जाते हैं। इस द्रांस पर Order के विषय उडिसा सिनोड अने
जान है जो भी indirectly किड़े एक जानते हैं। इस लिये यह दोष जो
उन के उपर लगाया गया है कि उडिसा सिनोड से कोई एक
दोक न होने पर भी बदली नहीं गये। यह विलकुल गलत और
मुठ्ठा दोष है। क्योंकि सिनोड ने उपरोक्त मौसला अन्तर
अवतक इन को अवतक रोक रखा है।

P. T. O.



To,
The President.

G. E. L. Church

P. O. Ranchi

Dist. Ranchi
(Bihar)



Recd.
H.T.
4/8/56

35

Kaumatli

25.7.1956.

To The President
G. E. L. Church in Chotanagpur Assam,

G. E. L. Church Ranchi.

Dear Sir,

I received your information dated the 20th
July 1956. I think, it is need to see his work in
our own schools, before we can recommend him.

I have the honour to be,

Sir,

your most obedient servant.

Dhanmarik. Guia.

G. E. L. Church.

Kaumatli

35 G.F.C. Church,
Junain.
From Rev. J. Topno
Camp. Junain. 31/8/56

Brissa
To;
The Act. President Brissa Synod,
Rajgaunpur

आप को धन्यवाद ।

इसके द्वारा मैं आप को ज्ञात करता हूँ कि, मैं इस हाजिरी
आप के पास नहीं जा सकता हूँ क्योंकि, हम लोग यहाँ
पर शिवालय बना रहे हैं ।

इसलिये आप से आवेदन है कि आप

५०) पच्चास रुपया हमारे पेरिश खजाने की प्रमुखता लुगुन
के हाथ में भेजने की कृपा करें । मैं तब जाने का
इसति यह इस चिट्ठी के साथ में भेजता हूँ । मेरी यह भी
प्रार्थना है कि यदि उडिसा सिनोड का मित्र शान्त
आया है तो बामडा इलाका का जो हिस्सा है उसे भी
आप भेजने की कृपा करें ।

आप का संजी कर्मचारी,

Rev. J. Topno
Junain
31/8/56.

558/56

Orissa

35
28.11.1956

Rev. C.B.Aind,
President,
Orissa Synod

Dear Revd. Aind,

Your letter telling me that you are coming in the first week of December. If you have no special date I suggest that you come on the 4th. Dec. as we have our C.C. Exec. meeting on the 5th. to 7th. of Dec.

Yosusahay and all good wishes,

Yours Sincerely,

J. B. Aind
President.

35

Rev. S. Tinker

Mindin Parish, P.O. Khampur.

Dist. Sundargarh, Orissa.

To the President.

Rev. J.P. Tika, M.A. B.D. S.T.M.

G.E.L. Church, Ranchi.

Dated Mindin, the 12th March 1957.

Dear Sir,

In response to your letter No. 635-56/57-
e.c. dated the 28th Feb. 57. whereby my Personal
attention is drawn to your letter No. 395-424/57
dated the 7th Feb 57, I have the honour to say
that am not even a time attended the e.c.
meeting, since for elected membership by the
synod; and am still remain simply an
acknowledged e.c. member.

The subject cannot be taken in my
Personal Judgment or opinion, that how far
will it be the legal to offer my suffrage
to the persons to be a delegate and other etc.

So the subject may be proceed
further without my Personal opinion for the
time being, as it is required for the office.

I have the honour to be,
Dear Sir,
yours sincerely
Shikay

From Rev. Y. Dang

35

Tulikal
P.O. Kolar
Dist. Raichur
8-9-56

To

The Secretary C.C.

Raichur

प्रहामान्यवर महाराज,

आप को योगसहाय ।

C.C. ने खुद मुझे काम से अवकाश देने का फैसला किया । इस अनुसार मैं अवकाश ग्रहण कर लीवरपुम से अपना निज घर लौट आया हूँ । अब आपने निज घर में रहता हूँ । मेरे दोन बच्चे C.C. के चरण तले ग्रही है कि ओविडेन्ट फाइल के हिसाब से जो रकम C.C. खजाने में मेरा जमा हुआ है ^{उसे} एक मुस्त में निमित्त भेज देने की कृपा करेंगे । मैं प्रेन्चन नहीं लेने चाहता हूँ (महरी १५) पहिली ~~लान~~ नहीं लेने चाहता हूँ ।
फिर भी ^{जिस} जुर्माना से Lowanum बदली खर्च का रकम भी, जिसका बिल मैं C.C. में भेज चुका हूँ उसे भी भेजने की, उसी साथ में कृपा करेंगे ।

काम से अवकाश जाने को आइसो पाकर Lowanum से टुकेकेल लौटने का खर्च बिल भेज रहा हूँ । उसका रकम भी भेजने की कृपा करेंगे ।

आप का विश्वस्त

Y. Dang

Rev. J. J. P. Tiga M.A., B.D., ST M.

PRESIDENT, LUTHERAN CHURCH
RANCHI.

35

27th. April, 1957

Ref. 965/57

Mr. K.C. Dutt,
Secretary, Orissa Cement Coy.
Rajganapur.

Dear Mr. Dutt,

Received your letter
No. RGP:SEC:41-28/5302 dated April
24, 1957 and also the one under refe-
rence. Thanks.

We have a meeting of
the Church Council Executive Commi-
ttee on the 14th. afternoon to 16th.
morning of May. May I suggest that
you come to Ranchi and meet the
Executive Committee on the 15th.
or the 16th. May ?

With kind regards,

Yours Sincerely,

J. J. P. Tiga
President

Copy to
Secretary. G.E.L. Church.

No 966/57 ✓

Grams : "ROCKCEMENT" Raigangpur
Phone : Raigangpur P. C. O. Ex : 1

Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR
(ORISSA STATE)

Ref.No.RGP/SEC/ 8333

5th July, 1957.

Dear Rev. Tigga,

I thank you for your letter No.1323/57 dated the 19/21st June, 1957 and note that you are coming to Jamshedpur on the 13th July, 1957. I shall try my best to meet you and Mr. Khandulna on that date at the latter's place.

Rev. Khalko has not yet withdrawn his letter dated the 11th May, 1957 containing the signatures of a number of villagers and ~~now~~ I would request you to see to it that he does so without any delay whatsoever.

Regarding the terms and conditions for the mission land to be utilised by us for the exchange siding purpose, these have already been finalised and a Resolution has also ~~already been~~ passed by the Board of Directors of our Company, as conveyed to you already. In any case, when we meet, we shall talk over the matter again.

With regards,

Yours sincerely,

(K.C. Ditt.)

Rev. J. J. P. Tigga, M.A.B.D., S.T.M.
President,
Lutheran Church,
Ranchi.

D.P.

Copy to: 1/ Rev. C. B. Aind, President, Orissa Synod, Rajgangpur.
2/ Rev. Z. Khalkho, Rajgangpur.
3/ Mr. P. D. Khandulna, Secretary-Manager, Property Board, G.E.L. Church, Hume Pipe Road, Jamshedpur.

Dear Mr. Dutt,

Recd your letter of 5.7.57.
We shall discuss the matter when
we meet at Jauchedpur on the
13th inst. It may kindly be
noted that without the decision
of the Mahasabha no terms are
final. The Mahasabha appointed
a Committee with authority to
deal with this matter. Please
refer to the decision of the
Committee on receipt of the
terms given by the Board
of Directors of your Company.
In order to avoid further troubles
I strongly appeal to you not
to close down further negotiations
by ~~first~~ considering that the terms
laid down by the Board of Directors
is final. Otherwise both parties
will be stiff + strong + troubles will
be insurmountable. Yrs. S.
With good wishes,

No. 1391/57.

June 29, 1957.

Rev. Z. Khalkho,
G.E.E. Church, Rajgangpur,
Dist. Sundargarh,
Orissa State.

Dear Rev. Khalkho,

It is very important that you should submit a statement regarding receipts and expenditures of the Evangelistic grants you have received from the C.C. Treasurer since 1950.

Also please send a statement of receipts and expenditures ~~ifxxxxxxx~~ of money received from the Orissa Cement Limited since 1950.

Please consider it urgent. I hope you will take early steps to supply these statements.

Yours sincerely,

President,
G.E.L. Church, Ranchi.

Copy to :-

N 1402/57 — (1) Treasurer G.E.L. Church.
(2) President F.E.L.C.(I).

No. 1404/57 —

No. 1389/57.

No. 1389/57.

June 29, 1957.

Rev. Samuel Tirkey,
G.E.L. Church, Nimdih,
P.O. Talsera,
Dist. Sundargarh, Orissa State.

Dear Rev. Tirkey,

Kripa karke jadi ho sakta hai to 1950 January se
ya jab se ap ka sambandh hai Evangelistic grant se jitna rupaiya
paye hain uska hisab bhejiye. Main janta hun ki yah kathin hai par
yadi ho sakta hai to bhejiye. Hisab bina jane ham jo office men
naya aye hain ap logon ki baton ko bujhne men bari kathinain hai.

Age shubh,

Ap sabhon ko mera yishusahay aur Masihi pyar mile.

Sd/- J.J.P. Tiga.
President.

Grams : "ROCKCEMENT" Rajgangpur
Phone : Rajgangpur P. C. O. Ex : 1

Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR
(ORISSA STATE)

Ref: No. RGP: SEC: 41-28/7984

June 21, 1957.

Dear Rev. Tigga,

Re: Land for exchange siding.

Your letter No. 1304/57 dated 6th June, 1957 reached me only on the 18th June, 1957, stating that you would be coming down to Jamshedpur on the 15th instant when you desired me also to go to Jamshedpur for a meeting in order to discuss about Mission compound land for our exchange siding. However, since your postcard from Simdega was dated 8th instant, that is to say, it was written subsequently, I take it that your programme of coming down to Jamshedpur on the 15th June, 1957 was cancelled. As already requested in my letter of the 13th June, 1957, kindly fix up another programme at the earliest so that the matter may be finalised without much delay.

Yours sincerely,

(K. C. Dutt.)

Rev. J. J. P. Tigga, M.A.B.D., S.T.M.,
President, Lutheran Church,
Ranchi.

K.

Ref: No. RGP: SEC: 41-28/7984

35

o/c

No. 1376/57.

28th June, 7.

To

Rev. Samuel Tirkey,
G.E.L. Church, Nimdih,
P.O. Talsera or ~~Maykh~~ Khampur,
Dist. Sundargarh,
Orissa.

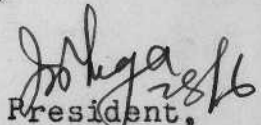
Pyare bhai,

Ap ki anekon chithiyon se malum huwa ki talab ke bare
ap ko bahut takliph hai aur so-called North Zone walon se bhi.

Main kuchchh kagjad bhej deta hun . Unko pakar phir bhi
kuchh likhna ho to likhiye. 16-18 July full C. C. ki meeting hai ap to
jarur aenge. Usi samay phir se batchit hoga. Pura hal chal leke aiyega.

Age shubh,

Prem se,


President,
G.E.L. Church, Ranchi.

True copy.

No.209. D/27/6/57.

President.

Orissa The following amounts have sent to Rev.C.B.Aind
for ~~xxxx~~ Synod :-

3.4.57.....	206.
5.6.57.....	<u>618.</u>
	824 (2 months)

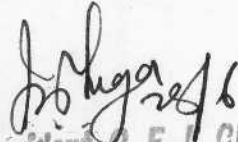
Rev.S.Tirkey must have received his share out of of Rs.824/-. I can understand the difficulties of the Mission field workers. They ought to be paid regularly. But where is the money. There is no enough money in the C.C. This is known to all the workers. I have received a like letter from Rev. S. Tirkey.

I do not find any other matter in the letter which concerns me directly.

Sd/- C.M.Horo,
27/6.

Memo No. 1378/57.

Copy to Rev.S. Tirkey for information.


President, G. E. L. Church
Ranchi, Bihar, India.

No. 209 D/27/6/57

President

The following amounts have sent to
Rev. C.B. Hind for Brina Squad,

3.4.57 — 206

5.6.57 — $\frac{618}{824}$ (2 months)

Rev. S. Turkey must have received
his share out of Rs. 824/-, I can
understand the difficulties of the mission
field workers. They ought to be paid regularly.
But there is the money. There is ^{enough} no money
in the Co. This is known to all the workers.
I have received a like letter from Rev.
S. Turkey.

I do not find any other matter in the
letter which concerns me directly.

Rev. Hind
27/6

Copy to Rev. S. Turkey
for information.

To, The Treasurer
for information
To the needful

Rev. S. T. Tiney
E. E. L. Church, Rimdih.
P.O. Khamphur.
St. Sundergarh. Orissa.
27/6

The President: Rev. J. P. Tige, M.A., B.D., S.T.M.
E. E. L. Church, in charge Nagpur & Assam, Ranchi.

24-6-57.

श्री महोदय प्रेसीडेन्ट साहब-

मैरी और से आप को चीथु सहाय ।

मैं आप के पास मई-महिने से अर्ज-पत्र भेज-कर दोहाई करते आ रहा हूँ - पर मुझ ल चार-वी-दोहाई-अर्ज-जिसकी चरचा-छू सकती है। मैं फिर भी आप के चरचा-सेवा में अर्ज पेशी-कर विनित करता हूँ। पहले मैं अभी के वर्तमान स्थिति को दिखाता हूँ।

आप को शान्त-जसर-देगी कि Rev. C. B. Ekka, Rimdih Parish को बिगाड़ दिया है। बहुतों को मरमा-कर Nov 20th कि ओर खींच लिया है। जहाँ के Nov 20th तरफ होने का इच्छा प्रगट किया वहाँ का मंडली आमदनी को तुरन्त हाथ-लगाने के लगे गये। मई-महिने को सुलभा-है कि उतरी-दखनी-अरब मुन्डा में अगडा है। जब तक जिसका न-होगी-दान पुन-मंडली पैसा-आदी को दखनी के लिये मत दो-। निमडीह-पेरिश में जमा-इष्ट रिक्स्तान, घर है। जिसमें करीब आधे तो- Nov 20th तरफ हो- गये हैं। बाकी घर के मई-महिने 60 विश्वास से कली लिया-में है। सब मंडली में जाकर-मुन्डा मई-महिने के-उपर-दोप रोपरा-का-2 अर्ज-पदेश-सुनाया-और अब भी सुनाता है। उसके विपरित में भी-दूर में जाकर-मई-महिने में समझाये तब बहुत कली लिया में हो- गये। जो अब तक नहीं हो- गये हैं वे अपने निज स्वकी पुरी करने के लिये- Nov 20th में है। मंडली में कभी 2 अपना 2. Privali खजाना-या-उसे अपना-ने के मतलब से। पर जो कली लिया की ओर हो- गये हैं- उनका-60 विश्वास, अरोसा-है कि कली लिया हमों को छोड़ नहीं देगी-जसर-हमों के वाले-एक पाड़ी देगी।

अब मैं उपरोक्त बातों पर अपना-दुःख-जनाता-हूँ- निमडीह पेरिश-पुरे मिशन-गान्त-के मरी से पर-है। यहाँ जो कुछ थोड़े मई-महिने की-मंडली है-उसे ऐसा-अमदनी-नहीं थी-जो की एक पाड़ी-का पोसाई-हो-... अब तो-इस तरह से-होने पर-कनके न-कंछी भी-नहीं है। अब 18 महिना-होता-है जिसका-गान्त-पाना-बाकी-है। यह गान्त जब निमसेगा आशा-के सिमान-से बाहर हो जाता है। अभी-मैं बहुत संकर में हूँ-आगे भी-लिखा-हूँ कि-हाल-हली-है कि 36 पाठ कर आग जावे कुछ-विद्याना-नहीं है। आप-जो काम-कला-है-तो-उसके-वाले के पास सदे-मैं ऐसे हाल-में-व्या-का-सकता-हूँ-18 महिने का-गान्त न-देना-भेजना-समझने की बात-है न-व्या-कली लिया-मैं इली तरह सब को दुःख कोई दुख-अपन-नहीं है-मैं-अहाँ सुखी से-तकली 36-18-है-बराबर सब तरह से-दुःख का साग-वनी-रहती-है। मैं-अर्ज-कला-जब-मेरा-गान्त भेज देने का-वृत्ता-कर-और-नहीं-तो-अहाँ से-अपने-आ-आई-दे-
P.T.O. अर्ज-आप-मालिक-है-आप-विश्वास-प्राची-दख

sd/- S. Turkey.

ofc Orissa
Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

Ref. No. 1323/57.

G.E.L.Church Compound,
Ranchi.

Ranchi the 19th June, 1957.

From Resident Rev. J. J. P. Tige, M.A., B.D., S.T.M.

To

The Secretary,
Orissa Cement Limited,
Raigangpur.

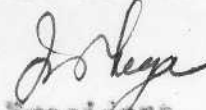
Dear Mr. Dutt,

Thanks for your letter dated the 13th June, 1957.

Rev. Z. Khalkho is here and I had a talk with him yesterday. I advised him to withdraw his letter addressed to you under his signature and those of several others. His only contention is that instead of taking each, we should ask you to construct the school building. We agree in this respect. He is prepared to withdraw his letter if you consent to our terms in this connection, i.e., to construct the school building yourself as indicated in our terms.

With kind regards.

Yours sincerely,



President,

G.E.L. Church, Ranchi.

~~President, G. E. L. Church,~~
Ranchi, Bihar, India.

Memo No. 1324-26/57

Copy to :-

- (1) Rev. C. B. Aind, President Orissa Synod.
- (2) Rev. Z. Khalkho.
- (3) Mr. P. D. Kandulua, Secretary-Manager Property Board.

Orissa

Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR
(ORISSA STATE)

Grams : "ROCKCEMENT" Rajgangpur
Phone : Rajgangpur P. C. O. Ex : 1

Ref: No. RGP/SEC/ 7605
13th June, 1957.

Dear Rev. Tigga,

I am in receipt of your post card from Camp: Simdega dated the 8th instant. It is very urgent that we meet at Jamshedpur at a very early date at the place of Mr. Kandulna. Kindly therefore fix up the programme and let me know per return of post.

I have not yet been favoured with your views in respect of the petition submitted to us by a number of villagers headed by Rev. Khalko, in respect of your mission land at Rajgangpur. I shall be obliged if you will kindly send me your views also in this respect per return of post.

Yours sincerely,

K.C. Dutt
(K.C. Dutt.)

Rev. J. J. P. Tigga. M. A. B. D., S. T. M.,
President,
Lutheran Church,
Ranchi.

D: P.

Religious
President, G. E. L. Church,
Ranchi, Bihar, India.

पोस्ट कार्ड

साथ का कार्ड जबाब के लिए

केवल पता



नाम *The President,*

पता *G.E.L. Church Compound*

Ranchi.

Ranchi.

डाकखाना

जिला *RANCHI.*

Rajgaonpur
G.E.L. Church
24-5-57.

The President,

G.E.L. Church Compound Ranchi.

महोदय,
योशुसहाय ।

८.८. के तार १७-५-५७ का तार और चिह्न पाया ।
मैं ८.८. के कुमानुसार तो बांगराम वहीं जाऊंगा, माफ़ करूँगे ।
मैं तार २२-५-५७ को चैनसा चर्च दे कर छोड़ दिया ।
बांगराम न जाने वक़्त सब कुछ जता दिया, सब जो मज़ी
८.८. मलौक हैं ।

भाप का विश्वास

सेवक,

Rev. S.M. Bage.
24-5-57.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR
AND ASSAM.

MISSION ESTD. 1845—AUTONOMOUS 1918

ORISSA SYNOD

No. 143/56

RAJGANGPUR.

From

The Rev. C. B. Aind,
Synod president
G. E. L. Church, Rajgangpur.

Dated 3-11-56

Subject: - Church compound at Jolda.

To

The president
G. E. L. Church, Ranchi.

Sir,

Our people of Mahulpali, Bhangamunda, Brij-
man and Jharumunda are to be resettled by
the government at Jolda, on the southern
border of Hindusthan steel plant Raurkela.
Many families have already settled at
Jolda. As the church council has the
plan to erect two churches for the
Lutherans worship at Raurkela, one
should be built at Jolda. It is time
for us to apply for the land to the
officer in-charge resettlement-department.
As the work of Raurkela is directly under

GOSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR
AND ASSAM.

MISSION ESTD. 1845—AUTONOMOUS 1918

ORISSA SYNOD

CHOTANAGPUR

No. 1245

My church council, the application
should be submitted by the council,
and if need be signatures of the
local people can be attached. The
R. C. church has already received some
plots for its church compound. Please
consult Rev. Borutta about this.

Subject and also please see that
immediate action is taken.

Yours faithfully,
C. B. A.

Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR
(ORISSA STATE)

Ref: No. RGP: SEC: 41-28/6470

May 18, 1957.

Dear Rev. Tigga,

Re: Land for Exchange Siding at Rajgangpur.

You kindly gave an appointment to me for seeing you either on the 15th or on the 16th instant at Ranchi and I wrote you back that I would try to meet you on either of these two dates. Unfortunately, I could not keep up this appointment due to a partial strike in the factory, which has been keeping me engaged in various duties. However, I shall take the earliest opportunity to meet you at Ranchi. Please let me know your programme for the next fortnight.

Meanwhile, we have received a letter dated 11th May, 1957 from some villagers in or nearabout Rajgangpur, which is signed by Rev. Khalkho, Synod President, C.B. Ekka, Ilaka Chairman, C.N. Tigga, Synod Secretary, and others. I am sending herewith a copy of the said letter and would request you to let me know your views in the matter.

With kindest regards,

Yours sincerely,

(K.C. Dutt.)

encl:

✓ Rev. J. J. P. Tigga, M.A., B.D., S.T.M.,
President,
Lutheran Church,
Ranchi.

K.

cc. The Secretary, G.E.L. Church, Hume Pipe Road, Jamshedpur,
for information.

officers to go and
finalise the
take the amount of Rs. 1000 and
compare it as soon
as possible.
22/5/57

This is an
illegal body. It should
be ignored.
22/5/57

The Board of Directors,
Orissa Cement Ltd.,
Rajgangpur.

Dear Sirs,

We could come to know from a reliable source that the Orissa Cement Limited, Rajgangpur, is going to construct two ore more railway lines which will run through our G.E.L. church compound and as a result of which our existing high school building will have to be totally demolished.

Hence we want to place the following objections before you:

1. That ~~ys~~ the aforesaid school building consists of six rooms of 25' x 20' each. The building has been constructed by a common fund willingly contributed by the native christian public of Rajgangpur Illaka and the local general public. No other kind of help or grant has been obtained from the government of Orissa, Church council Ranchi or any other source for the said building. So abovementioned contributors have the rightful authority over the building, and nothing should be done to it without our ~~MEMBER~~ consultation.
2. It is known that the factory is ready to pay either the total cost of the building or ~~the~~ to construct a new school building. In this connection, we want to inform you that there is some confusion in the Church administration due to which there are two parties in the G.E.L. church, one which is known as North Zone of the G.E.L. Church. It is heard that some members of the other party have come into an agreement with the management of the Cement factory for accepting the total cost of the building in cash. But we the members of the North Zone of the G.E.L. church who are also the proprietors of the church properties are dead against such one-sided agreement. Our party earnestly requests that a new school building should be constructed by cement company and the existing building should not be damaged before the completion of the new one. Before getting a new building constructed we cannot allow for the demolition of the existing one. This may kindly be treated as very important.
3. The acquisition land should in no way affect our right on trees standing in the area, that is, we do not want that those trees ~~should~~ should be sold to any other body as we want to use them for the construction of our church building and teachers' quarters etc.
4. Moreover, we want to request that the price of the land acquired should not be given to the other party unless you hear from us in this matter.
5. Further we request you to kindly construct a boundary wall of at least six feet high on the entire length of the railway siding for your interest and for the interest of this institution and to safeguard any uncalled for railway accidents.

Hence we respectfully request you to make a due consideration of the above mentioned points and to construct a new school building of 'E' model in the earliest date possible so that the continuation of the school may not be obstructed in any way.

Rajgangpur
11th May, 1957.

Yours faithfully,
sd. C.N.Tiga, Synod Secretary
sd. C.B.Ekka (Reg)
Ilaka Chairman, Rajgangpur
sd. Z.Khalkho,
Synod President,
Orissa North Zone of
G.E.L. church.
& others of village: Deogaon
Jharberna, Kesramal, etc.

Grams : "ROCKCEMENT" Rajgangpur
Phone : Rajgangpur P. C. O. Ex : 1

Orissa Cement Limited

(INCORPORATED IN INDIA, MEMBERS' LIABILITY LIMITED)

RAJGANGPUR
(ORISSA STATE)

Ref:No.RGP/SEC/5543

30th April, 1957.

Dear Rev. Tigga,

I am just in receipt of your D.O. 965/57 dated the 27th April, 1957 and note that your Church Council Executive Committee will meet from 14th to 16th May, 1957 and I shall try to meet you at Ranchi, as suggested by you, on the 15th or 16th May, 1957.

With kindest regards,

Yours sincerely,

(K. C. Dutt.)

Rev. J.J.P.Tiga, M.A.B.D.S.T.M.,
president,
Lutheran Church,
Ranchi.

D:P.

c.c.the Secretary, G.E.L.Church.
Hume Pipe Road, Jamshedpur.

(9)

Press

G.E.L. Church

Chaubasa.

15-4-1957.

To,

The Secretary,

G.E.L. Church Council

Ranchi.

महोदय,

आप को धोखा सह्य ।

आप का दावा कि उक्त नामा मुझे ता० १३-४-१९५७ को मिला । मैं आपका सहित जो आपने पेश किया और आपका कर रहा था, पर आपका के बदले निराशा हुआ गया । जो हुई है मुझे पूरी रीति से अनुभव हो गया कि इस में जो कुछ भी आपने सचों का साथ नहीं रखा तो पेश करने का है क्योंकि सिनोड का है बगलोर चल रहा है या और मेरे जान उनको है ।

मुझे न चरने की बात उसी का है, इस से यह अनुभव होता है कि मैं निरुद्ध हूँ, इस से यह देखा जाता है कि जो कुछ भी काम मंडली में किया गया व्यर्थ और किसी जगह काम के लयाक नहीं जानें हूँगा ।

इस से मला है कि काम से बंद कर दिया जाए और रुका रुका । ~~यह निश्चय~~ कहता है हर एक आपकी हित को नहीं बरखा दूसरे को हित को भी चिन्ता को । फिलिपी २:४ ।

बहुतों को इतना मोका दिया गया और दिया जाता है पर मुझे हर समय दूर २ जगहों में भ्रम करते दिन बीत रहे हैं इसी लिये आज थोड़ा सुमिधा के लिये बिस्मिन्नापुर या सिमडेगा का आपने पेश कर दिया तो मुक्त भयम जन या भयानक जन को कुत्ते की नई "हड्डि" कहा जाता है कितना दुःख मन को छेदती है ।

फिर फिर मैं इस के लिये आपने पेश करता हूँ और माफ़ी मांगता हूँ कि मैं भित्तों बदलियां हुई हैं निराशा मानते आपका पर ऊपर मेरे सह्य से अधिक है और जाना देता हूँ कि बांग राम न जऊंगा और यदि आप लोगों को मेहरवाजी न ले तो घर ही लोटे ना पड़ेगा, सो आप न कहिये कि बांग दाऊ आपका न माना ।

मैं यह नहीं चाहता कि मैं आपने विषय पुरा पुरा व्याख्यात देकर आप को खिन्न लूं, आप अनुतापी हैं ।

फिरते डंक में जबाब का आदेश करता हूँ ।

आप का विश्वास

सेवक,

Rev. S. M. Bage.

Orissa

MEMORIAL

TO

SRI NABA KRISHNA CHOUDHURY

CHIEF MINISTER, ORISSA

For

**Smooth Working of the Industrial Plant
at Rourkella**

Submitted by

**The Inhabitants of Rourkella,
Orissa**

MEMORIAL

TO

**Shri Naba Krishna Choudhury,
Chief Minister, Orissa,
Cuttack.**

While welcoming and appreciating the move of our popular Govt. to industrialise this part of our country and develop its mineral and other resources by helping in all possible ways the management of Hindusthan Steel Company to open a steel factory at Rourkella, we the inhabitants of the affected villages of Rourkella and its adjacent areas beg to submit the following facts for your kind and favourable consideration :—

1 That the petitioners appreciate the Govt. Press Note (attached herewith) in this connection which is a wise and timely one. It has taken into consideration the difficulties and sad lot of many a villager who will be uprooted from their hearths and homes, to provide room for the proposed Steel Factory at Rourkella.

2 That the humble petitioners are highly indebted to Govt. for the anxiety shown by them to resettle the displaced persons who are sacrificing their hearths and homes in the greater and more permanent interest of their country.

3 That in consonance with the sympathetic and helpful gesture of the Government, the humble petitioners beg to urge the following for their immediate kind consideration in view of the urgency of the matter. In order that no undue hardship be put on the persons who are to be uprooted

from their hearths and homes, the top priority should be given to the problem of providing immediate alternative accommodations for them. And for this, we beg to suggest the undermentioned steps as a practical and wise solution :

(i) That immediate steps should be taken to construct and build up a new colony consisting of 2 or 3 living rooms tenements each, with proper hygienic arrangements, just on the outskirts of the Steel Factory area. In no case, however, this labour colony should be located at a far distance from the factory premises. Otherwise since these poor labourers can never afford to use any vehicular traffic, it would be rather inhuman on the part of the management to force them to come and return on foot from a great distance daily. Hence this colony should be as much near the factory area as possible.

(ii) That, the construction of this labour colony should be taken up in hand at once and the management may requisition on suitable terms, the able bodied willing workers of either sex for this purpose to expedite the construction. And the evacuation of the people from their present homes should start only after the completion of their aforesaid alternative accommodations.

(iii) That, those among the uprooted persons, who prefer to continue agriculture, should be given in addition alternative equivalent cultivable lands also, apart from the necessary subsidies to help them to construct new houses in the new village sites, as proposed in para 5 of the Govt. Press Note (attached herewith). This also should be done immediately and without delay and in every case, before they are ejected from their present moorings.

(iv) That, the aforesaid Govt. Press Note has an encouraging and illuminating feature, in as

much as it has clearly and unequivocally stated that the children of the soil would be given preference in the matter of employment by the Hindusthan Steel Company. It is further gratifying to note that the State Govt., in conjunction with the Govt. of India will shortly start an Adult Training Centre to train Technicians, and recruitments for this will be restricted, in the first instance, to the local inhabitants, preference being given to Adibasis. But the whole spirit of this noble venture will be spoiled if the aforesaid Training Centre is located at Cuttack or any other place far away from Rourkella, even for a short term. In that case the local poor population will have no chance to go to Cuttack or any such other place and enroll themselves for training in the proposed Training Centres. The expenditures involved will be beyond their means. Consequently, the pious hope of giving these people the first preference will vanish, as the more fortunate outsiders will capture the seats in Training Centres and they will come out first of all with necessary qualifications and will thus have better chances for jobs in the Steel Factory at the cost of the poor local population. This will seal their fates for ever. Hence it is very imperative that such Training Centre or Centres should start functioning at or near about Rourkella and the Trainees should be selected primarily from the local population and they should be given not only free training but also should be supplied with free boarding and lodging so that the first batch of the trainees should be wholly from the local population and on successful completion of their training, they should all be absorbed in the Steel Factory on suitable terms.

(v) That, the humble petitioners are highly gratified to note our popular Govt. have also in hand plans for building up one or more semi-industrial areas around the Steel Company Township, in

which building sites, factories and shops sites will be allocated to such inhabitants of the State as wish to set themselves up in business to provide for the various amenities to the increased population. Assurance has been given that preference in such allotments will be given to persons who have been Displaced by land acquisition. And the same should be done by the Steel Company also inside their own areas. Moreover the poor local population, particularly the displaced persons, who would come forward for business venture, should be given proper and necessary subsidies.

(vi) That, last, but not the least, the humble petitioners beg to sound one more word of caution about the mode of compensation and the rate. This should be fixed up in a fair and equitable manner and announced forthwith. Worthy of its name and for this purpose some Judicial Officer preferably of the rank of a Sub Judge or Dist. Judge should be appointed to deal with these matters in the first instance and the affected persons should also have the right to appeal to the higher authorities.

Before, the humble petitioners beg to close, they put in hereinbelow a summary of the main points in issue :—

- (a) That immediate construction of the labour colony should be taken up, just near the limits of the Steel Factory area,
- (b) that immediate compensation and necessary subsidies should be given to all the affected people,
- (c) that the agricultural lot of the affected persons should also be settled up with necessary lands and subsidies, with least possible delay,

- (d) that in no case, the evacuation should start before alternative accommodations are made available to the affected persons,
- (e) that the proposed Training Centre or Centres should start functioning with local trainees free of cost, at Rourkella or near about, avoiding distant places,
- (f) that all the willing local population should be given the first preference in appointments to all jobs and business opportunities in the factory area and nearby townships with necessary subsidies,
- (g) Finally the compensation and subsidies should be allowed with least possible delay and Judicial Officers should be in-charge of the administration of the same.

The humble memorialists further pray that they will be very much beholden to the Govt. if a deputation of the Memorialists be graciously allowed to wait upon the Government or upon any body entrusted ad hoc for this purpose at an early date to help the Memorialists to urge and explain their viewpoints more fully and properly.

We beg to remain,

Yours faithfully,

**Inhabitants of Rourkella
Orissa**

Copy forwarded to :

- 1 Sri Jawaharlal Nehru
Prime Minister of India
New Delhi.

- 2 Sri G. B. Pant
Home Minister, New Delhi.

- 3 T. T. Krishnamachari
Minister of Industries
New Delhi.

- 4 The President
All India Congress Committee
New Delhi.

- 5 Mr. Srikant
Commissioner of Scheduled Castes
& Scheduled Tribes
New Delhi.

- 6 The Deputy Commissioner
Sundargarh, Orissa.

GOVERNMENT OF ORISSA

INDUSTRIES DEPARTMENT

PRESS NOTE

1. The Government of Orissa are aware of the existence of wide spread anxiety, among all sections of people and in particular among the population of the area to be acquired for the construction of the Steel Factory at Rourkella, in the matter of ensuring that the people of the State derive adequate benefits from the establishment of the Factory in Orissa. The local population, who have to make room for the Factory are also deeply concerned about their future, after they give up their hearth and homes. Interested parties are taking advantage of this anxiety to circulate false and exaggerated rumours, calculated to disrupt the smooth progress of construction and to generally hamper the progress of this national venture. Government have, therefore, decided that it is desirable to give the widest possible publicity to the arrangements they have made in all these matters.

2. First and foremost, with the start of the construction of the Factory and township, a large number of people now in occupation of the 20,000 odd acres of land immediately required for construction of the Factory and township, will have to give up their hearth and homes and resettle themselves elsewhere. Every one may not be required to leave at once, but once construction starts in full swing, it would become increasingly inconvenient for persons to continue occupying the existing villages. This disruption of normal life would affect about 2,000 families and their resettlement in the shortest possible time is therefore, an operation of some magnitude. The entire population will therefore, have immediately to be found, alternative sites for building new villages and also as much agricultural land is possible.

3. In order to cope with this problem and the evacuation and resettlement is made as expeditiously as possible at the same time with the least hardship, Government have decided to appoint the present District Magistrate of Sundergarh as Deputy Commissioner, Land Acquisition and Resettlement in addition to his own duties to make all necessary arrangements. This Officer will be responsible under the general supervision of the member Board of Revenue, Sambalpur for payment of compensation for acquired land, houses etc., as also for arranging the laying out of new village sites new agricultural colonies and also for ensuring that all employable persons among the persons displaced are given gainful employment in the construction of the Steel Factory.

4. Agricultural land inadequate quantities, to satisfy every one will, obviously, not be available. Also, with the increased employment opportunities offered by the Steel Company, every one may not require agricultural land. The problem of each individual and family will be different and it will be the aim of Government, through the Deputy Commissioner, Land Acquisition, and Resettlement, Rourkela, to assist each individual to resettle himself in the best manner possible.

5. A certain amount of new forest land will be leased out for reclamation to those who prefer to continue agriculture. The leased areas will mostly be in the commanded areas of minor irrigation projects under construction, although for certain portions, irrigation facility cannot be guaranteed. As the land will require to be reclaimed, before it can grow crops, the displaced persons who are allotted these land, will be given some subsidies, in addition to compensation for their land. It is also proposed that the displaced person should be given some subsidies to help them to construct new houses in the new village sites.

6. As already stated, the evacuation and resettlement of over 2,300 families in the short period of 1 or 2 months, is a stupendous task. The extent to which the Deputy Commissioner, Land Acquisition and Resettlement is able to prevent hardship and to arrange smooth resettlement will, to a great deal, depend on the extent of Co-operation that would be forthcoming from the persons to be displaced. Government have, therefore, decided that all these facilities such as allotment of new land, village sites and subsidies for housing buildings should be made available strictly on the condition that the persons concerned co-operate, to the fullest extent, with the Deputy Commissioner and obey his instructions implicitly. It is only on these conditions that hardship and confusion can be prevented and Government therefore, hope that every one concerned will extend to this Officer his utmost co-operation.

7. Doubts have been expressed in certain quarters regarding the adequacy of compensation. Government want to make it quite clear that there is absolutely no room for such doubts. Adequate compensation - based on actual land values but not speculation values and other relevant considerations—will be paid for all land, trees, buildings etc., and arrangements have been made to effect these payments as soon as

the acquisition is completed. The rate offered for different varieties of land will naturally vary, but Government can give the assurance that in all cases adequate compensation will be paid.

8. Anxiety is also expressed in regard to employment opportunities for the people of Orissa. In this matter also, a great deal of false propaganda is being made to the detriment of the smooth progress of work. Government wish to give the widest publicity to the fact that the Hindustan Steel Company have undertaken that inhabitants of the State, if they are qualified will be preferred for all jobs under them. Already a good percentage of the Labourers now engaged by the Company is from among the local population which is going to be displaced. Employment in other categories has not yet made great progress, but Government have been assured that preference will be given to Oriyas for jobs in all categories provided they are qualified.

9. An arrangement has been made that the Company may draw upon surplus personnel of the Government. Already a large number of Engineers from the State Government service have been made available to the Company.

10. An Employment Exchange will shortly be started in Rourkela by the Government of India, the management of which will be taken over by the State, Government before long. The State Government, in conjunction with the Government of India, will shortly start an Adult Training Centre to be located for the present in Cuttack but ultimately to be shifted to Rourkela, to train Technicians and recruitments to this, will be restricted, in the first instance, to local inhabitants, preference being given to Adibasis. The Steel Company will also restrict their recruitment of trainees, for their own training course, to the people of Orissa and selection parties for this purpose will shortly begin round the districts of Orissa.

11. As far as the employment of persons to be immediately displaced is concerned, there would be no difficulty for any one willing to work to get a job in construction. For the small trader who is not accustomed to labour manual there will be increased opportunities for trade due to the large labour population that will spring up.

12. The Government have also in hand plans for building up one or more semi-industrial areas around the Steel Company's Township in which building sites, Factories and shop sites will be allocated to inhabitants of this State who wish to set up in business to provide various amenities to the increased population. Preference in such allotments will be given to the persons displaced by land acquisition. Again the Steel Company have already agreed that Oriyas will be preferred for the allotment of shops, bazars etc., inside their own areas.

13. It will be the special concern of the Deputy Commissioner, Land Acquisition and Resettlement to help the local people to take full advantage of the above facilities. The Government have also made available to the Steel Company the services of one of their senior I. A. S. Officers Shri G. C. Dash. The Company have posted this Officer to Rourkella as a Development Officer. Thus both from the Government side and from the side of the Company high level Officers have been put in charge of ensuring that all the facilities that can normally be expected to accrue to the State by the establishment of a National concern within its borders would, in fact become available to the people of Orissa.

14. Government wish to reiterate that their efforts in this matter would only be successful if they have the whole hearted co-operation of all concerned. In particular, Government wish to warn the local population against being led away by false propaganda of interested parties, who do not have the interest of the people of the State at heart but who merely wish to cause disruption and dislocation to the smooth progress of work to the detriment of the National Development Plans and to bring into disrepute the people of Orissa. Government therefore, earnestly hope that no attention would be paid to such false and malicious propaganda.

From - G.E.L. Church

To,

The,

President,

G.E.L. Church Council
Chrt + Assam.
Kanchi.

~~Ossa Rato Biskara.~~

of 20/3/57.

H. H. Sir,

It is to inform you that we are
sending the Church Report in the hand
of delegate member Shri. Bann
Larva. R. Biskara.

Please kindly and reply of
to me with this for the information.

yours M.S.

D. B. Singh
For the G. C. L. Church
Rato Biskra.
P.O. Rampur.
Gumergarh Biskra



The President
नाम G. C. L. Church Council
पता G. C. L. Church Council
Ranchi
Ranchi
डाकखाना Ranchi
जिला Ranchi
(Biskra)

From,

C. A. Lucas. Title

P. W. B.

Contractor,

Lunenburg

P.O. & Dr.

Lunenburg.

Onosa

To,

The

President,

J. E. L. Church, Rauche.

P.O. & Dr.

Rauche.

Dated Lunenburg 24th March 1937.

Sir,

I have learnt that the present school building of Raigangpur is going to be demolished by M/s. Orissa Cement & Co. Raigangpur to construction of railway line over there, and the Company is paying compensation for construction of new school building.

I am an approved P. W. B. Contractor of Lunenburg district and have undertaken road construction work here. I am a Christian Contractor. Being Christian, I assure that I can do the construction work of school building with full faith which cannot be expected if a non-Christian is engaged for construction of school building.

Under the circumstances stated above I request that in case the work is proposed to be given on contract basis, the same may be entrusted to me, instead of giving to any other Contractors. If my case is considered, I may please be informed early so that I can be able to prepare necessary plan and estimates for the building.

Yours faithfully,

C. A. Lucas Title

With P.O. Lunenburg.

Dr. Lunenburg

Omissa
Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Ref. No.

G.E.L.Church Compound,
Ranchi.

The 16th May, 1957.

From

Rev.J.J.P.Tiga,M.A.,B.D.,S.T.M.

To,

Shri Ranendra Pratap Singh Deo,B.L.,
Deputy Collector,-in-charge,
English Office, Sundargarh.

Dear Sir,

With reference to your D.O.No.3573 dated the
12th April,1957, I have the pleasure of sending the following
available documents for your perusal and the needful:-

- (1) Copy of letter from Sri S.A.Bagchi B.L., Dy. Collector in
Charge, English Office, Sundargarh, No.VI-A-2/53 dated
Sundargarh, the October'53.
- (2) Copy of letter from Secretary G.E.L.Church dated 24.10.1949.

I shall be very thankful to you if you will be kind enough
to expedite granting of licenses prayed for in my letter No.4196/56
dated 5-10-1956.

With due respect,

Yours faithfully,


President,
G.E.L.Church, Ranchi.

2- True copy.

DISTRICT OFFICE, SUNDARGARH.

No. VI-A-2/53.

From

Sri. S. A. Bagchi, B.L.,
Dy. Collector in Charge,
English Office, Sundargarn.

To

Rev. Sharan Purty,
Rajgangpur, P.O. Rajgangpur.

Dated Sundargarn, the October '53.

Subject:- Grant of license under sec: 6 and 9 of the Indian
Christian Marriage Act 1872.

Sir,

A copy of the license granted by the Governor of Orissa u/s
6 and 9 of the India Christian Marriage Act 1872, is forwarded here-
with in original, the receipt of which may please be acknowledged.

Yours faithfully,

Sd/- S. K. Bagchi.

28.9.53.

Dy. Collector in charge,
English Office, Sundargarn.

Memo No. 9879.

Dated Sundargarn, the 2nd Oct. 1953.

Copy forwarded to Secretary, W. B. L. Church, Ranchi for information
with reference to his letter No. 1227/53 dt. 25.9.53.

Sd/- S. K. Bagchi.

Dy. Collector in charge
English Office, Sundargarn.

P.T.O.

DISTRICT OFFICE, BUNDABARA.

2-11-1935

No. VI-2/35

Certified to be true copy.

Sd/- N.E. Hore,

Secretary, 25/4.

C.E.L. Church, Ranchi.

To

October '35

Subject: Grant of license under sect 8 and 9 of the Indian
Christian Marriage Act 1872.

Mr,
A copy of the license granted by the Governor of Orissa w/s
8 and 9 of the Indian Christian Marriage Act 1872, is forwarded here-
with in original. The receipt of which may please be acknowledged.

Yours faithfully,
Sd/- J.T. Dey,
25/9/35

By Collector in charge,
English Office, Bundabara.

Recd. No. 2072.
Recd. Bundabara, 25/9/35.
Copy forwarded to Secretary, C.E.L. Church, Ranchi for information
with reference to license No. 1272 of 25.9.35.
Sd/- J.T. Dey,
By Collector in charge,
English Office, Bundabara.

J.T.D.

True copy.

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

No. 1476/49/F-12.

Ranchi, the 24th October, 1949.

To

The Registrar General of Birth & Deaths
& Marriage, Orissa, Secretariat.
Cuttack.

Subj:- Grant of license under section 6 and 9 of the India Christian Marriage Act (Act XV of 1872) to seven ministers of Religion named below of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam for the territories under the administration of the Government of Orissa.

Sir,

I have the honour to report to you that there are ten ministers of Religion of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam shepherding about forty thousand Gossner Lutheran Christians within the Province of Orissa.

2. Therefore I have the honour to request to you to kindly arrange marriage license under section 6 and 9 of the Indian Christian Marriage Act (Act XV of 1872) for seven Ministers of Religion named below belonging to the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam registered under Societies Registration Act, of 1860 section 21.

3. The seven licenses will be required for the whole of the territories under the administration of the Government of Orissa.

4. It is also respectfully requested that the said Ministers of Religion may also be appointed to function as Registrars of Births and Deaths under Act VI of 1886 within the Province of Orissa.

Yours faithfully,

Sd/- C.D. Sirka,
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Names and addresses of seven Ministers of Religion:-

1. Rev. Zakariah Khalkho, stationed at Rajgangpur, P.O. Rajgangpur, District, Sundargarh at present holds license for Sundargarh district only.
2. Rev. Christ Bilokan Ekka stationed at Rato Birkera, P.O. Panposh, District Sundargarh at present holds license for the district of Sundargarh only.
3. Rev. Suleman Bage stationed at Karimati, P.O. Bisra, District Sundargarh, at present holding license for Sundargarh district only.
4. Rev. Julius Surin stationed at Runga P.O. Bargaon, District Sundargarh holds license for Sundargarh District only.
5. Rev. Christopal Kandulna stationed at Ghoghor, P.O. Birmitrapur, District Sundargarh, at present holds license for Sundargarh district only.
6. Rev. Christ Halan Kerketta, stationed at Loarom, P.O. Bisra, District Sundargarh, at present holds license for Sundargarh District only.
7. Rev. Prem Dan Silas Bage stationed at Jharsuguda, P.O. Jharsuguda, District Sambalpur at present holds no license.

Certified to be true copy.

Sd/- N.E. Horo, 25/4.

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Orissa
Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

Ref. No. 1231/57.

G.E.L. Church Compound,
Ranchi.

The 31st May, 1957.

From Rev. J.J.P. Tiga, ~~B.A.~~, M.A., B.D., S.T.M.

To

Catechist I. Lakra,
G.E.L. Church,
Sundargarh.

Please submit your bill and the appeal to the President.

Orissa Synod. The Church Council cannot understand it - it is a
local matter.

J. J. P. Tiga
President, 31/5
G.E.L. Church, Ranchi.

True copy

By Registered Post

Birmitrapur
Feb. 9th, 1956

Emanuel Lakra
Head Pracharak
Lutheran Church, Sundargarh.

Dear Sir,
I have to invite your attention to your stamped Loan document dated 15.6.52 where under you secured a loan of Rs. 200/- from me, promising repayment in full by August, 1952.

However, inspite of your solemn undertaking, the money has not yet been returned to me. Please arrange to repay this amount in full to me by 31-3-55, failing which I may be obliged to take legal action against you.

Yours faithfully,

(L.H. Lancaster)
Birmitrapur.

Sundergarh

20-5-57

महाभा-मन्त्र प्रेस (डि-र हॉटेल - जो. ड. एल. चो. रं. चो)

महाशय -

मैं Mr. L. M. Lencaster Birmingham के 200) को का रजिस्ट्रार विसाई
लिख भेजता हूँ. आप देख सकते हैं. कि 33 में खोला है का 2 काफ़ डुआ।
मेरी इच्छा हुई. कि इस सिलसिले में - S. Garh नया गिरजा घर बनने में विषय
लिख फेंकें - :-

C.C. को भालमदे मि. सु. ग. ग. में एक नया गिरजा घर
बन गया है 42-ई. 44 भाग तक. 600 वर्ग फीट में लम्बाई लगा, 98 भाग
1844 को घर हटका हुआ. और मनी गिरजा हो रहा है।
इस घर को बनाने का रोकड़ कहां 2 है मिला. तो भी C.C. को भालमदे
सरकार के 10000) रु. C.C. के 2000) रु. (मात्र 12000) रु. / जिस का
कारदार Rev. J. Minkut, Rev. J. Chalkho, और यहां के दो गार्ड - मनीत
Mr. S. P. Kandulna और Mr. N. Kankalia थे।

अपशोष इतने खोला है, मंहरी जाना, और कुछ केनरी सीजन का
घर बनने के कारण घर बैठा होने नहीं सका।. माया से कुछ ज्यादा
काफ़ हो के माय बन्द हो गया। 42 - 46 तक काम हो के बन्द हो गया।
का का हालत बहुत खराब हो गया. बरसात से

काल का उड़ा गलने लगा, एक जगह तो किराक हो के फट भी गया था
मसने का मय था।. शहर जगह और एकान्त में होने के कारण गुंडाओं का
जगह बन जाता था।.

अपशोष जब तक खोला था 42 का भालमदे बहुत थे
जो पत्र खोला शेष हो गया. तो कोई भी नहीं।. ता. 4-3-57 राजमन्त्र
आम हवा और इलाका में इस के विषय बात फैला हुई. और फैलाना शुरू
फैला पतुडि हो के करीब 200) रु. मिला।. जिस का account दो पाइ है।
इस खोला के कुछ बहुत मोम हुआ और जिसे काफ़ बन्द हो गया।
इस के विषय सब के सब चूफ चाप हो गये।

मैं प्रभु को धन्यवाद ज्ञापित. प्रभु प्रभु - सुदमाय
इतने नसी दिया. प्रभु का कहना सब है कि दुर्लभ लक्ष्य में मेरा माय सिद्ध होता है
मैं ने देखा।. उपाय बुझी - और लाभार्थ दिया - :-

मैं ने एक जो वागील एलेन को
जो S. Garh कनहाई में होत है - उस से एक अपील मंगवा English से
बन गया - और दैय को को ले लिखा - और 3 वर्ष, लम्बे देखा 2 में, 3वीं
अगला - को - गांवों, बरहानों, और मीलों में जा के - खुलासा, ~~का~~ हिन्दु को
गोरा लावेवों - से भिदा भागा - जिस पर भी पत्र आम शेष नहीं होने
लगता तो घर के अपने सुनी ले लेंगे - ~~का~~ तथा निरु भंडारी में गाइयों
पेरिश - इलाका ~~का~~ का C.C. तक नहीं. कह के 2 महशयों के पैसा
भी जागने को निकला - और वे आनन्द ले रहे थीं।. जिस के नाम दे है.

I Mr. L. H. Lancaster Birminghams से 200) रु. जो ता. 24 द. 52
को दिया है - जो गरी लौटाया गया है। जो दीवाल - फाँट है - और फलफूल
और इतरे 2 भाग में रख दूंगा - जिसको देख सकते हैं।

II Mr. Messrs. Messrs. E. K. L. Langbisha से 100) रु. - जिस लैंगो से
तीनों दूर अनवाया गया है। इस भाग को लैंगो सिंकार मगरनी से केवल 30
लौटाया गया है - बाकी 70) रु. है।

इसका पता है लोके, सिंकार और जैसा उधार लैंगो
पता करीब 2000) रु. का हिस्सा मेरे पास है - जिसको मैं जब पानी
पका हो जायगा - तब दिल्ली - से लेके इसका और C.C. को साफ हिस्सा
दे दूंगा ॥

आगे मैं इस दरखस्त को द्वारा मेरी ~~है~~ है
पार्थना भाग से यह है कि नृपाया Mr. L. H. Lancaster लौटने
का लैंगो छुटने को 200) रु. देने को मजबूर हो - भों वे दो साल
ले मुझ को बहुत लंगे करते हैं - लेकिन धिरे - और तार - और
मुझ में भी कहते हैं कि लैंगो देओ, देओगे कि नहीं - नहीं देने से
मोकदमा कहंगा बोलता है - और मारी 28 ता. मारी को वे 100) रु.
वक मागे हैं - मैं ने हमारे इलाका चेयरमैन साहब Rev. C. S. को भी
यह बात बतलाई है। मेरा C. C. Grant जो मेहनत 24) रु. मेलाते हैं
जो मिरह 24) रु. का मारी वक - ~~ले~~ ~~हक~~ भी नहीं मिला है - उस मेरे
भी तो कुछ सिंकार - 24) का भी C. C. Grant बाकी ही है सो मैं
होसा हलत में फुलने आशा सोहित भागत हूं नृपाया मेरी मारी
गुहल भी पाए - जिसके लिये मैं धन्यवादी हूंगा। शति -

भाद का भादार्थीन

उपाधि J. L. L. L.

J. E. L. Church S. 24/5

अंत में भी शु ब्रह्म ॥

Expenditure of Rs. 200/- received from
 Mr. L. H. Lancaster of Birntraker as Loan,
 from 9th June to 21st June 1952
 (Paid on. 17-6-52 and 22-6-52)

S. No.	on what account spent	Amount		
		Rs.	As	Ps.
1	mistri, cooly & Rijes Payment	128	1	-
2	Chune Kharid	27	0	0
3	Rassi (Dori) Kharid	1	0	0
4	Nardi Ka Bache Dholas	14	9	-
5	Barhai - (Chaukhal Banavamen)	12	12	-
6	Gachh Chirai (Arakesiya)	9	6	0
7	Rupaiya Khoj men Jane Ka	7	4	0
	Kharach Cate. J. Lakra Ka			
	S. garh. se Birntraker And Jane aur Kharanpikhe men. - - (pholy & Train Ware)			
Total Rs.		200	0	0

Cate. J. Lakra

S. E. L. Church

Sunday 20/5/59

Prasa

G. E. L. Church

मान्य सैन्टोरी ~~A. E. Horo~~ Ghoghor
Chhotanagpur and Assam G. E. L. Church 2-7-56
सहाय होवे। आप को मेरा यीशु

आगे आप को जनाया जाता है हम लोग सारे परिवार दोघोर में 23 जून को पहुंच गये और रहने का धर्म भी मिल गया है। पर अभी तक सब बातें सफल नहीं हुआ है मुक्त को चर्च नहीं मिला है चर्च मांगने से जवाब मिलता है कि सब सम्मान दिनोंद को जिम्मा दे दिया गया है। पर मैं तो अपना काम आपका कर दिया हूँ। मैं अफसोस करता हूँ कि मंडली में भी

मुझे अशांति उत्पन्न हो
रही है मर्जी न मिलने
के कारण।

आप का विश्वास
Rev. S. Bhangal
G. E. L. Church
Ghoghor
P.O. Raiboga
Dist Sundargarh
Orissa

पोस्ट कार्ड

साथ का कार्ड जवाब के लिए

केवल पता



20
The Sec. Secretary N.E. Horo
नाम
पता G. E. L. Church
Ranchi
Ranchi
डाकखाना
जिला Ranchi
(Bihar)

From President-Rev.J.J.P.Tiga,.M.A.,B.D.,S.T.M.,

Ref: NO. 4435/56.

G.E.L.Church,Ranchi.
The 14th November,1956.

To

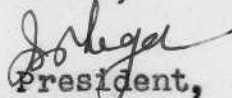
Rev. C.B.Aind,
Synod President,
Orissa Synod,Rajgangpur,

Dear Rev.Aind,

Kripa karke Rourkela jaiye aur jahan jahan girja
ghar banane ka prastaw hai aur jagah milne ke laek hai wanhan ke
bhaiyon ko darkhast banane men aguwai kijiye. Yanhan bhi mere
pas likhiye ki main bhi yanhan se darkhast bhej sakun.

Yishusahay.

Prem se,


President,

Bh.Lakra.14/11/56.

G.E.L.Church,Ranchi.

35
Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

NO. 4389-90/56

G.E.L.Church, Ranchi.

From President Rev.J.J.P.Tiga, M.A., B.D., S.T.M., The 12th Nov:56

To

Rev.C.B.Aind, Synod President,
G.E.L.Church in Orissa and
Rev.Christopal Kandulna, Chairman,
Jarakudar Illaka.

Pyare bhaiyon,

Bahut achhi bat huwi ki Ratobirkera se Sri Kurin Lakra
Sri Turben Nathan Topno aur Sri Alfred Lakra mere pas aye aur
unse sab baton par pura pura sallah bichar huwa hai.

Meri ray hai ki ap log Sri Kuril Lakra ko hukum de
dijiye ki wah janhan janhan darkar ho ja kar bhai bahinon ko
samjhawe ki we so-called North Zone walon ke bahkawe men na awe.

Prem se ap logon ka bishwasht,

J. Muga
President,

Bh.Lakra.

G.E.L.Church, Ranchi.



पोस्ट कार्ड

सोप का कार्ड जबाब के लि

केवल पता



20

नाम

The Secretary

पता

G. E. L. Church

Council

डाकखाना

Ranchi

जिला

No. 113 35

Sundergarh.
31-8-56.

20

The Secretary.

H. E. L. C. Raut

Sir,

In reply to the notification
of C. C. meeting of the President.
I have to inform you
that on account of Edn.
Officers' visit to our
school I am unable
to attend the meeting
on the 5th & 6th Sept-56.

Yours faithfully.
A. K. Katta



पोस्ट कार्ड

केवल पता



नाम The Rev. J.J.P. Tiga,

पता President, G.E.L.C.,

G.E.L.Church Compound,
डाकखाना

ज़िला Ranchi, Bihar.

52

From *On's sg*
The Rt. Hon. R. B. Manikam, Ph. D., D. D.
Chief Minister of Tranquebar,
Tiruchirappalli, S. India.

Rourkela

July 5, 1956.

Dear Mr Tiga,

Thank you for your letter of the 26th June re:
the Rourkela project. I shall be interested to know the
outcome of your conversation with the Managing director.

AJT/87

Yours sincerely,
R. B. Manikam
(R.B. Manikam)

On Postal Service.

To

Sender's name

and address.

Name-stamp of
office of posting.



R. P. 54

Acknowledgment.

(To be returned to office of posting for delivery to sender.)

RECEIVED a registered* Cover No.
addressed to (name) Rev. Sharan Burti, G. B. L. Church,
Ghoghor, P. O. Raiboga, Dt. Sundargarh, Orissa. ..

† Insured for Rs.

† Weighing (in words) tolas
rates

Signature of addressee Sh. Parley Barlot ..

Date of delivery 23.6.56 19

* Write here "letter," "post-card," "packet," or "parcel" as the case may be preceded by the word insured" if the article is insured.

† To be filled up only in the case of insured articles, and to be scored out in the case of other articles.

Deshbandhu—P. O. PC/188/52-CMB—15.7.52.—(4917/OP-188 P & T)—1.3.53.—3,00,00,000



On Postal Service.

To

Sender's name

and address.



Name-stamp of
office of posting.



35

Orissa

R. P. 54

Acknowledgment.

(To be returned to office of posting for delivery to sender.)

RECEIVED a registered* Cover No
 addressed to (name) Rev. Z. Khalkh, G. E. L. Church
 Rajgangpur, P. O. Rajgangpur, Dt. Sundargarh,
 Orissa.

† Insured for Rs.

† Weighing (in words) total
rates

Signature of addressee L. Lallesh

Date of delivery 22.6.1957

* Write here "letter," "post-card," "packet," or "parcel," as the case may be preceded by the word insured" if the article is insured.

† To be filled up only in the case of insured articles, and to be scored out in the case of other articles.

Deshbandhu—P. O. FC/188/52-CMB—15.7.52.—(4317/OP-188 P & T)—1.3.53.—3,00,00,000

25th August, 6.

- 1) Rev. C. B. Aind, Synod President.
- 2) Rev. C. H. Tirkey, Ilaka Chairman, Lohardaga.
- 3) Rev. C. B. Wins, Synod President, Gumla.
- 4) Rev. M. Sange, Synod President, Khutitoli.

Dear Pastors,

I am sending the following Telegrams :-

- "(1) PASTOR, LUTHERAN CHURCH, LOHARDAGA.
- (2) PASTOR, LUTHERAN CHURCH, GUMLA.
- (3) PASTOR, LUTHERAN CHURCH, KHUTITOLI.

ARRANGE LOHARDAGA TWENTYNINTH GUMLA THIRTIETH
KHUTITOLI THIRTYFIRST ARRANGE MEETINGS."

PRESIDENT TIGA.

I am coming to visit you, your schools and the
local congregation as follows. Please arrange for M.C.
Meetings and Church Services.

Sunday 26th Augustleave for Rajgangpur.

Monday 27th "Rajgangpur Meetings to be
arranged by Synod President.

Tuesday 28th "Back to Ranchi.

Wednesday 29th "Mr Lohardaga arrival at 9 A.M.
stay whole day. Halt at night.

Thursday 30th " Gumla arrival at 9 A.M. stay
whole day. Halt at night.

Friday 31st "Khutitoli arrival at 9 A.M.
stay whole day. Halt at night.

Yours sincerely,

J. S. Sanga
President,
C.E.L. Church, Ranchi.

कलौड़ा की वर्तमान स्थिति एवं राजगंगपुर में १ बी और १६ बी सितम्बर की बैठकी पर विचार

औरंगाबाद

पणिक

- फरसा कनी- राम कनी, डूङ्गा बजहार, रेंगाड बजहार
- गर्भाना, केसर माछ, पेरवाँ भाई, खिजुर डोह
- मराडलियों के उराँव भाई
- भूरमूल, बड़माल, जम्हा हल, भुरेन बड़भाता
- मराडलियों के प्रायः आधे उराँव भाई लोग
- किंकेल सिनेड के उराँव भाई बाहन
- +++++
- +++++

डकु लोग

शेतान प्रधान

- जुरूल लकड़ा, जोहन दोषे दोनों पाद्री
- पी. डी. पन्ना
- जंकरिया खकसौ { ससपेंड }
- शरन पुरती { पाद्री }
- +++++
- +++++

माजक

- जिहो तिग्गा { पाद्री }
- सो. बी. आईन्द { पाद्री }
- खिस्त के समझने वाले समस्त पाद्री गरा

लेबी

खिस्त के समझने वाले समस्त खिस्तान

दयाबु-
शोभीरानी

९९

बैबल

प्रभु जीबु मसौह प्रधान

○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○

○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○○

कलौड़ा

N. B. — + आवात
 0 अनवात

आप का देस अपवा
 दुष्मन
 Michael Lakra
 Anwarabahr
 P.O. Thehaitangar - Ranchi

19. 9. 56 Rajgaon Hake Anusabha

Prayer - Rev. C.B. Hind (8th 2:11-21). Chairman elected for the day Resident B.L.C (New Diga). Deputy secretaries - Sri Marshallan Manki & Shem Soy.

⑩ Kalisha ki varman dasha

I Rajgaon Parish

1. Rajgaon Mandli	158
2. Geyamal	11
3. Rudkabahal	7
4. Rengarbahar	nil
5. Pharsaqui	8
6. Mani Deh	4
7. Sahipia	15
8. Khatang	10
9. Kesamal	4
10. Chiniwahul	4
11. Chhatam Khatang	7
12. Jansihela	5
13. Subhanala	4
14. Bargam Singhia	13
15. Chandipais	1
16. Kichunda	4
17. Chakand Phaula	nil
18. Karsahalal	15
19. Kewagon	16
20. Rajindia	2
21. Khiprook	nil
22. Ranganbhan	3
23. Katura	12

II Shoghar Parish

1. Shoghar	15
2. Phahutata	8
3. Khaykahan	5
4. Kestmunda	nil
5. Baramal	8
6. Dnyabandh	3
7. Jhalain	4
8. Rangumati	4
9. Kogson	1
10. Samlemunda	1
11. Khatamunda	2
12. Jhumul	4

Philehamfur	1
Barogoch	nil
Endaga	nil
Lakesomers	9
From other Hakes	
Janakundar	
Bamra	
Karimatti	

372

- Speakers
1. Rev. C.B. Hind
 2. Mr. Vakil Nag
 3. Mr. D. B. Bhandari
 4. Mr. Shem Soy
 5. Mr. P.D. Nag

III Runga Parish

Runga	2
Deogson	1
Kinibga	3
Sun dega	nil
Hutepani	nil
Tanga jaon	2
Golebaphan	nil
Chaghra	nil
Rajabasa Baitanba	8
Paura	nil
Siyamal	5
Jamunla	2
Jeeunbaha	2

To

- 1.) The Officers of the Synodical Councils of the G.E.L.Church.
- 2.) All Pastors.
- 3.) Pracharaks C/O Parish Pastors,
- 4.) Head Masters and Head Mistresses of Schools,
- 5.) Teachers C/O Head Masters & Head Mistresses,
- 6.) Manager, G.E.L.C.Press.
- 7.) Employees of the Press C/O The Manager,
- 8.) Employees of the G.E.L.Church Central institutions,

Dear Sirs,

It is learnt that some workers and members of the G.E.L.Church have declared themselves independent of the Mahasabha and its Church Council and have decided to sit up a separate administration of their own.

From the administration point of view it is important for me to know whether you

(1) Do you want to work under this Church Council?

(2) Do you want to be under the undivided Mahasabha ?

The reply from all Pastors and Head Masters and those connected with the Central institutions of the Church, must reach the undersigned on or before the 3rd September, 1950.

Others must reach by the end of September.

Please sign and return.

Namely



पोस्ट कार्ड

केवल पता



नाम ³⁰ The Assistant-in-Charge
पता G. E. L. Church
(Council)
डाकखाना
ज़िला Ranchi

35

No. 112

14/8/56

Sundargarh.
14-8-1956.

from N. Kerketta, member G.E.L.C.C.
dated Sundargarh 14th Aug. 56.

to

The Asst. in charge, G.E.L.C.C.
Ranchi.

Subj: Your No. 2345-79/56
of 10-8-1956 referring to no 1585-
1631/56 of 14.5.56.

Dear Sir,

I regret to inform you
that I have not received the
minutes of the meeting of the Sub-
Committee on Board of Properties".
Hence I am unable to submit
my opinion on it.

Yours faithfully,
Kumaram
CC member
Sundargarh
14/8/56.

Orissa Synod members

I Rajgangpur Daka

- ✓ S. Dinesh 1 Chairman : Rev. C.B. Bird ✓
 X 2. S. Dinesh 2. Synod Secy : Bro Nistar Tiga
 X 3. S. Dinesh 3. " member : Gunas Baze Gopin
 4. " " : Paulus Nag What Raj ✓

II Karimatti

- ✓ 5. Chairman : C.B. Sika
 ✓ 6. Syn. member : Shammankh Gupta
 ✓ 7. Kaudulua

III Janakudan

- ✓ 11. Chairman : C.C. Ming
 ✓ 12. Elias Horov ✓
 ✓ 13. Thomas Bird ✓
 ✓ 14. Abraham Tishay ✓
 X 15. David Ming
 X 16. Panapau

IV Jhansugda

- X 17. Rev. J. Sarin ✓
 X 18.
 X 19.
 X 20.
 X 21. John Thomas ✓
 X 22.
 X 23.

V Baura

35

No 33/57.

Rajgangpur
21-7-32.

From: The Rev. E. B. Aird.

To, The president,
G. E. L. Church, Ranchi.

Subject - Marriage license.

Sir,

The G. E. L. Secretary has already applied for the above subject for three new pastors, i.e., Rev. S. Dey, Rev. J. Swin and myself to the Orissa Government. May you please see that license should be obtained as soon as possible. The delay in having license should put us in a very precarious condition.

One thing I let you know for your information and help that I have solemnized an unregistered marriage of one pair here. Now Rev.

Khallcho is inducing the party
to file a case against me. If
the party will keep silent it is
suspected that he will report
to the govt.

yours faithfully.

C.B.H.c.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No. 4093/56.

Dated the 15th Sept. 1956.

To

The Deputy Commissioner,
Sundargarh, Orissa.

Dear Sir,

has

The Council of the G.E.L.Church/approved the order of suspension of Revd. Zakariah Khalkho of Rajgangpur and Rev. Sharan Purti of Ghoghor from their work as pastors. They are not to act as registrars of births, marriages and deaths during the period of their suspension. They have been ~~substituted~~ substituted by other pastors, viz; Revd. C.B.Aind has been placed at Rajgangpur and Revd. Stephan Dungdung at Ghoghor.

Yours sincerely,



President,

G.E.L. Church, Ranchi.

Memo No. 4094-97/56.

Copy to (1) Revd. Z. Khalkho.
(2) Revd. Sh. Purti.
(3) Rev. C. B. Aind.
and (4) Rev. S. Dungdung.

G.E.L. Church Compound,
Ranchi (Bihar) India.
The 15th September, 1956.

Extract from the resolutions of the full Church Council, G.E.L. Church in Chotanagpur and Assam held on 5th and 6th of September, 1956.

X X X X X
Item No. 9a. Ministerium ka report babat Rev. Z. Khalkho & Rev Sharan Purti ka suspension.

Ministerium Secretary ne report diya ki Rev. Z. Khalkho aur Rev. S. Purti ko transfer sambandhi official order na manne ke karan President ne suspend kar diya vide letter No. 237/56 and 268/56 dated the 20th June, 1956. President ki yah karrawai Ministerium men pesh ki gayi aur Ministerium ne is sambandh ki sab chitthiyon ko sun kar aur convinced ho kar ki President ki yah karrawai approve ki jay. Phaesla kiya Ministerium Church Council men is sipharish ke sath pesh karti hai ki unka suspension approve kiya jay - tark bitark ke bad sarb samatti se phaesla huwa ki Church Council Rev. Z. Khalkho aur Rev. Sharan Purti ko suspension ko approve karti hai.

X X X X X
Memo No. 4086-88/56 dated 15th September, 1956.

Copy forwarded to Rev. C. B. Aind, Synod President, Orissa Synod, (2) Sri Zakariah Khalkho, Rajgangpur and (3) Sri Sharan Purti, Rajgangpur for information and needful.

sd/- J. J. P. Tika
President,
G.E.L. Church, Ranchi.

4089-92/56

Copy to the Treasurer, Church Council, G.E.L. Church, Ranchi. for information.

, also forwarded to the (1) Secretary Ministerium of the G.E.L. Church (2) Secretary, Ministerium of the Orissa Synod (3) Secretary, Orissa Synod for information and needful.

J. J. P. Tika
President,
G.E.L. Church, Ranchi.

2-XII

O/c

21st August, 6.

2405-10/56

To

- (1) The District Magistrate, Sundargarh (Orissa)
- (2) The Superintendent of Police, Sundargarh (Orissa)
- (3) The Sub-Inspector of Police, Rajgangpur.
- (4) The Secretary, Cement Factory, Rajgangpur.
- (5) The Director Rajgangpur Kalinga Textile, Rajgangpur.
- (6) The District Inspector of Schools, Sundargarh District.

Dear Sirs,

This is to inform you that by a unanimous decision of the Church Council Rev. C. B. Aind has been transferred to Rajgangpur in place of Rev. S. Shalke. Rev. Aind has joined his office. He is the President of the Orissa Synod of the C. B. L. Church and he is also the Secretary of the Lutheran Schools in Orissa. It is requested that all correspondence and transactions formerly done with Rev. Shalke may now be done with Rev. C. B. Aind.

Yours faithfully,

J. K. Singh
President,
C. B. L. Church, Ranchi.

Copies to (1) Rev. C. B. Aind, President, Orissa Synod, C. B. L. Church
Rajgangpur.

- (2) The Sub-Inspector of Schools, Rajgangpur Circle.
- (3) The Sub-Inspector of Schools, Nara Circle.
P. O. Nara, Dist. - Sundargarh.
- (4) The Sub-Inspector of Schools, Birmitrapur Circle,
P. O. Birmitrapur, Dist. - Sundargarh.

2402-4/56
2411-14/-

Gessner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

NO.

Ranchi (Bihar) India.

The 17th July, 1956.

From Church Council Office,
Ranchi.

To

Rev. C.B. Aind,
G.E.L. Church, Rajgangpur.

The undermentioned document is forwarded to you (2) and Mr. Nistar Tiga, Synod Secretary, Orissa Synod for information and necessary action.

Bh. Lakra. 17/7/56.

H. Totam
For Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Extract from the resolution of the meeting of the C.C. Executive held on 3rd and 4th July, 1956.

x x x x x x
Orissa ke live Synod President.:

56/126. SANKALP - Orissa Synod ki bartman paristhiti ko emergency case jan kar Karyakarini sabha Padri Christ Bijoy Aind ko Acting Synod President niyukt karti hai jab tak ki Orissa Synod kisi ko apna President nahin chun leti hai.

Phir Council Karyakarini Orissa Synod ke Secretary ko yah paramarsh deti hai ki we turant hi Orissa Synod sabha ko ya uski Karyakarini ko bula kar apne Synod ke liye ek Synod President aur ek Vice-President chun le.

x x x x x x

Orissa

True copy.

2

Rev. C. B. Ekka,
Ilaka Chairman.

Ref. No. 267/56.

G. E. L. Church, Karimatti,
P.O. Nuagaon,
(via) Birmitrapur,
Dist. Sundargarh (Orissa)

Dated 23rd July, 1956.

Mahamanyawar,

President sahab Rev. J. J. P. Tigga ko yishusahay.
Ap ke 20 June '56 ka bheja hua Suspension Order mila. Mere bichar men Rev. Z. Khalkho aur Rev. S. Purti ka Suspend bilkul najayaz hai. Kyonki Orissa Synod janti hai Rev. Khalkh ki badli Chaibassa aur Rev. S. M. Bage ki badli Karimatti Orissa Synod ke andar jo gair kanuni hai aur meri badli Assam kii gai thi. Jis par Synod ne gaur bichar kii kyonki saph malum ho gaya ki C. C. ne bilkul anyay kiya hai. Orissa Ministerium ka ray tha ki Rev. Khalkho aur Rev. Bage ki badli Orissa Synod ke bahar howe. Aur jabhi C. C. अधिकारी ap hi log is Ministerium ke Sabhapati aur ang the tis par bhi apni hi baton ko badal diye, aur ek ko Synod bahar duste ko Synod andar aur tisre ko deshbahar badli ka hukumat jama diye. Is anyay aur andher phaisla ko dekh kar Orissa Synod ne 12-1-56 ko yah phaisla kii ki bartman Orissa ke koi padri Orissa se bahar na jay.

Synod ke is phaisla ka C. C. ne abtak na kuchh jawab diya na kuchh samjhauta hi diya par bilkul ignore kar diya. Ab Suspend Order se malum hota hai ki Rev. Khalkho Lohardaga aur Rev. Purty Govindpur badli na jane k ke karan Suspend diye jate hain. Is Transfer Order ke bishay Orissa Synod anjan hai jabhi indirectly kaiek jante hain is liye yah dosh jo unke upar lagaya gaya hai "ki Orissa Synod se koi toktok na hone par bhi **badli nahingaye**" yah bilkul galat aur jhuttha dosh hai. Kyonki Synod ne uprokt phaisla anusar albat in ko abtak rok rakha hai. Ap ko udit tha ki pahla transfer order ke bishay bat ko saph kar leter bad dusra Order nikalte. Par pahla Order saphai na hote hi dusra phir tisra Suspension Order nikalne lage.

Hamari Synod Sabha dusri bar niyamanusar baran use kuchh pahle hi May mahine ke andar bai thi thi. Par kai ek aise anuchit baton ke karan Sabha na hone saka. Kyonki Sabha ke arambh hi men yahi bat chheri gai ki is Sabha ka Sabhapati kaun hoga kahne ka tatparyarj yahi tha ki Rev. B. Aind is Sabha ke Sabhapati honge. Bhala yah kaise ho sakta tha jab tak ki Synod Sabha ne kisi ko apna President nahin chuna hai. Is bat le mat bhed se Sabha utha dii gai. Nahin to usi din Rev. Khalkho aur Rev. Purti ko bidai mil jati aur Rev. B. Aind President chune ja sakte the. Par ho sakta hai ki Ishwar ki ichchha aisi na thi is liue aisa hone na paya.

Mujhe tadjub jan parta hai ki ap jaise Mahashay se aise 2 galat kam ho sakega ya to kya koi Wakil hain par phir bhi kisi ke bat par ap kaise chal sakte hain ap ko pahle apna Ground thik kar lena tha. So mere dekhne men sense of injustice bilkul saph dikhai deti hai kripa kar bhul chuk maph kijiye.

Ap ke agyadhin sewak,

Sd/- C. B. Ekka.

Copy to Rev. J. Lakra.

" " J. Toppo.

" " B. Minz.

" " Mr. P. D. Kandulna.

" " Mr. P. D. Panna.

" " Rev. H. Borutta.

Camp Ranchi:
6-9-56

From: The Rev. E.B. Hind.
Ilatca chairman, Rajgangpur.

To: The President,
G.E.L. Church Ranchi.

Dear Sir,

It is to inform you that
the Rajgangpur Ilatca Am Sabha
is going to be held on the 19th Sept 56
at Rajgangpur. Respectfully
I request you to be present for
the same.

Yours faithfully
C.H. e.

From:

P.P. Dung Dung,
G.L. Church Compound,
Rajgangpur, Orissa.

To:

The President,
G.E.L. Church Compound,
Ranchi, Bihar.

Dear Sir,

With a profound sorrowful heart I am bringing in the following few facts for your kind disposal and favourable orders.

Transfer of Pastors: According to the last meeting of the Church Council at Ranchi, Rev. Z. Khalkho, Rev. S.M. Bage and Rev. S. Purty were transferred from Orissa synod to Lohardaga, Chaibasa and Govinpur respectively. They were to join the new posts by 1st of May, 1956 but regret to note that - THEY CAN GIVE SHARMANS FROM HOLY ALTAR BEING THE ORDINATED PERSONS TO OBEY AND FOLLOW THE CHRIST. BUT ARE DOING THE VISE VERSA IN THE PRACTICAL FIELDS. Rev. C.B. Aind came from Koronjo but Rev. Z. Khalkho flatly refused to hand over the charges of Synod to him while Rev. C.B. Aind is not in favour to take the charges of the Rajgangpur Ilaka only. so, Rev. S.M. Bage also could not go to his new place. I hope it will not be out of order to quote the words of Rev. Z. Khalkho's protest letter (as per your letter)- I am ready to go but Synod is not leaving me from my post, which had been finally replied by you. So I think there is nothing any more to be cleared for him instead of going on transfer.

The Rajgangpur Mandli has banned both the Priests from holding any service in the Church and centralisation, have also been stopped untill they will not go away from here.

It is a matter of great pity that these days, Rev. Z. Khalkho Rev. C.B. Ekka, Rev. Ch. Minji and Sri C.A. Kujur, Teacher of local p.to.

school are busy ~~to~~ holding meetings where they are preaching communal feelings among public instead of preaching Christ.

They are holding meetings of ~~Communal~~ only at Gereyamah, Durkabahai, Regarbahar and other places. So, will ^{you} kindly take trouble to have an thorough enquiry ~~in this~~ matter without any further delay and ~~to~~ punish the culprits as well as save the Church from such mischivous plots.

I hope you will give your earliest attention and save us from ~~such~~ grave dangers.

Yours faithfully,

Bung

(P.P. Bung ung)

Rajgangpur,

26.5-1956

Orissa

35

G.E.L.Church,
Rajgangpur.
23th May, 1956.

To
Rev. J. P. Tiga, M.A., B.D.S.T.M.,
President
G.E.L.Church Compound,
Ranchi (Bihar) India.

Dear Sir,

Please find herein enclosed a true copy of the letter addressed to Rev. Z. Khakho by Rev. Samuel Tirkey of Nimdih Parish (Orissa Synod). By going through the letter you will find in the last para of the letter that how a UNDER GROUND PLOT is organised to divide the church on communal grounds only to serve their ends. From the letter it can be presumed that Rev. J. Lakra and Rev. Z. Khakho are the leaders in chief of the said plot.

Therefore, as a member of the G.E.L.Church I think it best of my duty to send you the S.O.S., so that our church may not ~~suffered and the plot can be kept off in right time~~ be put to any difficulty and the plot can be swept off in right time. .

Yours faithfully,

Bane
(P.P. Dungdung)

c.c. to Secretary, Church Council, Ranchi.
c.c. to Secretary, G.E.L.Church, Ministrium, Govindpur.
c.c. to Bishop Manikham, South India,
c.c. to Indian National Christian Council, South India.
c.c. to Secretary, Utkal Christain Council, Cuttack.
for information.

Rev. S. Turkey
Khindli.

To, Rev. Fr. Khal Kho
Raigangpur.

Dear Rev. Khal Kho
Mishusahay.

मैं आप के पास खत लिखने का आवश्यक समझता हूँ कि जो
वकाये गान्ट में आप से सम्बन्धित हो मिलते हैं उसे Account
मिलान कर जो हमों के लिपे जाता निकलता है उसे जल्द भेज
देने की कृपा करेंगे अन्यथा आपकी उसके लिपे जो कहने की अव-
श्यकता हो कह सुनावेंगे।

Rev. C. B. Hind के Commission Call में राजगांगपुर गये थे उस
वसरत की हिसाब का Counting सब नहीं हुआ उसमें पाने के
वास्ते का मिलाने के वास्ते जो देर है वह भी कहने का कृपा
करेंगे अन्यथा पाने का रुक बाकी रह गया है वह नहीं सो जो
प्रभु करने का मेहरबानी करेंगे तब मुझे पैसे की बड़ी आव-
श्यकता का समझ पड़ता जाता है। मैं उसी पर आरोसा कि ये रहता
हूँ। मैं आप के ऊपर ऐसा आरोसा कि ये रहता था जो सहन नुती की
थी और सब की है परन्तु लिख कर कहने की आवश्यकता नहीं है।
मैं उसे आपने ख्याल में स्मरणी लाता रहता हूँ।

आगे मैं यह पुष्टता चाहता हूँ कि आप जो रांची गये थे Late
President Daksh आप को बुलाये थे वास्तव Two Synod
लेने की, जैसा उस दिन के Paper में देखें थे तो उसमें दोड़
कितनी थी दु को है कितना धुन की है कितने जोर की
धुन मुझे है बताने की राह हो तो ख्याल करेंगे।

श्रीत. प्रेमसे
विश्वास

S. Turkey.

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये



To The President.

C. E. L. Church compound

Ranchi

Bihar

Article 10 (6)

Article 8 (6) g -

Consultation from the

1. No objection until the day when the



One individual had to be appointed

is not a problem

and signed

पत्र काट कर तोड़ना

उत्तर देने वाले का नाम और पता :-

पत्रों काट कर तोड़िये →

unable to join my duties
in spite of my willingness
unless I shall be released
by my immediate authority
the Synod Sabha which has
elected me as Synod President
till 1957 Maharashtra.

However I presume to
be released before the
appointed time. I have called
for a full Synod Sabha
after Pentecost Sunday
week follow. I could
not call it in April
because of the minister
sabha. Like wise I had
called for Executive
Synod meeting in the
first week of May.

In the course of our personal
talk at Ranchi I have told
you about the one months
delay in ~~transaction~~ making
the transaction.

Even the Singbhum Synod
is meeting on 13th inst to
release Mansukh babu.
thus I alone can not
be responsible for
the delay.

Finally I request you to please
consider this matter favourably
and excuse me for this delay.
May God our Father lead
us all in right and
honest path for His glory
yours
L. Chakrabarti

Transfer order
No. 107-90/56

Raj gangpur

875/56

Meeting
20/5/56

President of the
Synod to go to Ranchi.

Ranchi.

35

As regards the delay in complying
the transfer order it can be
said for various unavoidable
causes and circumstances.

According to the Synodical
Church Constitution the Consents
from the Synod are most essential
To override the same is always
trouble creating and for this
the authorities and we concerned
all are responsible.

As I have already stated
to the secretary I again
say the same, I am quite

35

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga. M.A., B.D., S.T.M.

**G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.**

Ref No. 54/56.....

Dated the 12 - 5 - 1956
23

To

The Rev. Z. Khalkho,
Synod President,
Rajgangpur.

Manyawar Rev. Khalkho ko Yishusahay,

Ap ki 8.5.1956 ki chithi mili, Yah sach hai ki Synod ke adhikar aur Autonomy ka pura adar karna chahiye. Church Council ne ap ke aur Rev. S.M. Bage ke badli ke sambandh men Synod ke adhikar ka barabar khyal rakha aur Synod ka bichar bhi sun liya. Ministerium Commission ne, ap donon se sallah ki aur bishes karke ap se jo Synod ke President hain. Ap ke ray se C.C. Executive ne December 6-7, 1955 ki meeting men badli ka phaesla kiya. Ap apni Synod ko bataye ya nahin wah ap ki bat hai. Synod Sabha ne 12.1.1956 ko ap ki badli ke sambandh men bichar kiya aur Church Council ne February 1956 ke meeting men Orissa Synod ke bichar par gaur kar dhyan diya aur apni phaesla diya. Church Council Synodon se salah lene ko majbur hai par Synodon hi ke phaesla ko apna phaesla manne ko badhya nahin hai. 26.2.1956 Church Council ne Orissa Synod ki chithi par bichar kiya aur aur aisa likha gaya :-

" Padriyon ki adli-badli :-

Orissa Synod ke kai Padriyon ki badli ko lekar yah prashn utha ki kyon Church Council Karjkarini aise bare bishayon ko leti hai ? Pratyuttar men bataya gaya ki Orissa Ministerium ke report ke anusar Padriyon ko badli karna awashyak tha chunki wahan aisi paristhiti a gayi thi. Jaubhi ye badli ke phaesle karjrup men abhi tak nahin a sake hain (dusre Synodon ke bicharon ke karan) par abhi wahan ki paristhiti men thora sudhar isliye huwa hai ki Padriyon ki badli hogihi - aisa ashwasan logon ko hai. Bishesh prayojan hi ke karan karjkarini ko yah phaesla karna para".

Full Church Council ne 27.2.1956 ko aisa phaesla kiya :-

" Padriyon ki badli :-

Church Council Karjkarini ne Rev. Z.Khalkho, Rev. S.M.Bage. Rev. C.B.Ekka, Rev.M.Topno aur Rev. C.B.Aind ki badli ka phaesla kiya aur jinke bare sambandhit Synodon se tatha Council sadashyon se ray mangi gayi thi. Uprokt padriyon ki tatha anya Padriyon ki badli ke bishay (jinka prastaw Council ke sanmukh hai) chhanbin kar nischit sipharish lane ke liye ek sab-Committee niyukt huwi jinmen ye sadashya hain :-

1. Ministerium Secretary - Convener.
2. Rev. C.B.Minz.
3. Shri N.E.Horo.

Iske bad dusri bela yah phaesla huwa :-

" Padriyon aur candidaton ki badli (Lagatar)

Sub-Committee ka report pesh huwa. Bad-bibad ke bad nimn sankalp huwa :-

SANKALP - Church Council yah sankalp karti hai ki nimn likhit Padri aur Kandidat badli kiye jayn jiski kararwai ili(pahli) May, 1956 se hogi. Sthanantar is prakar hoga :-

1. Padri Yunas Surin (Latakeli-Takarma Synod) se Orissa Synod ke Lowarom Parish men.
2. Padri Sharna Perti (Ghoghor-Orissa Synod) se - Govinpur Synod ke Govindpur Parish men.
3. Padri Masihdas Lakra (Lohardaga Northern Synod) se Khuntitoli Synod ke Simdega Parish men.
4. Padri Stiphan Dungdung (Kahupani-Koronjo Synod) se-Orissa

Synod ke ghoghor Parish men.

5. Padri Zakaria Khalkho (Rajgangpur-Orissa Synod) se-Northern Synod ke Lohardaga men.
6. Padri Mansidh Topno (Chaibassa-Singhbhum) Synod se Koronjo Synod ke Koronjo Parish men.
7. Padri Christ Bijai Aind (Koronjo-Koronjo Synod) se-Orissa ke Rajgangpur men.
8. Padri S.M.Bage (Rajgangpur - Orissa Synod) se Singhbhum ke Chaibassa Parish men.
9. Padri Kushalmy Topno (Simdega-Khutitoli Synod) se-Koronjo Synod ke Kahupani Parish men.
10. Kandidat Yusaph Bara (Rajgangpur-Orissa Synod) se Bengal Synod ke Duars men.
11. Kandidate Hardugan Guria (Takarma) se Koronjo Synod ke Koronjo men.
12. Kandidate Yunas Bage (Koronjo-Koronjo Synod) se Takarma Synod ke Latakeli Parish men.

Uprokt badliyon men Padri Yunas Suin (Latakeli), Kandidat Yusaph Bara (Rajgangpur), Kandidat Yunas Bage (Koronjo) aur Kandidat Hardugan Guria(Takarma) ki badliyan turant kararwai men awengi.

SANKALP - Church Council yah sakalp karti hai ki Padri Nichot Ekaa aur Padri Yunas Dang(Lowaronm-Orissa) ko 11 (pahli) April 1956 se Pension diya jay.

SANKALP - Badli men jane wale Padri aur kandidat apna badli bill, Church Council Treasurer ke pas pesh kar badli bhatta(T.A.) le len.

SANKALP - Padri P.S.Kujur ko bimari ki chuti aur di jay."

Yah sankalp ap ke pas 20.3.1956 ko Secretary se bheja gaya. Ap 8.5.1956 ko likhte hain :-

" I am quite unable to join my duties inspite of my willingness, unless I shall be released by my immediate authority the Synod Sabha which has elected me as Synod President till 1957 Mahasabha".

Constitution kahta hai :-

" Jab kabhi Church Council soch bichar karke nischayta se pratit karti hai ki samuchi Kalisha ke labh ke liye bhala hoga ki koi Padri 15 barsh ke ant

ke ant hone ke pahle kisi Synod se kisi dusri Synod ko badli kiya jay tab Church Council ko donon Synodon se salah lekar us Padri ko badli karne ka adhikar hoga".

(Vide Synodon ki Niyamawali Swan Nirnay, dafa 6 g.)

Church Council ka kartabya tha ki ap ko badli karne ke bishay Orissa Synod se salah le. Salah lene ka arth yah nahin hai ki, Synod hi ki bat antim mani jawe. Salah lena darkar hai par antim phaesla karne ka adhikar Church Council ka hai. Ap Synod ke President hain. Salah a lene ka kam ap ke jariye hoga. Ap ke sath salah li gayi :-

I. November ke arambh men Rajgangpur hi men ap se ray ligayi aur ne manjur kiya. Yadi ap Synod President hokar yah sochte hain ki Synod sabha ki ray lena chahiye to ap ka kartabya tha ki turant Synod Sabha men is bat ko pesh karte. Ho sakta hai ki ap ne pesh kiya aur Synod ne na-manjur kiya aur ap ko Jharsuguda bhejne ka phaesla kiya. Ek bat thaharti hai ki Church Council ap ko badli karne ke bishay ap se (jo Synod President hain) ray liya aur ap ne is bat ko Synod sabha ko bhi bataya aur Synod Sabha ne 12.1.1956 ko is par khub tark-bitark kiya jiske bad ap ko Jharsuguda bhejne ka phaesla kiya. Ap ko Orissa se bahar dusre Synod men bhejne ka jo bichar Church Council ka tha wah Synod sabha men pahunch chuka. Is liye nahi kaha ja sakta hai ki ray nahin li gayi.

II. Orissa Synod Sabha ka 12.1.1956 ka bichar, Church Council ke dwara bichar kiya jekar, February 1956 men phaesla huwa ki ap ki badli Lohardaga howe. Ab ap ka kam tha ki Synod Sabha ko 1st May, 1956 ke pahle bulakar athwa bulana nahin banta hai to Synod Secretary ko bulakar charge de dete. Synod Sabha ke bichar ko jan bujh kar jab Church Council ne phaesla de diya to wah antim phaesla hai aur Synod Sabha ka adhikar nahin hai ki uska birodh kare.

III. Church Council ke phaesla ko yadi Synod Sabha nahin manegi to Church Council kalisha ki Niyamawali ke 10wen Nirnay ke dafa 8 ke anusar kararwai karegil Kripa karke yad kijiye ki Church Council ko nimn baton ko man men rakhke Synodon ko chalana hai.

- a. G.E.L.Church Kalisha ki Niyamawali.
- b. Upniam.
- c. Tatwa.

- D. Paddhati.
- e. Atma-arthat bhaw.
- f. Bishwas.
- g. Shiksha.
- h. Uddeshya.
- i. Byawhar.
- j. Kam.
- k. Shiksha ke sambandh, Kalisha ki ekta.
- l. Bahin Synodon ka nirash, asubidha wa roktok.

Mahasabha aur Church Council ke adhikar ke sambandh men dekhiye Nirnay 7wan, dafa 2 jismen likha hai; " Bhitri sambandh ke bishay :- Mahasabha ko adhikar hoga ----- yah adhikar Church Council ko bhi diya ja sakta hai.

Note :- Yah man liya gaya hai ki Padriyon ko kam men bahal karna, badli karna, kam se chhurana aur dismiss karna kewal Mahasabha ka adhikar hoga wa Church Council ka yadi wah Mahasabha ke badli men kararwai kare ".

Fir Niyamawali kahti hai ki " Uske (Church Council) ke kartabya ye honge ki wah Gossner Kalisha ka pratinidhi hokar uske sankalpon ko pura kare aur Mahasabha ki baithkiyon ke madbyawarhi samay men uske (Mahasabha ke) sab karojon ko karegi".

Yah bhi yad rakhna chahiye ki Ministerium ki Niyamawali 10wan Nirnay, dafa (6) kahta hai " Mandli ke sab Padriyon ko sab adhikarik agya (official order) bina rok chher ke manna nchit hai, wah agya chahe Ministerium se chahe Church Council se chahe Synod se unhen kisi samay dijay. Yadi unhen koi bhi apatti pesh karna uchit bujh pare to is agya ko palan karne par apni apatti likh kar dewen ".

Main prem se ap ko dikhana chahta hun ki ap ne na Synod Sabha ki agya ko mana na Church Council ki agya ko. Ap ne donon adhikariyon ko anadar kiya. 12.1.1956 se 20.3.1956 tak ap ko 2 mahinon se adhik samay tha. Apni Synod Sabha ko adar dena aur manna tha, yah bhi ap ne nahin kiya. Is liye Synod Sabha par charhai jarna (over-ride) karne ka apradh ap par lagu hai. Synod Sabha ki agya ke 2 mahina 10din piche ap ko Church Council ki agya mili, Ap ne is agya ko bhi nahi mana. Yed rakhiye ki Full Church

Yad rakhiye ki Full Church Council ki phaesla ke birudh kisi Synod Sabha ne bhi ujur nahin kiya hai jaubhi ap ke pas agya pahuch gayi, March ke antim hapte hi men, 11e(Pahli) May ke bad kisi Synod ko ujur karne ki jagah nahi hai.

Ant men us adhikar se jiska **Mahasabha** ne mujhe diya hai ki " wah dekhega ki Niyam aur upniyam thik se palan kiye ja rahe hain aur ki Mahasabha aur Church Council ke sankalpen mane ja rahe hain athwa nahin "(Vide 8wan Nirnay dafa 2) aur is karan ki Orissa Synod ki ray jankar aur pura bichar karke ap ko badli i agya di hai, aur is karan ki jahan ap ko jana hai wahan ke Synod ~~se~~ kuchh ujur nahin huwa hai main ap ko agya deta hun ki Synod ka jimma Padri C.B.Aind ko de kar Lohardaga gaiye. Rev. Aind nahin hain to Synod Secretary ko turant bulakar jimma de dijiye. Ab Synod Sabha ko ujur karne ka hak nahin hai, our samay bhi bit gaya.

Ishwar ap ko aguwai dewe aur apni dakhbari men kam karne ki ashish dewe.

Prem se,

Ap ka Bishwasht,

President,
G.E.L.Church, Ranchi.

Ref.No. _____ Ranchi, the May, 1956.

Copy forwarded to all the Synod Presidents for information and guidance.

President,
G.E.L.Church, Ranchi.

Ref.No. _____ Ranchi, the May, 1956.

Copy submitted to the Secretary/and the Treasurer, G.E.L.Church, Ranchi for information.

President,
G.E.L.Church, Rancho.

ORDINARY TELEGRAM

REV. KHALKHO LUTHERAN CHURCH
RAJGANGPUR

ROURKELA PROGRAMME CANCELLED

TIGA

Signature and address
of the sender

PRACHARAK LUTHERAN CHURCH
PURNAPANI ROR

35

ORDINARY TELEGRAM

Onissa
REV. KHALKHO
LUTHERAN CHURCH RAJ GANGPUR

ROURKELA PROGRAMME CANCELLED

TIGA

~~XXXXX~~ Signature and
address of the sender

President, G.E.L.Church, Ranchi

Onissa
23/3/56

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No.....

Dated the 8.4.1956

35
✓ The Revd J. Sumi
The Revd Z. Khalleho

Dear friends, I have received your
Communication. Rev. Sumi writes that
the Orissa Missionaries will meet
Raigangpur on the 13th inst and
Rev. Z. Khalleho writes that it will
meet at Purnapuri on the 10th
inst. I am going to Rengamta
for the F. E. L. C. meeting which
meets on the 11th to 13th inst.
I am therefore deputing the
Rev. A. Topono with all the

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam
Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No.....

Page II

Dated the195

documents, He will tell you that all
the documents have been withdrawn
and nothing can be given to any
one. They have no value. The seven
people of Purnapuri have applied and
the Synod Mission has to consider
that paper only.

With all good wishes.
Yours sincerely
J. J. P. Tiga
President

Received one copy of this letter
from Rev L. Sopno Tatanagar

Rev J. Hurin
10/4/56

N^o 74/56. 35

From: The Rev. C. B. Hind

Raigangpur, Raigangpur.

24-8-56

To: The President, G. E. S. Church, Ranchi.

Sir,

It is being heard that Rev. L. Kallaho has been appointed as head for Raurkela area by their council. I think it will be very necessary to inform the head of the Hindustan press - not to recognise him as the representative

The S.E.L.C. for
 Raurkela area and
 the copy of the same
 be given to me
 also. Next week I
 shall go to Raurkela-
 puranapuri to tell
 the our people there
 about the ^{done} final
 arrangement ^{regard-}
 ing our compium.

Yours faithfully

C. B. S.



To
 The President
 नाम
 पता S.E.L. Church
 डाकखाना Ranchi.
 जिला

o/c

No ~~2400~~ 18/56
2400-1/

21st August, 6.

To

Rev.Z.Khalkho &
Rev.Sharan Purty.

Dear Sirs,

It has been reported that you are not obeying the order of suspension and you are carrying on a campaign against the Church authority. I request you to kindly submit to the Church authority the Church Council and stop adverse actions. I advise you to repent of your wrongful actions and request the Church Council to forgive you and give you work in the Church.

Yours sincerely,

J. Singh

President,
G.E.L.Church, Ranchi.

Bh.Lakra, 21/8/56.

Copy to (1) Rev.C.B.Aind, President, Orissa Synod. Rajgangpur.

2402-4/56 (2) Rev. Julius Surin, Secretary Ministerium, Orissa Synod.
(3) Mr. Nistar Tiga, Secretary, Orissa Synod.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.
G.E.L.Church Compound,
President:-Rev.J.J.P.Tiga,M.A.,B.D.,S.T.M,
Ranchi Bihar India.
Dated the 20th June,1956.
Ref: NO. 268 /56.

To

Rev.Sharan Purty,
G.E.L.Church,Ghoghor,
P.O.-Raiboga,
Dist.- Sundargarh (Orissa)

memo NO. 505-607/56.
Dated 21-6-56.
Copy to all the
members of the
Ministerium for
information

Dear Rev.Purty,

1.Whereas you have disobeyed the transfer order of the Church Council contained in order NO.1070 dated 20.3.56 from Ghoghor to Govindpur.

2.Whereas there is no objection of the Orissa Synod to your transfer order of the Church Council from Ghoghor to Govindpur.

3.Whereas there is no objection from the Govindpur Synod to your transfer from Ghoghor to Govindpur.

4.Whereas you were repeatedly asked by your authorities to go on transfer and you refused to hand over charge to your successor.

5.Whereas you have caused undue troubles,harassments and inconveniences in the exercise of pastoral duties in the Church.

I hereby suspend you from your service as a pastor for your gross misconduct with immediate effect under section 5 of Article 8 and under section 6 of Article 10 of the Ministerium ki Nirnayawali of the G.E.L.Church in Chotanagpur and Assam. During the period of suspension you are not entitled to any sort of remuneration,pay or allowance.

Yours sincerely,

sd/- J.J.P.Tiga.
President,
G.E.L.Church,Ranchi.

Memo No. 269-334 /56.

- Copy to (1) All members of the Church Council.
(2) All Officers and Pastors of the Orissa Synod.
(3) Rev.C.B.Minz.
(4) Rev.Z.Khalkho.
(5) Rev.S.Dungdung.
(6) Presidents of all the Synod of the G.E.L.Church

Memo NO 505-607/56 Dated 21-6-56
Copy to all the members of the Ministerium for information.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

G.E.L.Church Compound,
President:- Rev.J.J.P.Tiga,M.A.,B.D.,S.T.M.,Ranchi Bihar India.

Dated the 20th June,1956.

To

Rev.Z.Khalkho,
G.E.L.Church Rajgangpur,

No 267 / 56

Dear Rev.Khalkho,

1. Whereas you have disobeyed the transfer order of the Church Council contained in order No.1070 dated 20-3-56, from Rajgangpur to Lohardaga.

2. Whereas there is no objection of the Orissa Synod to your transfer order of the Church Council from Rajgangpur to Lohardaga.

3. Whereas there is no objection from the Northen Synod to your transfer from Rajgangpur to Lohardaga.

4. Whereas you were repeatedly asked by your authorities to go on transfer and you refused to hand over charge to your successor.

5. Whereas you have caused undue troubles, harassments and inconveniences in the exercise of pastoral duties in the Church.

I hereby suspend you with immediate effect from your service as a pastor for your gross misconduct under section 5 of Article 8 and under section 6 of Article 10 of the "Ministerium ki Nirnayawali" of the G.E.L.Church in Chotanagpur and Assam. During the period of suspension you are not entitled to any sort of pay, remuneration or allowance.

Yours sincerely,

sd/- J.J.P.Tiga.

Bh.Lakra.20/6/56.

President,
G.E.L.Church, Ranchi.

Memo No.335-400/56.

- Copy to (1) All members of the Church Council.
(2) All officers and Pastors of the Orissa Synod.
(3) Rev.C.B.Aind.
(4) Rev.Sharan Purty.
(5) Rev.S.Gunddung.
(6) Presidents of all the Synods of the G.E.L.Church.

Bh.Lakra.20/6/56.

J.P.Tiga
President,
G.E.L.Church, Ranchi.

Memo No 402-504/56 Dated 21.6.56
copy to all the members of the ministerium
for information.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Dated the 25-5-56

Copy No. 15. C. B. Singh
Bundel
Ranchi
C. B. Singh

गोस्वामी एवांजेलिक लुथेरन चर्च
रान्ची, बिहार (भारत)
दिनांक २५-५-५६

ke mawige aur apne
awagyaletan: hane men
ke panti, mat

Pyane bhangun, 22.5.56 lei ah
copy ko C.C. leay lee members ko
mujhe mili. Semblan sahal Europe
lane ko nital gaye hain. Main unhe
kain ko bhi deke waha hun. Aphasok
ho gaya uske bad apni is chitthi ka
naital yahan bhejte hain. Oh logon ko
apne Padriya ke parize malum ho gaya
hoga ki 20th June, 1956 ko main Padri
Z. K. + Padri Sh. Puri ko suspend kar
diya. Kripa karke Kalsha ke adhikar

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI, BIHAR (INDIA)

Ref. No

Dated the १८ - ६ - १९५६

गोस्सनर एवंगेलिकल लूथेरन क्लर्क
के सब सदस्य, ~~पुचरक~~ सिनद प्रेसिडेन्सी और
हेडक्वार्टर्स कांग्रिगेशन, रांची के चेयरमेन
के पास ।

प्रार्थना संगी कर्मचारियों,
आप लोगों को जनाता हूँ

35

90, Orissa

Jharsuguda
Dy. 17/5/56

The President G. E. L. Church
Ranchi.

महाशय,

मुझ को आप का पत्र मिला और माबूम किया।
मैं 5-5-56 को देहात दूर के लिये गया था और 14-5-56
को लौटा और चिट्ठी पाया। किन्तु 15-5-56 को मेरी
छोटी लड़की ऐसा बिमार में पड़ी जो बचने की आशा
कम थी। अभी तक अच्छी नहीं हुई है किन्तु कुछ कमती
होने जा रहा है, जिसके कारण तुरन्त चिट्ठी नहीं भेज
सका सो माफ़ मांगता हूँ कृपया माफ़ कीजिये।

आप जो बात लिखे थे, अर्थात् बदली के विषय
सो ऐसा है, कि वह बिते साल ही आया था और
तुरन्त बदली हो रहा है, मैं अपना लड़का जो उसी के
घर में कुछ दिन रख दूँगा, और समेटोली में पढ़े और हवा
ही जाने पर बोर्डिंग में रख दूँगा। इधर ओडिया हिन्दी
होने के कारण सुसकील हो रही है, और लड़का 4th class
पास किया। इधर हिन्दी बालों को कठिन होता है। इसलिये
मैं लिखा था कि यदि बने तो आप दरखास्त दीजिये।
आप को यदि वह ~~कम कम~~ चिट्ठी दिया गया है तो जो
मैं यहां लिख रहा हूँ सो उसमें होगा। मैं उसको नहीं रोक
सकता हूँ। मैं उसके पास भी लिखता हूँ कि तुरन्त चला जाय।
मैं अपना दोष मान लेता हूँ जो मैं भूल जो दोष किया
उसके लिये माफ़ मांगता हूँ कि कृपया माफ़ कीजिये।

P. T. 0

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga. M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

To

Ref No. 248/56

Dated the 20th June, 1956.

Rev. Sharan Purty,
G.E.L.Church,
Ghoghor,

Dear Rev.Purty,

1. Whereas you have disobeyed the transfer order of the Church Council contained in order No.1070 dated 20.3.56 from Ghoghor to Govindpur.
2. Whereas there is no objection of the Orissa Synod to your transfer order of the Church Council from Ghoghor to Govindpur.
3. Whereas there is no objection from the Govindpur Synod to your transfer from Ghoghor to Govindpur.
4. Whereas you were repeatedly asked by your authorities to go on transfer and you refused to hand over charge to your successor.
5. Whereas you have caused undue troubles, harassments and inconveniences in the exercise of pastoral duties in the Church.

I hereby suspend you from your service as a pastor for your gross misconduct with immediate effect under section 5 of Article 8 and under section 6 of Article 10 of the Ministerium ki Nirnayawali of the G.E.L.Church in Chotanagpur and Assam.

P.T.O.

During the period of suspension you are not entitled to any sort of remuneration, pay or allowance.

Yours sincerely,

President,

Bh. Lakra, 20/6/56. G.E.L. Church, Ranchi.

- Copy to :
- (1) All members of the Church Council.
 - (2) All Officers and Pastors of the Orissa Synod.
 - (3) Rev. C. B. Aind.
 - (4) Rev. Z. Khalkho.
 - (5) Rev. S. Dungdung.
 - (6) Presidents of all the Synods of the G.E.L. Church.

Bh. Lakra.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

35
President:—Rev. J. J. P. Tiga. M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No. 267/56. Dated the 20th June, 1956.

To
Rev. Z. Khalkho,
G.E.L. Church,
Rajgangpur.

Dear Rev. Khalkho,

1. Whereas you have disobeyed the transfer order of the Church Council contained in letter No.1070 dated 20-3-56, from Rajgangpur to Lohardaga;
2. Whereas there is no objection of the Orissa Synod to your transfer order of the Church Council from Rajgangpur to Lohardaga,
3. Whereas there is no objection from the Northern Synod to your transfer from Rajgangpur to Lohardaga,
4. Whereas you were repeatedly asked by your authorities to go on transfer and you refused to hand over charge to your successor,
5. Whereas you have caused undue troubles, harassments and inconveniences in the exercise of pastoral duties in the Church;

with immediate effect

I hereby suspend you from your service as a pastor for your gross misconduct under section 5 of Article 8 and under section 6 of Article 10 of the "Ministerium ki Nirnayawali" of the G.E.L. Church in Chotanagour and Assam. During the period of suspension you are not entitled to any sort of pay, remuneration or allowance.

Yours sincerely,

President,
G.E.L. Church, Ranchi.

Copy to : (1) All members of the Church Council.
(2) All officers and pastors of the Orissa Synod.

P. T. O.

The Gosaner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam
Mission Fund, 1842 — Antiquarian 1919

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA

President:—Rev. J. J. P. T. M. A. B. D. S. T. M.

- Rev No. 2 & 3
192 G. 20th June 192 G.
(3) Rev. C. B. Aind.
(4) Rev. Sh. Parti.
(5) Rev. S. Dandung.
(6) Presidents of all the Synods of the
G. E. L. Church.

Rev. J. J. P. T. M. A. B. D. S. T. M.
G. E. L. Church,
Ranchi.

Dear Rev. K. K. K. K.

1. Whereas you have displayed the transfer
order of the Church Council contained in letter No. 1070
dated 20-5-22, from Ranchi to Lohardaga;
DT.

2. Whereas there is no objection of the Ordinal
Synod to your transfer order of the Church Council from
Ranchi to Lohardaga.

3. Whereas there is no objection from the
Northern Synod to your transfer from Ranchi to Lohardaga;

4. Whereas you were repeatedly asked by your
authorities to go on transfer and you refused to hand over
charge to your successor.

5. Whereas you have caused undue trouble,
inconvenience and inconvenience in the exercise of pastoral
duties in the Church;

with immediate effect
I hereby suspend you from your service as a
pastor for your gross misconduct under section 5 of Article
8 and under section 8 of Article 10 of the "Ministerium Ki
Kirche" of the G. E. L. Church in Chotanagpur and Assam.
During the period of suspension you are not entitled to any
cost of pay, remuneration or allowance.

Yours sincerely,

President,
G. E. L. Church, Ranchi.

Copy to : (1) All members of the Church Council.
(2) All officers and pastors of the Ordinal Synod.
P. T. O.

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये



Mrs. Zigga.
To Rev. J. J. P. Zigga - President
C. E. L. Church
Compound
Ranchi

दूसरा मोह

भेजने वाले का नाम और पता :-



पत्र का नाम और पता :-

भेजने वाले का नाम और पता :-

Drum

Samuel Lota

28: 10.53 —

रिजिस्ट्रार में दिये Mrs. Tigga.

आप सभी को हम सभी का प्यार दीशुसहाय

हो-वे-। हम सब यहाँ इतिहास-की आधार दया से प्रभावित
हैं और- उम्मेद रखते हैं आप सब की-बेग में होंगे।

मैं पोररी समझ-मह पत्र लिख रहा हूँ कारनाम आप
व बिना में होंगे। कलिसा का गाड़ी आप समझे-

कथा- (७) मिली और- हम बिना दण्ड- नवचरपुर आ

मि, पट्टचने बाद १५ मिनिट जोर बधाई ओर-

मेरे आने-वाले भोग भी गये। निश्चय ही जसवा
ने मे-तकलीफ हुई-लेती। धर प्रवृत्तने पर मे भूल-

कठुन दिया और- माल काये-। जोई शिवायत नहीई।

अ) प (हमारे) को व्याख्यावाद कि अ) प (हमारे) ने देरी अ) प (हमारे) ने देरी अ) प (हमारे) ने देरी

का दो। पूल गृह अपराध के प्रति सजा बढता है।

ਲੀਯਦ ਨਾਮੋਸ਼ਵਰੇ ਰਾਹਿਤਕਾ-ਫਕੀਰੇ ਨਯੇ

सिद्धांत साद्वय यथा - भागला विचार के निमित्त आवेण

[illegible]

4. 2017-18 के असेनाथ । 9. मुहल्ले के अथवा

है। २१- जहाँ दोस्तों का राज बिना रहे नहीं - २२

इसका नाम है - दया-नी - कर्म है। इसका नाम है - दया-नी - कर्म है।

2) - अयने इन्हे - प्रे अरुण - ही आधो - प्रे जो - देवे है.

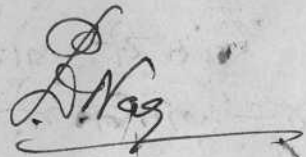
फिर से लोग पसन्द नहीं करतें हों।

- जानि मेद-ओ अन्य मेद के पहिला कारण वही ह्ये।

1. The first part of the text discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions, including sales, purchases, and expenses. It emphasizes that proper record-keeping is essential for determining the correct amount of tax liability and for defending against potential audits.

२- हमारे ओं में ओं- अन्य समय भी लोगों को समझा दिया
 करते हैं। - ६- बला मान मानल उन के उपर है और वे पल
 बला के का लक्ष्य परियुक्त कर रहे हैं। और- लंद फेनद कर
 व्याप को अन्वय ले- कोना बड़े हैं। मैं बहुत व्यक्त
 ले- इन बातों का सारा किमई। मला है वे यहां से
 अलग भिजे जाये, तब सब दुर्गम भिरे जा- सके हैं।
 हर-सक को जो मेरे प्रति क्या भी कामना भिरे हैं
 अन्वय- व्यथा-कद। मैं जानने को इकी रहे थोड़ी दुका दि-
 युगाव में असफल ना हो, कारण मैं- इस कोदली ओ जाड़ा
 समय को जता रहता हूँ। अन्त में प्रेम के लोभ करत हूँ

आप हमारे का धरा



The Lutheran Theological College.

AFFILIATED WITH SERAMPORE

Principal :- Rev. J. Lakra, M.A. (B.D.), S.T.M.,

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI, BIHAR INDIA.

Ref No.....

Dated the...3rd..July.....195 6.

To,

Rev. J. J. P. Tiga, President,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Ranchi, the 3rd July, 1956.

Dear Me. Tiga,

With reference to your copies of the Suspension Orders to Revds. Z. Khalkho and Sharan Purty, I have to submit that you are going too fast. Both the Sections under which you suspend them are wrongly applied. Your action goes directly against the Church.

Yours, sincerely,



(J. Lakra),
Member, Church Council, G. E. L. Church,
Ranchi.

G. E. L. Church, Kanke Ranch.

The 29th June 36.

The

~~President~~

President,

G. E. L. Church Ranch.

महाराज

आप का इश्टहार वाक्य सम्पन्न Ran. 2. 1. 14th
मैत्र Ran. Sharan Puri निम्न।

I मै. जनावाइं कि जिपुकराओं को प्रेसिडेन्ट साहब
दिलवाके सम्पन्न किये हैं, वह प्रेसिडेन्ट का पूरा मोचका
नहीं है, इसको चर्च मोचका मैसला लायक वाक्य है कि
वे सम्पन्न का डिप्टिजिस्ट हैं।

II जो दफा वा च्छा प्रेसिडेन्ट साहब वाग् किये हैं
वह भी जारी कुचाल + कुशिक्षा है जो प्रेसिडेन्ट
का मोचका है पर 'काशा' में वे वाग् नहीं होवे हैं।
इसलिए 'काशा' + 'दफा' दोनों गेले नहीं रहते हैं।
जो मे प्रेसिडेन्ट के वाक्य में सम्मत् नहीं हैं।

आप का निवेदन।

J. B. Puri

C. C. Member.

Ref. No. P.W.S.-50/56/F-7. Gumbera.
From Rev. Bimal Ming 25th June 1956.
President, W/S.

Subject:- Suspension of Rev. L. Khalkho and

To, The President Rev. Sharan Purthi,
G.E.L. Church, Ranchi.

Sir, Just now I received a copy of the Suspension order of Rev. L. Khalkho and Rev. Sharan Purthi, and hereby I file very strong objection to your order under the following grounds:-

I - Being the member of the Church Council I know very definitely that the C.C. has never taken opinions of the Orissa, Govindpur and Northern Synod Councils. Vide Section 6 (d) and (g) of Article of "Up niyam and Sakha Sasan ke niyam".

II - Because the C.C. has transferred the above named Pastors without taking opinions of the Synods concerned, it is essential that the C.C.'s Transfer order is put before the Synod Councils either to release the pastors peacefully or to object.

Recently I met Rev. L. Khalkho and we had talk about the transfers. He told me that the Orissa Synod Council meeting was called in the end of May 56 to consider the transfer order, but Rev. S. M. Bage raised unconstitutional and unreasonable disturbances in the meeting due to which meeting was closed and the transfer order could not be brought before the meeting. Thus the Orissa Synod has not yet released Rev. L. Khalkho and Sharan Purthi. I am sure that you have no document from the Orissa Synod that these Pastors have been released by the Synod.

Under the above grounds, your suspension order is unconstitutional and so I object to your order.
Copy to:-

- (1) Rev. L. Khalkho
- (11) " Sharan Purthi.

Yours faithfully,

B. Ming 25/6/56.
President
Western Synod, Gumbera.

Ref. No. 6. 2. 20/11/7



The President.

Prissa

Rev. S. Tiney
S. E. L. Church, Nindith.
P. O. Khampor.
St. sunbargark. orissa

To

The President.

S. E. L. Church, Chole Naypur
and Bissam, Ranchi

Dear Sir,

I have the honour
to say that we the mission field
workers are always waiting to get
for the grant in - Bid -
we have not got from
a long time. Will you please
let us know what about
it. May we expect to get
or not. or may we not
dream for it.

With Thanks

I have the honour to be
Dear Sir,

Yours obedient servant

S. Tiney

Rev. S. Tinker
Rimdh, P.O. Khamphu. B'sundergarh.
Orissa.

To

The President.

G. E. L. Church, in C/o Nagpur & Assam.
P.O. Ranchi, St Ranchi. Bihar.

Dear Sir

I have the honor to say that the mission field workers are under to the administration of the Autonomous Church. The workers are granted in -aid- of the C.C. Grant in aid was never paid regularly. Always remained arrears, systemed to pay through the synod President, Orissa synod. Arrear was never paid when the successive year was passed. yearly it was remain something due and not received.

It is quite difficult to understand it; and what will be done to the grant, cannot be said. Herein I say mostly about Rimdh Parish and not others. The Rimdh Parish cannot be numbered parish of the Autonomous Church. I would like to know something of the grant, what will be the position of it, as grant - in -aid- or will it die in a bit longer. Grant of the 1956 is known nothing. What happened to it? What shall be done to be maintained of the living and work. Consequently I ask your favour to let us know of the situations of the grant in-aid for the mission field further.

I have the honor to be
Dear Sir,

Yours obedient servant
S. Tinker



29 JUN. 56

30 JUN. 56
POST CARD

2 REPLY

ADDRESS ONLY

AGBHAM

10 The President

H. E. L. Church.

H. E. L. Church

Ranchi.

मैं आपका नाम सुनकर बहुत
खुश हुआ हूँ। मैं आपका
पत्र पढ़ा और बहुत अच्छे
रूप में समझा।

आपका पत्र बहुत अच्छे
रूप में पढ़ा और मैं बहुत
खुश हुआ हूँ। मैं आपका
पत्र पढ़ा और बहुत अच्छे
रूप में समझा।

मैं आपका पत्र
पढ़ा और बहुत
खुश हुआ हूँ।
For M. P. H.

No 3 /
 - Copies to
 Church Council
 Rev. C. B. and Rev. Z. Khalkho

35 श्री यू. च. 3 डि. का सिनोड प्रेसिडेंट Rev. Z. Khalkho
 ग्वाप को आभुसहाय ।
 Rajgarapur

महाशय ?

कोरों का पाद्री, C.B. Aind

20-6-56 को रुन्गा परीश ग्वाप-राजगंगपुर
 परीश के भार्गु बहीनों को Rungu गिरजा घट
 में बुलाया था। ग्वाप चटवूड का मरुतिन कन्दलना
 ग्वाप रुन्गा के युसाद के (केहा) परीश ^{पाद्री के} गिरजाघट
 में परीश चयन करने के लिए निर्दिष्ट किया, सो यह
 अनियमित रूप है कि अनियमित है, ग्वाप इसका सिनोड
 में तलफिया कले की कृपा करेंगे। जब तक समझौता
 परीश-पाद्री के साथ, पाद्री C.B. Aind
 का समझौता ^{सिनाद है} नही होता है, परीश निर्दिष्ट
 ग्वाप संन्या लाइजेंस रुन्गा में होगी।
 समझौता हो जाने के बाद राजगंगपुर में
 जितना महीना का बन्द किया जाएगा वह सब
 हिसाब ग्वाप रोकड़ दिया जाएगा।

(विषय)

- (1) - पाद्रीयों के विषय सिन्कायत करना।
- (2) - प्रोपोगन्डा का मजबूत करना।
- (3) - रुन्गा से पाद्री इ. किडों का दोसफ़ल करना।

ग्वाप के प्रासाधीन

C. J. Uind

Rungu Parish Secretary

Date-25-6-56

Certified
 Rev. Ekins
 Rungu Parish
 25-6-56

35
To ~~Onissa~~ Raj gangpur 19/8/86

The President, G S L Church
Ranchu

Dear Sir,

Received your order of
12th inst and learnt its contents
I am as not in the position to make
debate with my authorities, neither
with the CC authorities nor with
the Synod authority. I am to abide
by their directions, with proper Channel
as ^{far as} I understand. To release me
or to keep me in Prison Synod
depends upon the Synod Sabha. I have
already called for full Synod Sabha
within this month, I will put up all

these your instruction and direction
in order to help Synod to release
Pastors transferred outside the Synod.

I therefore I earnestly request
your favour to very kindly
suffer in waiting for another one
week till the Synod release
us. I therefore submit my humble
apology ^{to you} for not making over
charge ^{to} Rev C B Aird ~~at~~ Synod
Secretary. Until I am
released by the Synod I shall be

Yours truly

L Khalke
Synod President

Orissa

35

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

President:- Rev.J.J.P.Tiga, M.A., B.D., S.T.M., Ranchi Bihar India.

Dated the 20th June 1956

To

Rev.Z.Khalkho,
G.E.L.Church Rajgangpur,

Dear Rev.Khalkho,

No 267/56

- ①
- ②
- ③
- ④

Consent of Rev Khalkho in November
Pres. of Rev. Khalkho re. C.B. Aind
Letter from brother, 17-30.11.55
Full C.C. meeting - Jh, Bhoj, Khalkho

1. Whereas you have disobeyed the transfer order of the Church Council contained in order No.1070 dated 20-3-56, from Rajgangpur to Lohardaga.

2. Whereas there is no objection of the Orissa Synod to your transfer order of the Church Council from Rajgangpur to Lohardaga.

3. Whereas there is no objection from the Northern Synod to your transfer from Rajgangpur to Lohardaga.

4. Whereas you were repeatedly asked by your authorities to go on transfer and you refused to hand over charge to your successor.

5. Whereas you have caused undue troubles, harassments and inconveniences in the exercise of pastoral duties in the Church.

I hereby suspend you with immediate effect from your service as a pastor for your gross misconduct under section 5 of Article 8 and under section 6 of Article 10 of the "Ministerium ki Nirnayawali" of the G.E.L.Church in Chotanagpur and Assam. During the period of suspension you are not entitled to any sort of pay, remuneration or allowance.

Yours sincerely,

sd/- J.J.P.Tiga.

Bh.Lakra.20/6/56.

President,
G.E.L.Church, Ranchi.

Memo No.335-400/56.

- Copy to
- (1) All members of the Church Council.
 - (2) All officers and Pastors of the Orissa Synod.
 - (3) Rev. C.B. Aind.
 - (4) Rev. Sharan Purty.
 - (5) Rev. S. Gundung.
 - (6) Presidents of all the Synods of the G.E.L.Church.

Bh.Lakra.20/6/56.

President,
G.E.L.Church, Ranchi.

Memo No 402-504/56 Dated 21.6.56

Copy to all the members of the ministerium for information.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.
President:-Rev.J.J.P.Tiga,M.A.,B.D.,S.T.M,
G.E.L.Church Compound,
Ranchi Bihar India.
Dated the 20th June,1956.

Ref: NO. 268/56.

To

Rev.Sharan Purty,
G.E.L.Church,Ghoghor,
P.O.-Raiboga,
Dist.- Sundargarh (Orissa)

Dear Rev.Purty,

1.Whereas you have disobeyed the transfer order of the Church Council contained in order NO.1070 dated 20.3.56 from Ghoghor to Govind-pur.

2.Whereas there is no objection of the Orissa Synod to your transfer order of the Church Council from Ghoghor to Govindpur.

3.Whereas there is no objection from the Govindpur Synod to your transfer from Ghoghor to Govindpur.

4.Whereas you were repeatedly asked by your authorities to go on transfer and you refused to hand over charge to your successor.

5.Whereas you have caused undue troubles,harassments and inconveniences in the exercise of pastoral duties in the Church.

I hereby suspend you from your service as a pastor for your gross misconduct with immediate effect under section 5 of Article 8 and under section 6 of Article 10 of the Ministerium ki Nirnayawali of the G.E.L.Church in Chotanagpur and Assam. During the period of suspension you are not entitled to any sort of remuneration,pay or allowance.

Yours sincerely,

sd/- J.J.P.Tiga.
President.
G.E.L.Church,Ranchi.

Memo No. 269-334 /56.

- Copy to (1) All members of the Church Council.
(2) All Officers and Pastors of the Orissa Synod.
(3) Rev.C.B.Minz.
(4) Rev.Z.Khalkho.
(5) Rev.S.Dungdung.
(6) Presidents of all the Synod of the G.E.L.Church

memo No 505-667/56 Dated 21.6.56. copy to all the members of the Ministerium for information.

Prison

The Prisoner Evangelical League
President: Rev. J. E. Tipton, M. A., D. D., S. T. M.
Care: No. 155

To

Rev. Nathan Perry,

F. O. - Halifax,

Date: - Sunday, (April)

Dear Rev. Perry,

I enclose you have enclosed the financial order of the Church
Council contained in order NO. 1070 dated 20.3.50 from Glasgow to Oxford

I enclose there is no objection of the fact as found in your

transferred order of the Church Council from Glasgow to Oxford.

I enclose there is no objection from the Glasgow Council.

Your secretary, Mr. J. E. Tipton, M. A., D. D., S. T. M.

I enclose the financial order of the Church Council dated 20.3.50

of which I enclose a copy of the financial order of the Church Council

dated 20.3.50 from Glasgow to Oxford, dated 20.3.50

transferred order of the financial order of the Church Council

I enclose the financial order of the Church Council dated 20.3.50

transferred order of the financial order of the Church Council

dated 20.3.50 from Glasgow to Oxford, dated 20.3.50

transferred order of the financial order of the Church Council

dated 20.3.50 from Glasgow to Oxford, dated 20.3.50

Yours faithfully,
J. E. Tipton, M. A., D. D., S. T. M.

Rev. J. E. Tipton, M. A., D. D., S. T. M.
President of the Prisoner Evangelical League
Care: No. 155
F. O. - Halifax

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No. 1094/56

Dated the ... 21st March, 1956.

To

Rev. Z. Khalkho,
Synod President,
Orissa Synod,
G. E. L. Church Rajgangpur.
Rajgangpur. (Orissa)

Dear Rev. Khalkho,

This is to inform you that Mr. P. D. Kandulna and I are going to Rourkella to see the situation of our Church property and the present position of the matter. The programme is as follows:-

FRIDAY, the 23rd March - Arrival at Rourkella by
Howrah-Pgr at 12.58 p.m.
meeting the brethren at 9 p.m.

SATURDAY, the 24th March - Seeing the place and the
officers, in the morning and
after-noon.

SUNDAY, the 25th March - Service at Rourkella and
leave by Nagpur-Howrah Passenger
at 16.37.

Please try to come. Rev. C. C. Minz is also
requested to come.

Yours sincerely,

J. J. P. Tiga
President,

G. E. L. Church, Ranchi.

B.L. 21/3/56.

1095-97/56 cc to Rev. C. C. Minz, Pracharak of Rourkella and Mr. P. D.
Kandulna for information.



पोस्ट कार्ड

जवाबी
केवल पता



नाम

Rev. J. J. P. Tiga

पता

President

डाकखाना

C. E. L. Church

ज़िला

Ranchi

Ranchi

Bihar

Russia Chughan

4-5-56

35

The President
L. E. L. Church
Ranchi

सिनोद सभा की बैठकी
और सिनोद सभा के दुसरे
पक्षे बिना बदली जाने
और वाज देने में
अच्छी लाचार हु।

Sh. D. Ti

महामानव,

जी. ई. एल. - वर्क प्रेसिडेंट साहब,
आप को मसीही नमस्कार ॥

आगे मैं आप को फिर से यह कठिन परिश्रम करवाता हूँ
कि आप फिर से बोटी टिकट छापवा दें, ताकि मैं आप
का सदा एहसान मन्द बना रहूँगा। जहां तक हो सके
१५ जून १९५६ ई. तक भेजने की यथाशक्ति करें। जैसे:-
१०५०, एक हजार - पचास टिकट रहे। आर्थीत:- कृपा
५० बुक २६ टिकट करके छापवा देने की महान कोशिश
इस तरीके पर छापवा दें।

In Aid of Poor Fund.
Private.

B. No

Z. No

Name _____

Address _____

Closing Date 1-11-56. Drawing Date 25-11-56

1st. Prize — one Dozen New Hockey Sticks

2nd " — one Wrist Watch (New)

3rd " — Three New Hockey Sticks

4th " — one fine Dhoti & one fine saree

Subscription - 1/4 - Eight Annas

Place Bausjor Putkal Toli 2 P. m

H. Horo

Three Tickets free for seller (Agent)

Director

अगर से आर्जी करता हूँ। कि आप इसका उत्तरा पौरन हर
वर्ष का हिसाब साथ भेजना ताकि उपलब्धता तारीख तक
टिकट बुक भेजने महान कोशिश करें।

आगे आप का एड्रेस —

आशा थीन —————>

H. Horo

Village Bausjor
Putkal Toli
P.O. Bausjor
Dist Ranchi

Dist-Ranchie

Rev. S. M. Bage P.C. 26/56

To, The President,
G. E. L. Church

Mohi ki dasha
Chataup Jashiga
G. E. L. Church.

Raigangpur

27-4-1956

महोदय,

आप को सूचना।

आप को निम्न ता. 22-8-26 और फरसाकाती मंडली का दरबस्त जो फोडिसा सिनोड प्रेसिडेंट को दिया गया उसका तबत जो आप को भेजा गया था ता. 26-8-26 को मिला। बदली सम्बन्ध लिखित का रिपोर्ट आप को दिई जाती है।

ता. 29-9-26 राजगांगपुर इलाके को बैठकी।

Item no 2. प्रचारकों की बदली :- कितने कारण वस इलाका के प्रचारकों को बदली कर दिई गयी, बदली 12 जनों को किई गयी। बदली जिन को हुई है 12 के फरवरी 26 से नये जगहों में काम शुरू करें।

पैसला के अनुसार लैट्टुम नमा के मोताबिक सब प्रचारक अपने नये जगहों में बहाल तारिक में काम शुरू कर दिवें।

फरसाकाती मंडली का प्रचारक इलाका को न मान कर मंडली के भाईयों को बात सुने कर कि हम लोग प्रचारक को जाने नहीं देंगे हम लोग दरबस्त दिवें हैं और केरों प्रचारक को नहीं छोड़ेंगे। मैं प्रचारक को बुदबारी से और कितने भाईयों को भी जो उमरदर हैं मुहकशी समझौता दिवें परन प्रचारक न भाई लोग मेरी समझौता को सुने। तिस पर मैं प्रचारक के पास और भाईयों के पास अलग 2 पत्र भेजा जो कि इलाके का पैसला लगू नहीं हो रहा है, मैं इलाके का चेपर में होकर मैं प्रचारक को बरी लिखा कि जब आप इलाके के पैसले को आप के इच्छा घर भाईयों के इच्छा अनुसार नहीं मानते हैं तो आप के ऊपर इलाके को और से करवाई किई जायगी अर्थात् काम से धुछी और छोटी सजा दिई जायगी। फिर मैं भाईयों को बरी लिखा कि जब आप लोग प्रचारक को जाने नहीं देंगे तो आप लोगों के ऊपर करवाई होगी अर्थात् स्तान, पुहुजोय और शरी आदि बन्द किई जायगी। पर वे जो लिखते हैं कि:- "अन्ध के बदले बिन्दु और मबली के बदले सांप दे दिया है" यह सारा सफा है मैं ऐसा नहीं लिखा हूँ लेकिन मैं समझौता के साथ प्रचारक को और मंडली को लिखा है। प्रचारक मेरे लिखित पत्र को पाते बर अपने नये बदली मंडली को चले गये और काम शुरू कर दिवें। पर मंडली फरसाकाती के लोग अपनी इच्छा पूरी करने को लागे हैं और धमकी को बात लिखे हैं कि "मंडली दो भाग हो जायगा"। वे बेही लोग हैं जो राजगांगपुर में दल बन्ध के आपे चे, वे अपने नये प्रचारक को जो गिरजा को मंडली काम करने से इन्कार करते हैं। मेरा अनुमान होता है कि सिनोड नेह टेड का हाथ भी होगा जितने इलाका चेपर में काम बिगाड़ जाय घर देखते कर रहे हैं।

फिर ता. 12-8-26 राजगांगपुर इलाका को बैठकी।

Item no 3. गत बैठकी के मिनिट से प्रचारकों की बदली पर :- स्वगा और धोघोर पेरिश को बदलीय बिना रोक टोक हो गयी है। परन्तु इलाका चेपर में ने रिपोर्ट दिया कि राजगांगपुर पेरिश के फरसाकाती मंडली में कुछ गड़बड़ है अर्थात् फरसाकाती मंडली शिमोन तिको को चर्ज नहीं दे रही है। इस बिषयक कानेक चिद्दिया पड़ी गयी। इलाका इस बकात में यह निर्णय करती है कि बदली जो हुआ है सो जारी होवे। जो बकात फरसाकाती मंडली इलाका को लिखे हैं उसके समझौता के लिखे भात वाले बैठकी में फरसाकाती मंडली वाले इलाका में बुलाये जावें।

बदली बकात शिमोन तिको और पकरिपार केरमेय प्रचारकों को तथा फरसाकाती मंडली को भी जानती दिई जवे।

मैं और कितने बातों का उल्लेख देऊं इतने बातों में जनन करता हूँ।

आप का विश्वास
सेवक,

Rev. S. M. Bage
Raigangpur

Office of the President G.E.L.Church,Ranchi.

No. 19/56.

Ranchi.
3-5-1956.

Rev.Julius Surin,
Jharsuguda.

Dear Rev.Surin,

Report mila hai ki ap ne kisi sangi-padri ko Council ki agya ke birudh badli men nahin jane ki sallah di hai. Kya yah bat sach hai ? Yadi sach hai to jaldi man lekar chhama mangiye aur us padri bhai ko badli men jane ki sallah dijiye.Yadi ap iske bishay kuchh bhi nahin jante hain to usko bhi likh bhejiye.

Age shubh,
Sd/- J.J.P.Tiga,

President,
G.E.L. Church,Ranchi.

Memo No. 23/56 dt. 4.5.56.

CC to the Secretary,Church Council,
Ranchi for information.

SERAMPORE COLLEGE

Page No.

OFFICE OF THE PRESIDENT G.E.L. CHURCH RANCHI.

No. 18/56.

Rev.Z.Khalkho,
Rajgangpur.

35
Ranchi.
3 - 5 - 1956.

My dear Rev.Khalkho,

I have read your letter to the Secretary, G.E.L.Church telling him that you have not yet been released by your Synod and so you cannot go on transfer now. You say that the Synod is waiting to get a reply to its previous resolution communicated to the C.C.

I am very sorry to find that you are creating difficulties by not obeying the C.C. Please go ~~xxx~~ to Lohardaga at once and let me know when you are leaving Rajgangpur.

Yours sincerely,

Sd/- J.J.P.Tiga,

President,
G.E.L. Church, Ranchi.

Memo No. 22/56. Dt. 4.5.56.

C.C. to the Secretary, Church Council,
Ranchi, for information.

Office of the President G.E.L.Church, Ranchi.

No. 20/56.

35

Ranchi.
3-5-1956.

The Rev. Shazan Purty,

Pyare Padri Purty,

Kya yah sach hai ki ap ne kisi ~~ek~~ Padri ke pas likha hai ki wah badli men na jawe ? Kripa karke iska jabab jaldi dijiye kyonki jadi ap ne aisa likha hai to ap par nishchay kararwai hogi. Jiske pas ap ne likha hai usse bhi puchha jayga. Jadi likhe hain to turant mere pas man lekar chhama mangiye jiste bat lambi chauri na ho.

Age shubh,

Sd/- J.J.P.Tiga,

President,

Memo No. 24/56 dt 4-5-56.

G.E.L. Church, Ranchi.

CC to the Secretary, Church Council,
Ranchi for information.

President G.E.L.
Church

GOSSNER EV. LUTHERAN CHURCH
Church Council, Ranchi,

No 1673/56 dated 16th May '56.

Ranchi the 16th May 1956.

From : Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

To : Rev.Z.Khalkho,
Synod President,
G.E.L.Church, Raj-Gangpur (Orissa)

Dear Rev. Khalkho,

Sub: Transfer of Pastors. Order No.1070/56 d/-20.3.56.
Ref: Your p.c. No nil of 7.5.56.

It is very much regretted that inspite of express instructions from this office you have not yet carried out the orders of the Church Council, but on the other hand you have refused to obey; your objections ~~being~~ are

- a) that the Synod sabha has already transferred you within the synod.
- b) that the synod sabha's resolution of 12 th.January '56 has been sent to the council and your synod is awaiting the church council's decision on it.
- c) that your synod sabha has not yet met to consider the transfer order of the church council in respect of yourself, Revds S.M.Bage and Sharan Purty.
- d) that you allege that the church council has not respected the synodical constitution in the matter of the above transfers.

If you care to study the above objections, which you personally raise, you will find that they are contradictory. Apparantly you want to vitiate the decision and order of the church council, which will definitely go against your own interest.

You should note that the necessity of transferring so many Pastors arose due to your position in the synod. Your own synod ministerium had recommended for your and the Rev. Bage's transfer outside Orissa synod. The church council had taken this action after fully ascertaining the view of the synod, the synod ministerium and yourself as President of the Orissa Synod. The synod resolution of 12 th. Januray '56, about which you seem to be so much anxious was ~~place~~ before the full church council for 24.2.56 This was done when the secretary made a report on the earlier transfer order and the council was assessing the whole situation. Be sure that your synod resolution was debated and the cc could have taken a serious view of this, as the synod had taken a wrong and unjustified ~~xxxxx~~ approach of the problem. As the synod President and a member of the church council you should have advised your synod accordingly, but you seem to act quite differently.

at all meanty

You seem to have defied the synod also, if you ~~want~~ to stick to the synod resolution, however wrong or incomplete it is. Why didn't you go on transfer according to the synod?

Look up at the history, how the question of your transfer came up before the council. You have undertaken in writing to go out of the synod on transfer. How do you afford to forget all these facts? By not obeying the order of the council you have put other Pastors in to inconveniences and the church council in to monetary loss and other anxieties. You should remember that it is within the power of the church council to evaluate the actions of your synos and yours too. If you don't go on transfer and still continue to disobey, we shall have the painful duty to report to the church council and to the ministerium against your conduct.

We have evidences to show that you have been also abetting and instigating fellow pastors in disobeying the orders of the church council. Serious view of it is being taken; for all these you will be answerable before the church council.

The transfer order should have been carried out by the 1st day of this month. You did not care to do so on the plea that

your synod

your synod has not yet met to consider this order of the council which is final. Your synod has now no need to consider it. It's opinion has already been taken in to consideration, and for the general benefit of the synod and the church as a whole all these transfers have been made. It was because of you, other Pastors had to be disturbed. You should have advised your synod accordingly. If your synod is meeting, please tell these facts and do not misrepresent the council's action.

You are therefore again directed to hand over charge to Rev. C.B. Aind. In case Rev. Aind has returned to Koronjo, hand over charge to the Synod Secretary and proceed to Lohardaga immediately. If you still disobey these final instructions, the church council will take suitable actions, which please take note.

Yours sincerely,

sd/- N. E. Hon 16/5
Secretary.

COUNCIL OF THE GOSSNER EV. LUTH CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Memo No 16 73/56 dated Ranchi the 16th May, 1956.

Copy forwarded to Rev. C.B. Aind, G.E.L. Church, Koronjo, P.O. Koronjo, Ranchi in reply to his letter Nos. nil d/-8.5.56 sent from Koronjo & p.c. No. 77/56 dated 12.5.56 from Koronjo. He is directed to proceed to Koronjo and take charge from Rev. E. Khalkho. In case Rev. Z. Khalkho does not hand over charge, he is further asked to stay at Rajgangpur and take over charge of the Parish and Illaka - Rajgangpur from Rev. S.M. Bage and relieve him so that he can join at Chaibassa.

sd/- N. E. Hon 16/5
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

COUNCIL OF THE GOSSNER EV. LUTH CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Memo No of even date.

Copy forwarded to Rev. Sharan Purty, G.E.L. Church Ghoghor. He is directed to go on transfer to Govindpur as per the transfer order already communicated to him. He should make no further plea, otherwise that will be detrimental to his own interest.

sd/- N. E. Hon 16/5
Secretary, G.E.L. Church.

COUNCIL OF THE GOSSNER EV. LUTH CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Memo No 1673/56 of even date. 17.5.56

Copy forwarded to the President G.E.L. Church, Ranchi for his information and any action that may be needed.

sd/- N. E. Hon 16/5
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tige, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No. 140/56.

Dated the 17th May 1956.

Secretary,
G.E.L. Church

35

Dear Mr. Hono, Your letter No. 1673/56 dated 16th May, 1956. I have already written to Rev. Z. Khallikho and a copy forwarded to you. I have also sent copies of the same to all the Synod Presidents for their information.

J. J. P. Tige
Res.

No. 20/56

35

The Rev. Sharan Prasad,

Pyare Badi Prasad.

Kya yeh sach
hai ki ap ne kisi ek Badi ke pas
likha hai ki wah ladli men na
lane ? Kya karte iske jabate
faldi dijiye kyonki jadi ap ne
likha hai ~~to~~ aisa to ap par nishchay
karanwai hogi. Jiske pas ap ne
likha hai usse bhi puchha
lagga. Jadi likhe hain to turant
mujhe pas man lekar chhama
mangize jiste kit lambi chauri
na ho.

Age Shukla,

Indra

President

35

Ranchi

3.5.56

Rev. L. Khalkho

Rajgangpur

My dear Rev. Khalkho, I have read your letter to the Secy, G.S. Church. Telling him that you have not yet been released by your Synod and so you cannot go on transfer now. You say that the Synod is waiting to get a reply to its previous resolution communicated to the CC. I am very sorry to find that you are creating difficulties by not obeying the CC. Please go to Lohardaga at once and let me know when you are leaving Rajgangpur. Yours sincerely
D. V. R. Resident

On September 3, 1896 a huge memorandum signed by 13176 was presented to the Maharaja under the leadership of Dr. Palpu. Of the 13176 people 5655 were tax payers. They demanded right of entrance to public schools and entrance in government jobs (only castes up to Nairs in the social ladder were allowed till then) An extract from the petition is given below.

" According to the census of 1891 at least 25000 of our men are educated. Still most of them live honourably by trade, contract, medical work, astrology and the like professions independent of the government . Those who had higher English education serve under foreign government. And we do not understand why not a single man among us serves the government of your eminence in the capacity of so much as a low job with Rs.5/- as salary".

In the reply given by the government it was mentioned that " The fact cannot be hidden that caste discrimination is something which is prevalent among the different groups of the Hindu Society and their mutual rights are being governed by that". The petition was refused.

Still the struggle continued. And the attention of the people turned to social reforms also. In 1895 the 'Ezhava Sabha ' was founded. In 1903 the S.N.D.P (Sree Narayana Dharma Paripalana Sabha) was organised by the great social and religious reformer Narayana Guru. Many young educated men with progressive outlook like T.K.Madhavan joined him. They began to attack such customs as mock marriage (Taliketttu)

35

No. 19/56.

Property rites, Palkhadi and Palkhadi (Death rites) All of
involved much waste of money.
The communal organization S.N.D.P. united the ten lakhs
of Bahavas under that one organization. They fought for social
and political equality. To-day the Bahavas are a progressive

Rev. Julius Surin,
Jharsuguda

Dear Rev. Surin,

Report mila
hai ki ap ne kisi sangi-padri
ko Council ki agya ke li'ne
badli men nahin jane ki
sallah di hai. Kya yah tar
sach hai? Yadi sach hai to
ladli man lekar chhama
mangize aur us padri bhai
ko badli men jane ki sallah
dijye. Yadi ap iske bishay
kuchh bhi nahin jante-hain
to usko bhi likh-behijye.

Age Shukh,
Jharsuguda
Resident

Puberty rites, Pulikubi and Pulakuli (Death rites) All of them involved much waste of money.

The communal organization S.N.D.P. united the ten lakhs of Ezhavas under that one organisation. They fought for social and political equality. To-day the Ezhavas are a progressive group rising in wealth and in education. C. Kesavan an Ezhava was the chief minister of Travancore - Cochin for sometime. There are ministers, lawyers, doctors and many officers in government to-day from among them.

1. Talikettu- Girls had to be 'married' before they attained puberty. There would be a big feast and the maternal uncle's son would tie a 'tali' around her neck. One man may 'marry' several girls and the disparity in age was immaterial. The ceremony was really 'a mock marriage' and had no other significance. But the expenses involved were terrific.

2. Pulikudi was the ceremony of the couple conducted on the seventh month of pregnancy of a woman. The husband and wife sat holding their right hands. The barber woman would pour out some tamarind solution in the hand of the woman which she must drink. It was a public testimony that the husband admits of her fidelity. This ceremony was followed by a feast.

On Postal Service.

Sender's name

PRESIDENT,

and address:

G.E.L.CHURCH, RANCHI.

RANCHI.

Time-stamp of
office of posting.



R. P. 54

Acknowledgment.

35

(To be returned to office of posting for delivery ~~to sender~~.)

RECEIVED a registered* Letter No.

addressed to (name) ... Rev. Z. Khalkho, Synod President,
Orissa Synod, Rajgangpur P.O. Rajgangpur, Dt. Sunder-
garh (Orissa)

† Insured for Rs.

† Weighing (in words)
to be
rated

Signature of addressee Z. Khalkho

Date of delivery 6.2.4 19 58

*Write here "letter," "post-card," "packet," or "parcel," as the case may be preceded by the word "insured" if the article is insured.

†To be filled up only in the case of insured articles, and to be scored out in the case of other articles.

Deshbandhu—P. O. PCN 38/51-GMB—(4317/OP-188 P & T)—1. 8. 55.—3,00,00,000

To As. Vice Pres. Barretto

File

35

KH ARIAR,

Jan. 18. 1956.

Chairman, U.C.C. Committee
on Evangelism.

Dear Member of the U.C.C. Committee on Evangelism,

I am sorry we could not meet because of want of funds for travel. I have not done much for the committee this year, but I am glad to report that the differences between the Baptist Church of the Bora Zamber-Sambalpur area and the Gossner M.L. Church-Mission have been settled with the withdrawal of the Lutherans from the congregations that belong to the Baptists.

Now here is another trouble in several areas, including ours (of the A. E. Mission - C.O.C.C.) : Schaeffer agents (the independent group unattached to any regular mission) are reported to be trying to win people in the Lingao area and Prakashpur area from the C.O.C.C. to their church. As I understand, other churches and missions had similar experiences with that group whose main object seems to be to make converts from other churches and cause disharmony. What do you suggest we do about it? I feel strongly that no literature should be supplied to this Schaeffer from either Mission Press Cuttack, nor any Press of churches under the U.C.C., as it is only used against members of the C.O.C.C. and other churches, and no cooperation with that group seems to be possible. I feel that some joint actions should be taken to protect members of our churches, such as declaring the Schaeffer group out of fellowship, or not recognizing them as Christians. What suggestions would you make? Please let me know in a week or two, so that I can make a report to the U.C.C.

Then kindly let me know any suggestions on evangelism, and cooperation between missions and churches in Orissa. How about a special Revival Committee with Revival Speakers? Some one in Orissa who would be called to different churches and is a good speaker? Can you suggest names?

You may have other suggestions. You will agree that the churches need revival. And what about the "Prakash" as an evangelistic monthly, even for free distribution? would you favour that the C.O.C.C. have a few thousand copies printed for free distribution to all churches? or that each church take several hundred a month, and pay for the cost? How about leaflets on revival, or the Revival Monthly in Orija?

The tendency seems to be to reduce paid evangelists by the missions. In fact our E.A. Mission and C.O.C.C. has none since 1. April, 55. All work is to be done by volunteers, which is the ideal and biblical way. The objection is to foreign funds, and the church lacks funds. Such volunteer witness requires the Holy Spirit.

How about institutes for volunteer workers, and annual conventions or sammelan where larger groups of men and women gather for the deepening of spiritual life?

Please answer these questions and give me your ideas and suggestions within two weeks, as well as you can. I wish we could meet, and should have written sooner.

Yours, in His service,

H.A. Feierabend.

H.A. Feierabend

True copy.

Dossu

35

Camp C. K. Pur.
14/4/56.

Dear Rev. Dungdung

प्रीति सहाय ।

लिखने की विशेष बात यह है कि आप
की बदली C.C. से लोडिसा सिनोड के
घोघोर पेरिश में हुई है ।

पर आप को जनसे देता हूँ मुक्त को
लोडिसा सिनोड नहीं छोड़ रहा है मतः
आप से साफ साफ कहता हूँ आप घोघोर
मत आइये आप को चार्ज नहीं दिया
जायगा । इस को आप विशेष बात जानें ।

Rev. Sharan Puri

G. E. L. church, Ghoghor.

To

Rev. Stiphan Dungdung.
G. E. L. church.
Kahupani.

P.O. Thethaitangar
Ranchi.

D/c

No. 196/56

Private letter

Ranchi
1/8/56

मोरे पदरी शरणा पुती,

35

माप को जोशुस हाय। मापको P.C. को
माप को private letter मिली। माप को
मे. रही सल्लाह देता हूं कि चर्च को 'सिन
को माइल को पालन को जिसे मन्थरा
माप पर जोसे मापति मोवेरी। मन्थ
माप पर न कोई दोष लगाया गया है, न
कि माप को कोई सुजा दो गई है। माप
साधारण तरीके से बदली किए गये हैं।
माप को इस बदली से लाभ हो होगा —
जुसई किसी प्रकार से नहीं है।

माप का शुभचिन्तक



Dear Sir,

We shall be highly obliged if you could kindly publish the following announcement regarding our Church in your paper for the information of the public.

"PASTOR INSTALLED FOR WELLESLEY SQUARE CHURCH.

The Rev. George Devadas, duly recommended by the members of the Wellesley Square Church, Calcutta, and approved by the Rev. J.J.P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M., President of the Gosner Evangelical Lutheran Church, Ranchi, the Rev. G. Devasahayam, S.T.M., President of the Andhra Lutheran Church, Guntur, and Rt. Rev. Bishop J. Sandegren, M.A., D.D., President of the Tamil Lutheran Church, Tranquebar, was Ordained to the Holy Ministry on the New Year's Day, 1956, at Christ Church, Ranchi, and subsequently Installed at the Wellesley Square Church, Calcutta, on the 10th January, 1956.

President Tiga was the Ordaining and Installing Officer, Dr. Fridtjof Birkeli, Director of the Department of the World Missions of the Lutheran World Federation, Geneva, was the Preacher at the Installation Service, and Rev. H. Borrutta, Rev. K.D. Soy and Rev. Torvik took part in the Ceremony.

At the Ordination Service at Ranchi, about 1,000, and at the Installation Service at Calcutta at 76, Wellesley Street, about 120 Members of the Church attended, and cheerfully received their new Pastor, Rev. G. Devadas."

Thanking you.

Yours faithfully,

Camp :-
76, Wellesley Street,
CALCUTTA:: 10th Jan. 1956.

J.J.P. TIGA
President,
C.E.L. Church.

Private Letter

35

महामान्य वर धर्म पिता आप को मुझ व्यंग्य
और आप न आशाकारी बेटा की ओर से यीशुसहाय।
मैं अपनी छोटी बुद्धि से निम्न बातों को
लिख रहा हूँ इससे आप बुरा न मानें और यह दर्ज
गालियाँ भी हों तो उनका लेवा मुझ से मत
लीजिये (किसी प्रकार का दण्ड मत दीजिये) क्योंकि
लड़कों से मूल हो ही जाता है। और यह भी जानिये
यह प्राईमेट (व्यक्तिगत) चिह्न है।

मुझ को ऐसा लग रहा है कि मुझ व्यंग्य बेटे
के प्रति धर्म पिता (९.९) पक्ष का सा दिख रहा
कर लाभ कला है। वृंके पुत्र को का रोदन या उसकी
शक्तिना दुःख दी जाती है। इस नालयक बेटे में
किसी एक जन या किसी समूह ने लिखा कि वह
सिनोद बाहर किया जाय। जब ऐसी २ बातें पितालेते
छिटे और आपने बेटों को कहा हुक्म दे बाहर मजे
तो पिता जी की इज्जत बेटे कहे तक करें। हां
यदि यह नलायक बेटे ने समूचे सिनोद में बुरा
प्रभाव डाल दिया हो तब तो वह सही हो सकता है

यदि यह कोई व्यंग्य बेटा जलाना भी कर जाये
तो पहले उसको घर में (सिनोद मीटर ही) में
ठीक रास्ते में लाला चाहिये या नहीं कि खुले आम
उसको बड़े इजलस (९.९) में लाभ के लिये सौमा
लाय। मैं विषय बातें एक जन यह एक जन के
दोस्त इधर के लीये बड़े इजलस में बात पहुंचाये
गयी। और बड़े इजलस ने घर वालों से (सिनोद से)
बिना विचार कराये आप ही आगे आगे हो करवा
के तो यह कहे तक ठीक मुझ पड़े। जब कभी
अन्य प्रकार की बात ९.९ में दिया जाता है
तो तुरन्त सिनोद को लौटा दी जाती है यह के
प्रोपल चैनल से नहीं आया है। और यह ठीक था

है कि हर एक बात जो पल चेन्नल से सी ही २
जाना आना चाहिये ॥ मुझे मालूम है हाल ही में
यहां के कितने राजन हो एक कितने स्था निवा
पंच गण श्री मो विरो ध ९.९ को लिखे है
आप देखें ९.९ जो पल चेन्नल को देखना है
कि पल का हा दिख रख के पुत्र पर बार
काने लगता है।

माझ की लिखे बेटों का काम तो पिता से
मोठना ही है और कभी २ दुक्म भी नहीं मानते
हैं। मैं कितना लिखूं सब कुछ आप जानते हैं
हो ९.९ के विरोध लिख का मैं ने दोष किया
इसके लिखे माझ चाहता हूं। पर पिता को
पुत्र पर दया भी करना चाहिये।

समय ऐसा आ गया। कि पादियों पर दिन
दिन तोप बन्दूक दूटेंगे। किसी पाद्री के विषय
कोई भी ९.९ में शिकायत करेगा। अगर ९.९
पाद्री के विरोध लिखने हो हर एक जन की
बात को जो कि जो पल चेन्नल से न जाये
सुने तो बेचारे पादियों का इज्जत कहा रहा।
मुझे ऐसा लगता है कितना भी लम्बा चौड़ा खुद
कं आप को लिखा जाये पर आप पर कोई
आसर नहीं होगा न ९.९ ही पर ३ पर ५ उल्टे
इस आयोग बेटा पर होंगे रुढ़ के बड़ा बेवकूफ
है।

किन्तु जरा आप पाद्री होने की हैसियत से
भी तो मुझ पर तस खाईये ॥ मैं आप को
लिख भी यह आपनी करता हूं कि तिनोद
समा जारिये जहां मेरी बदली की गया है वह
मुझे ९.९ जाने की इजाजत देवे। मेरे गोविन्द
पर बदली की बात उठा दी जावे।

आप लोगों को यह भी बताया गया है जैसा
मुझे सुनाया जाता है कि पलना आपनी

स्त्री को छोड़ने चाहता है इसी से हाल में अपनी
 स्त्री को नहीं लाता और आने नहीं देता तथा
 ओड़िसा सिनोड होने नहीं चाहता है। और शब्द
 इसी बात को ले ९.९ ने पत्र का साक्षि
 को प्रति राख लिया है। मैं इसके विषय कहूँगी
 क्या क्योंकि यदि कहूँगी तो माना नहीं जाएगा।
 मैं आप से फिर भी अपनी काला हूँ कि
 सिनोड अनुसार इसी सिनोड ही में रहना लाऊँ
 अगर यदि चलना अपनी स्त्री को छोड़ दे तो वह
 पापी होने के लायक ही कहा इसके भी तो ९.९ को
 सोचना चाहिये॥

यदि आप पिता इस कुछ आयोग बैठे की
 पुति नान लुने तो ~~यह बेच~~ बैठे की कंसी पर
 लटका दिया जाय। क्योंकि यह आयोग है तब ही
 तो यह बाहर भेज दिया जाता है। ऐसे २ आयोग
 बैठों को सीधे कंसी पर लटका दिया जाय।
~~एक सर्वमान्य विचार~~। तब शब्द कलीशा
 में शान्ति होगी।

माता की जिम्मे कभी २ क्या २ लाया जाता है
 मैं आपने मूलों के प्रति फिर भी माफी चाहता हूँ
 आप: आप से अपनी है कि - सिनोड अनुसार
 मुझे ओड़िसा सिनोड ही में रहने की जिम्मे। अगर
 आप है आप पिता हो का मुझ बैठे पा तब
 खापेंगे और रहता दिखेंगे॥

मैं आप से फिर भी आपने मूलों के प्रति
 जो इस बात में किता हूँ क्या चाहता हूँ और जनता
 हूँ कि यह वास्तविकता चिह्नी है। आप मुझ
 शिष्ट चिह्नी लपे रहता दिखेंगे॥

Sharan P.T.

इस मसाले के उत्तलन जो मुझ से नरत
 हैं और आप को मेरे विषय शिक्कात की बातें ९.९
 में भेजे हैं - उनके बिगड़ने का कारण यही है
 P.T.O.

कि एक ब्यालेस्त मिशन का साधू यह म्यां था हा
जो एक हमे लों यह रह के शिक्षा दिया ओ बंगाल
का काम किया पर कुछ पैदा नहीं किया कोई रोगी
आवृत्ति नहीं हुआ बल्कि किसी 2 रोगी का डो. एच
ओ. बढ़ गया वह साधू कितनी शिक्षा
हमारे लुकेरान शिक्षा से मित्र सिरवाका दशरी ने
को विशेष बात समझना का मैं ने मराठली
के लोगों को उसकी शिक्षा के विशुद्ध लुकेरान
शिक्षाओं को ले मित्र बचनों के आधार पर
(रोम 16:17-18; II कोरीन्थ 13:5-5 II कोरीन्थ 11:13-
15) उलटाना दिया इससे वे बहुत नान मुझसे
नरान हुए वह साधू मराठली की ओर से नह
बुलाया गया था पर वे अपनी ओर से उसे बुलाये
थे।

इसका कारण हाल ही में उन्हीं की एक लड़की
लड़की किसी अज्ञात जन से मारा जा के नदी के
बालू में लोपी (गाड़ी) गयी थी। उसका लाश के पता
चलने पर मैं लाश देवने नहीं गया न उससे
उस बालू से कोई जाने के सम्बन्ध हुआ वरों के
मुझे वक्ता समझवा बटोली वालों की उलटाना ओ हम
नहीं गये इससे मैं वे नरान हुए।

पर शायद आप ओ ए. ए. मी इन बातों को तो
बहाना कहेंगे ओ मुझ पर यकीन नहीं करेंगे ॥
तो हो यदि लुकेरान शिक्षा को रखा करने से मराठली मुझे
बिगाड़े ओ. ओ. उसके कारण मैं कैसे पर चलाया जा
रहा हूँ तो मैं आपका सच मानूंगा।

किन्तु आशा है आप मुझ पर लक्ष रखेंगे।

Sharan

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President: *1* Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No... *453/56*...

Orissa
35
Dated the ..30th..Jany.....1956 .

Rev. H. A. Feieraband,
Kharria, Orissa.

Dear Dr. Feieraband,

Thank you very much for your letter dated January 18, 1956. I am glad to note that the differences between the Baptist and G.E.L. have been settled. I hope that the troubles from Schaeffer agents will also be over. I would suggest that the matter should be brought before the U.C.C. and some joint action should be taken.

We shall be quite prepared to co-operate with you if you arrange for Revival meetings. I do agree that we need them. Institutions for volunteer workers is also necessary. I am sorry I can not say just now how that can be done.

I am glad that you are taking some steps and I wish you all success.

Yours sincerely,

J. J. P. Tiga
President,
G. E. L. Church, Ranchi.

Orissa
Syndicate

श्री: दिवाकर सुभा
वाल - कलंग पाठा

पु: मा: जेस
जिला - मधुपुर (कोशी)
दि: 20-2-56

श्रीमान,

श्री चर्य के नमिल

जैसे डेट, जे, जे, पी. लोका सो देव को
मे दे देरी ११. ३. २०
लूथेरा न मंडला
रा. च.

लूथेरा न मंडला जैसे डेट को मे दे देरी मटासय आप लोगो
को हम लूथेरा न माडे वरुनो को कोर से यो शु सहाय,
मिलवने का हाल मट है कि, श्री. र. च. लोका को खालखो
पाओ वगेरा हमारे बोडोसम्वर को जेस ईलाका मे काका
हम लूथेरा न वालो को बेपटिस्ट वालो के साथ मिलकर
रुन कमिटी कर के बेपटि. म. के राज मे जबर जस्ती
से छोड़ कर चले गये, किन्तु बेपटि. म. मे रहने के
वासे हमारा मिलवुन इच्छा नहीं है, बेपटि. म. के काची
कारो लोग केवल कार्यकारियों को उद्गुण कर के काम दिये
हैं, लेकिन हम लोग उन के साथ नहीं मिले हैं, इस लिये
आप लोगो से निवेदन करते हैं कि आप लोग लूथेरा न कु-
लिगारी काकर इस ईलाके मे हम लोगो को कोर हमारे
वरुनो को बेपटिस्टा के कर जाइये, लूथेरा न म. मे रहने
के वास्ते हमारा पूर्ण इच्छा, इस लिये लूथेरा न म.
वरुनो को मे काम करवा देता है आप लोग यदि नहीं

आयेगे तो ये कई गावों के लोगों का पाप का जीमेवारी
आप लोग दोगे या ईश्वर के सामने इसका मेरवा आप ही
लोग देंगे - उससे बच कर दो है - 1

आप लोगो का दिया करे सुना

गावे - जेलंगामाला

पोंका : दोस

जिले - सावलपुर

कोठीमा

कैसका जवाब जल्द से जल्द
दीजियेगा 1

उड़िया से टिप्पणी लगाया गया है।

आप लोगो का पत्रिका गरीबों का दस्तावेज (मह)

ଶ୍ରୀ: ଦିବାକରପୁରା ଗ୍ରାମ
 ଶ୍ରୀମ = କିନ୍ତୁ ପାଳୀ
 ଶ୍ରୀ: ଧ୍ୟା: ଧ୍ୟା
 ଶ୍ରୀମ ପଦ୍ମନାଭ (ବିଷ୍ଣୁ)
 ଶ୍ରୀ: ୧୦-୨-୧୫

[illegible][illegible]

শ্রীমদ্ভগবত

ଶହ ଚନ୍ଦନ କାଦି-ଲାଞ୍ଚନି କାହାଲି

वास्तविक कील = -11

କନ୍ୟା ବାଳ

))

पक्षिभक्षक - कालिकावाक

ଏ କାମ ପଞ୍ଜନା = କ୍ରିୟା ଶାସ୍ତ୍ର

୧ ପ୍ରାୟୋଗିକୃତ - ବନାବିତା

୧ ସ୍ୱାକ୍ଷରୀ ନିକାଶ - ନବୀନ

୮ ପୃଷ୍ଠା ନାମାବଳୀ - ଶ୍ରୀମନ୍ତ୍ରୀପାତ୍ର

১৭৭৭ খ্রিঃ ১১/১২ - ১৭৭৭ খ্রিঃ ১১/১২

୧୦ ଲୋକଙ୍କ ନାମ
୧୧ ପାଞ୍ଜିର ଲୋକ

॥ व'क्र'कादि

ସମ୍ପାଦକ

ଅନୁପ୍ରାସ = ଅନୁପ୍ରାସ

ଅନୁଷ୍ଠାନିକ

$\frac{1}{2} \times 2 = 1$

ସମସ୍ତଙ୍କୁ
ସମସ୍ତଙ୍କୁ = ସମସ୍ତଙ୍କୁ

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

୧୦. ପ୍ରାଚୀନ - ଦୁର୍ଲ୍ଲଭ

୧୫/୫/୧୭ - ଶେଷର ଲେଖନୀ

ଏଫ ଡିଏଚ୍ ସିନିଆଲ୍ = ଏଚ୍ ଡିଏଚ୍ ଲାଗି

୨୭ ଆକାଶନିକା = ୧୦୦୦୦

২ম বৃত্তান্ত-বাক্য

$\frac{1}{2} \text{ ବର୍ଷ } = 6 \text{ ମାସ}$

२४७८।९।१०-११, १२

८ कठबुद्धि कथं

1. திரை நெய் கொடுக்க

70127

१७।७ ठिकी।

ଦିନୀକରୁଣ୍ଡା।

ബ്രഹ്മം കർമ്മം

$$c_{11} = c_{22}$$

ନିଉ-ସ୍ପେନ୍ସ

ସେବା ବିଭାଗ

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga. M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No. 27/56

Dated the 12th. May 1956

35
Shri Bihari Lall Barik
Lahripur, P.O. Lakhmara,
Dist Sambalpur, Orissa.

Dear Sir,

This is to acknowledge receipt of your letter dated 28. 4.56 regarding the promises made by Rev. Khalkho. You say that you owe Rs. 70/- and you want this money to be paid by the Gossner Church.

You say that you have received Rs. 90/- in nine months. I don't know about this payment. The Church Council has not made any such promise. I am sorry we cannot undertake to pay you any money.

If you claim any money from the Church Council please let us have a copy of the promises made by the Church Council.

Yishusahay .

Yours Sincerely,

J. J. P. Tiga
President,

No. 28/56

Copy to :

Rev. Z. Khalkho,
Rajganagpur.

छात्रान्

महर्षि पुरजे

ता: २८-४-५६

कृपेवान् चर्च केनमिल ऐसी इह सास्त्र तथा
मेहेद्वी महाशय आप लोगों के हम चरणे की ओर
से शोभुमहाय ग्रहण होवे ।

आगे आप को मालूम होवे कि
जिस समय १८५४-को ५५ साल में कौरीसा सिनोड ऐसी
जे. ड. खालखो के साथ हम लोगों की लिखा पढ़ा हुई
उस समय खालखो पाद्री ने हमें कुछ स्वर्ण प्रतिमाएँ
देने के लिये वायदा किया था पर बहुत ही नहीं हो
सक (हमें नहीं मिला) पाया ९ नौ प्रतिमा से केवल
मुझ को ९० नबे रूपया मिला था इस के अलावा और
कुछ भी नहीं मिला - इसी ९० नबे रु: में ९ नौ प्रतिमा
तक स्वर्ण पलाने के लिये प्रतिमा कट्ट इका, फिर भी इधर
उधर से रूपया कर्ज करके गोमना लैखान चर्च की ओर
से कुछ और तकमिक उठा के काम करते थे, खालखो पाद्री
ने यह भी किन्ही कहा था कि तुम्हारा कर्जको हम लोग
मर देने के लिये आवश्यक सहायता करेंगे, बहुत ही नहीं
और पाद्री खालखो के पास में ने कई चिठ्ठी लिख भेजा
है कि मेरे ऊपर कुछ रीज है, थोड़ा सहायता करिये
पर रुक भी चिठ्ठी व्य उता उन्होंने नहीं दिया
वर्तमान हम लोग ६० सत्तर रूपया की रीज है,
कुछ भी तो सहायता करना चाहिये था हमारे यहाँ
के कई गावों के लोग इन बातों को जानते हैं । हम लोग

ये जगत् खाने वाले होते हैं। आप इज्जत से मैं शिन्ती
यो प्रार्थना करता हूँ कि आप लोग यदि मुझे कुछ सहाय-
ता करते तो मैं बहुत ही धन्यवादी आप लोगों से।
लिखना तो बहुत है, पर आप कति समय दार में
हैं - मैं जोइन्ट मिशन बोर्ड को मैं धन्यवाद देता हूँ कि
उन्होंने कुछ महिना तक मेरी सहायता की।

मुझे कदाशा और विश्वास है कि आप
लोग मेरी इस प्रार्थना पर अवश्य ध्यान देंगे इससे मैं
मैं अपना पता भी दे रहा हूँ, जो कुछ मैं आपसे मेरी
सहायता करूँगे मैं आप लोगों से धन्यवादी हूँ।
मैं रास्ता देख रहा हूँ। इन दिनों मैं खूब नया
गांव में रहता हूँ। यीशुसहाय,

आप लोगों को

विद्यार्थी लाल बानर्जी

साकिन: लहड़ी पुर

पो: आ: लखमरा

जिला-सम्बलपुर

(ओइसा)

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga. M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No. 1416-17/56

Dated the 26th April 1956

The Revd Z. Khalkho, Synod President

The Rev. J. Durin, Secy. Orissa Mission

Dear fellow-pastor,

I have received your report of the Orissa Ministerium meeting held on 10.4.56 at Purnapauri. I am very happy to know that the trouble ended right there and I thank God for His blessings to your work. May He continue to be with your Synod with His Holy Spirit to guide you and His Son to give you the Heavenly light.

Yours Sincerely
J. J. P. Tiga
President

Private Letter

35

Chughan

8/6/56

To

The President, I.C.C. Church,

Chotanagpur and Assam

प्रतिश्रुति,

आप की 3-5-56 की चिट्ठी मिली, धन्यवाद। आप को कहना सच है - मैं कटुपान्थी पाद्री स्वरिण्डान डुंगडुंग को लिख चुका हूँ कि वह छोड़कर न आवे उसको चार्ज नहीं दूंगा। कारशा मेरी बदली ओडिशा लिनोद ने ए.ए. के पढ़ने ही ओडिशा के भर्कर कर दिया है तथा यह ओडिशा ही का पाद्री आवेगा।

मैं लक्ष्मी इसमें गलती किया हूँ तो आप से माफ़ी चाहता हूँ।

कि-वू महाशय,

मैं आप से भी अपनी पुर्बक कहव बताती हूँ कि मेरी

From

Sy. Madhupur

G. E. L. Church,
Madhupur, Bamra P.O.,
Sambalpur Dist.

Cand. Renuchi

35

21st Feb. 1956

To, The President G. E. L. Church
in Chotanagpur & Assam, Renuchi.

Sir,

With due respect and
humble submission I beg to state
that, I lay the following things
under your kind and favourable
consideration.

I That as I have been left
unpaid of my salary for 9 months
up to this date so, I found myself
very difficult to support my family.

II That want of finances I could not
pay up the dues of the school fees
as well as the boarding fees of my three
children.

III That I have borrowed the sum
of Rs 35/- i.e. five for the pastor-
class and T. A. in the hope of getting
my pay here at Renuchi.

I beg. humbly therefore, that
you will be very kind enough to
consider the overmentioned case
for, which act, of blindness, I
shall be ^{ever} thankful to you.

I remain
Your ^{Sir} most obediently,
Rev J. Topno Madhupur

श्री युक्त महामन्त्रपर

जेरोसेन्ट साहिब गिरेस्तान रूपंजे
लेकल लयेरन वर्च दोटानानपुर और भासाम-रांकी।

महाशय -

जेरोसेन्ट साहिब आप ओ हम बामड़ा मिथन जिला के प्रकारकों
औ ओर से आयुसहाय।
महाशय - आप से पत्र निवेदन यही है कि हमों की दाशा अति सोचनीय है।
जीवन निर्वाह के लिये १९२५-२६ केवल (५) महिलाओं का तनखा मिला है। और
(७) महिलाओं का नहीं। महाशय - जायनाही कि आर्थिक जीविका ठीक नहीं के
वलह हम लोग केवल थरार और चिन्ता में रहते हैं। ऐसी ही तनखा नहीं
मिलने से भागे भाग नहीं कर सकेंगे। क्योंकि इतने जठर में पड़े हैं कि
सह्य से भी बाहर है। उधारे पैचामे भी दब गये हैं। बामड़ा में गिरेस्तान
होने की आशा है संसार लोगों में। परन्तु हम लोग अठिनाई के वलह
दूर दूर गांव नहीं पहुँच सकते हैं। जिस जगह गिरेस्तान हुए हैं वहां
भी नीके से बचन नहीं सिखा सकते हैं। अतः कि दिन भर दूसरों
की भूली जाते हैं। आप ओ सादर जानते हैं। कि ऐसी ही कितने सारों
का तलब बाकी है। जैसे -

१९२१-२२ में ५ महिलाओं का

१९२२ " ३ " "

१९२३ " ३ " "

हमें वर्च अफिसारों से आशा दी गई है कि १९२५ साल का तलब
सब दिया जाएगा किन्तु देखते हैं, कि अब तक हमें सब तलब १९२५
का नहीं मिला है।

इस लिये साबिनय हमारा आवेदन है कि उपरोक्त बाकी तलब अहां
तक हो सके हमें पुरान्त दिया जाए। ताकि हम अपने कामों में उत्तेजित
हो सकें, आदि दे हुजुर शालिक है।

आप के आज्ञा धर्म दास,

Forwarded to the
President C.C. for kind
Consideration
Rev. J. J. Mayo
Madhavpur
10-2-26

प्र: उमरुसहाय डांग सेगापरा
" विमोत्र डांग रंगपाली
" मन्नाहम डांग भुरमुली
" जुनास अन्तुलना गोमधुसा
" इथाइले पुगुन भुलपाल

Ghaghar Bartoli
23/5/58

Honourable
President
G. E. L. Church
Ranchi

35

आदर नित्य तिगा साहब को जय सहाय ।
जै है ; कि यहां के मण्डली में जनवत चल रही है ; पेरिश पाड़ी
थरसा पूर्ण है । बदली होने वाला है । परसिनोड हुकूम न देने तक वह
ठहर गया है । सिनोड सभा 30-4-58 को होगी ।
इस के बीच पाड़ी पर कई दोष दाग लगाया जा रहा है ।
यहां का प्रवीन मण्डली में पाड़ी कर पाड़ी के दोषी दूर बनाने की कोशिश
में है । पर यह सब इलजाम व्यर्थ है । कर्मचारियों को तो कौंसिल, जो
नियमावली के अधीनस्त रह के काम करना जो दिन व्यतीत करना है ।
यदि किसी को कोई दोष देवे, तो सबूती दे कर करे । नहीं तो सब -
बेकार है । ~~(मैं नहीं जानता कि आप क्या कहेंगे, मैं नहीं जानता कि आप क्या कहेंगे)~~
~~दे मैं नहीं जानता कि आप क्या कहेंगे, मैं नहीं जानता कि आप क्या कहेंगे~~ । आइन्के आप मालिक हैं ।

आप की सेवामें ।

M. D. Singh 23/5/58

President,
JHARKHAND PARTY
Dist. Sundergarh,
(ORISSA)

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiba. M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
BANCHI BIHAR INDIA.

Ref No... 1387/56

Dated the 25th April 1956

Rev. S. M. Bage,
G. E. L. Church, Raigangpur

Dear Rev. Bage, I am sending to you a petition from some brethren of Phansa Kani. I request you to kindly settle the matter with them as early as possible and to report to me about the situation. If the Synod President has done anything, I should like to know about that also both from you and from the Synod President.

With all good wishes,

Yours sincerely

J. J. P. Tiba
President

Copy to:

1388/56

Rev. Z. Khallikho
Synod President
for information and
a request to report on the subject.

Rev. C. C. Minz

Ilaka Chairman

G. E. L. CHURCH, RATOBIRKERA

P. O. Panposh

Dist Sundargarh

Ref. 64/56

Dated 24/1/56

[Handwritten signature]

10

The President G. E. L. Church Ranchi.

Sir,

लिखते का कबरा यह है कि -

I. राउलकैला में करखना होने को करवा उस मास पास के गांव को सरकार उठा दे रहा है। वहां हमारे मित्र के दो गांव मर्याद दो मराड़लीयां रिवलकुल उठने पर है। पुराना पानी रुक बड़ी मराड़ली है। पुराना पानी तुरत उठाने पर है। पहिले पुराना पानी मराड़ली में मित्र दता के लिखे जगाह छोड़ दिई गयी थी। मीर नरुण में भी मित्र दता का नाम ना पर मयसेव के साथ कहता है रहा है कि जब मित्र दता का जगाह उठा दिया गया। यह उक्त कि कबरस्थान भी के लिखे जगाह बहुत दूरा मिला है। मीर गिरजा धर को नाम कर उस को पास देने पर है। सो माप से मर्जी के साथ में लिखता हूँ कि माप तुरत माफर मीरसरा के साथ मिला कर कात कोजिये। P. B. Ramdulla मीर Giranutta सहेब मयसेव पर उन के जाने के बाद गिरजा धर को उठाने लिखे बोल रहे हैं। सो यही समय है कि मित्र मित्र दता के लिखे कोजियस करता। जब गिरजा धर वहां से उठ गया तब मित्र दता के लिखे पढ़ी करते से भी कुछ काम ना नही होगा। सो मीर मर्जी के साथ में कहता हूँ कि माप तुरत राउलकैला माफर मित्र दता का उचित बखोबस करने को बुझा करे।

II. मिशन क्षेत्र के प्रचारकों तलाप नहीं मिलने के कारण प्रचारगारा काम छोड़ देने पर है। जइकुहार बलाके मित्र क्षेत्र प्रचारकों का तलाप कुछ भी नहीं मिला है। वे इतना परवरत के चुके हैं मैं माप के पास गेले पर हूँ। सो मर्जी के साथ में माप को कहता हूँ कि माप नुवा कर उचित बखोबस कोजिये कि प्रचारगारा अपने तलाप पा सके।
H. T. A.

File
H/4/1

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

NO. 4384-4472/55.

Ranchi (Bihar) India.

The 13th December, 1955.

From President Rev. J.J.P. Tiga, M.A., B.D., M.S.T.,

To

All the Pastors of the G.E.L. Church in
Chotanagpur and Assam.

Mere pyare Sangi Padriyon ko mera Yishusahay aur Shubhkamna mile.

Main ap logon se nimin baton ki arji karta hun. Kripa karke
aisa bhejiye ki main unhen 5 January, 1956 ke pahile paun.

1954

I. Dec: se 1955 November tak-

- (a) Kitni bar ap ki Synod sabha baithi ?
- (b) Kitni bar ap ki Illaka sabha huwi ?
- (c) Kinni bar ap ki Parish sabha huwi ?
- (d) Ap ki jama kitna talab in 12 mahinon men mila?
Ausat mahina kitna huwa?

II. 1954 December se 1955 November men ap ne kitna updesh diya?

- (a) Girja men ?
- (b) Samajon men ?
- (c) Unmen kitna Updeshlikha huwa hain ?

III. Kya ap ke yanhan koi aisi Mandli ya gaon ya anek gharon
ke samuh hain jinko snan, drirhikaran, prabhubhoj, sadi ityadi
band hai ?
Yadi aisa hai to kanhan aur kyon aison ko sudharne ka kya
upay kar rahe hain ?

IV. Kya aise log hain jinhen rupaiya ityadi bharne ki saja di
gayi hai ? Yadi hai to
(a) Saja ka karan kya hai ?
(b) Kaisi saja hai ?
(c) Kisne saja di ?
(d) Sudharne ki kya upay kiye gaye hain ?

V. Ap ko February, 1956 ke Pastors' Retreat men kya sikhne ki
ichha hai ? Ap kin kin baton par Ministerium ki aguwai ya
sallah mangte hain ?

Note:- Jo sawal ap ke sath sambandh nahin rakhte hain unhen
chhor dijiye.

B.L.13/12/55.

J.J.P. Tiga
President,
G.E.L. Church, Ranchi.

Goswami Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

NO. 4384-4472/55
From President Rev. J. J. P. Ziga, M.A., B.D., M.S.T.,
Ranchi (Bihar) India.
The 13th December, 1955.

To
The Pastor of the G.E.L. Church in
Chotanagpur and Assam.

Dear Sir,
I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.
I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.
I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.
I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.
I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.
I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.
I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.
I am writing to you regarding the matter of the
Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

No. 4384-4472/55.

Rev. J. J. P. Ziga.
President.
Ranchi.

Rev. J. J. P. ZIGA.
President, G. E. L. Church,
Ranchi, Bihar, India.

Parish Chairman, Rev. N. Kullu

G. E. L. CHURCH

BIRMITRAPUR P. O.

DIST. SUNDERGARH.

Ref. No.

Dated the 27th Dec. 1955-

To

The President.
G. E. L. Church.
Ranchi

महोदय,

मैं आप को चिट्ठी नं. 13.12.55. नं. 4384-4472/55-

का जवाब नीचे देता हूँ :—

- I (a) सितोद समा दो बार हुई।
(b) इलाका समा तीन बार हुई।
(c) पेरिस समा सात बार हुई।
(d) Sec. 54—Nov. 55 तक का पूरा पूरा तलम मिला।

II कितना उपदेश दिया उसका हिसाब नहीं रखा है।

(e) मेरे पास लिखित उपदेश दस हैं।

III मेरे पेरिस के अन्दर कोई ऐसी मण्डली या गांव या जन समूह नहीं है जिन के लिये स्नान, दृष्टावन, प्रभुमार्ग, शादी आदि बन्द हैं।

IV हैं :—

(a) (b) अग्रिम-चार पास के कार्य।

(ख) एक परिवार ने कलिंगा को दिया उक्त खेत का दान वापस लिया।

(b) छोटी सजा

(c) मैंने सजा दी।

(d) उनको समझाया दिया जाता है कि वे अपनी गलती को सुधारने और पुनरुद्धार के लिये शक्ति खोलें।

P. T. O.

Dated the 25th Dec 1955

V 1956 February में Pastors Retreat में निम्न
विषयों की मसुदा ~~ministerium~~ ~~की~~ ~~मुसदा~~
से-चाहता हूँ : —

- (a) छोटी सजा पाये हुए जन अपनी छोटी सजा को
नहीं मानते हैं तो उन को क्या करें ?
(b) जो अपने पाप को मानते हुए भी उस को छोड़ने
नहीं चाहते हैं, पर पुनरावृत्ति चाहते हैं - उन
के विषय क्या उपाय हैं ?
(c) पाप को दिये हुक्का दण्ड उठाना नहीं चाहते
हैं और पुनरावृत्ति चाहते हैं उन के पुनरावृत्ति
को क्या रस्ता है ?

Rev. M. K. Kullu

Rev. C. C. Minz
Haka Chairman

G. E. L. CHURCH, RATOBIRKERA
P. O. Panposh
Dist Sundargarh

Ref. 105/55.

Dated 26/1/55

To The President Rev. J. J. P. Tiga Ranchi.

Sir,

I received your letter No. 4384-4477/55 Dated 13th Dec 1955
But Sorry I was in tour so I could not reply soon. So
kindly Excuse me.

- I
- a. Vithni bar ap vi Synod Sabha baithe?
 - b. Vithni bar ap vi Haka Sabha hui? — 4 Bar hui.
 - c. Vithni bar ap vi Parish Sabha hui? — 12 Bar hui.
 - d. ap vi Jama Vithni talab in 12 mahinon me mila? — 594/-
Jama Rs. 594/- mila.

Ausat mahina Vithni huwa? — Rubiya me bara/17.

- II. 1954 December se 1955 November me apne Vithni updesk diya — 60 updesk
- (a) - Gita men? 44 updesk.
 - (b) - Samajon men? 13 - "
 - (c) - unon Vithni updesk likha huwa hai? 44 updesk.

III. Kya ap ke gaanhan nei aisi Mandli ya gaon ya aul gharon
me Samah hain jinke Saman, Anihikaran, Prabhut, Sadi
ilgadi band hai? — Nahi hai

IV. — Nahi hai.

V. February 1955 ke Pastors' Retreat me - nimon bisayan no
Sikhni me icha hai.

I O. N. - सत्य संप्रदाय, Dr. I. - सत्य संप्रदाय

II. Dogma - Eschatology

III. History - मृत्यु, जन्म, खलस, मरि जलिये के इलाके

your faithful.

Rev.

C. C. Minz
26/1/55

Drad Papers-Meeting of April 26+28, 1924.

STATE

- Opening Bal.
1. Advisory Board
" "
2. Missionaries'

1. Advisory Board.
2. Missionaries' Expenses.

Total Credit
Total Debit

Total Credit Balance carr. for. 1

BALANCES BY ACCOUNTS.

1. Advisory Board, Credit.....Rs.
2. Missionaries' Expenditures, Credit Bal. Rs.
Total Credit Balance carr. for. Rs.

TRUSTEES' ACCOUNTS.

Opening Credit Balance.....Rs. 456
Receipts.....Rs. 501-
Rs. 956.

Total Receipts.....Rs. 956-
Total Expenditures.....Rs. 580-
Credit Balance carr. for.....Rs. 377--5-

NETT EXPENSES UNDER MISSIONARIES' EXPENSE ACCOUNT, 1923.

Items.	11 months	12th month (estimated).	Total
Debit balance.	2230-12-4		2230-12-4
1. Upkeep of Outfit.	4521--3--0	400-0-0	4921--3-0
2. Teuring.	132--3--9	20-0-0	152--3-9
3. Hill Allowance.	600--0--0		600--0-0
4. Other Travel.	162--1--6		162--1-6
5. Stationery.	206--4--6	5-0-0	211--4-6
6. Postage & Telegrams.	195-13--6	15-0-0	210-13-6
7. Munshi.	101--8--0	5-0-0	106--8-0
8. Writer.	150--8--0	14-8-0	165--0-0
9. Medical Attendance.	191--0--0		191--0-0
10. Rent.	991--0--0	300-0-0	1291--0-0
11. Miscell. & Unforeseen.	24--8--6	5-0-0	29--8-6
	Total		
	9506-15--1	764-8-0	10271--7-1
Deduct refund on			
Missy's salaries.	1302--6--0	261-7-0	1563-13-0
Nett Expenses.	8204--9--1	503-1-0	8707-10-1
Missy's Salaries.	6878--7--2	524-0-0	7402--7-2
		785-7-0	7663-14-2
Nett Expenses.	15083--0--3	1027-1-0	16110--1-3
		1288-8-0	16371-8-3

1. Receipts, 11 months.....16709-3-6.
2. Actual Expenses, 11 mos.15083-0-3

Credit Bal. 1626-3-3

Ranchi.

The 24th Oct 1923.

Sriman Sriyukt manyave padri J. Annaday Sahai,
Mahashay, ap ko main bahut namashkar jana tahnun.

Ap ko kaiek leaton ki sagyat karane ki
meri khahis hai; So anugrah kar ke dheyan se janch
lijeyega:-

(1). Purulia ki bat:-

(A). Purulia ke mandli ke bhairyon ki, O meri
bhi ariji ap se jo trustee aur advisory board ke Secretary
hain. ki kaiek Chizon ko mandli ke andani ke liye
dan dijiye; O dono boardon ko ariji kijiye ki mile.
Jaise "Lah lagane ka drakhton ko; O do chhota pokhra
ja talahi hain; O don kheton ko jo Purulia hata ke khetar
O lihas bhi hai,

(B). Jo takrar trustee board o Malaki
lihas ke leich men hoti hai Is karun paisa bhi bahut
karcha ho rahi hai; Panch phaisala karne se
nahin launega;? ki Malaki lihas jo talahi, O
khet ko Purulia mandli ke rahne hore dechi

padri ke jiwika ke liye de diya hai, us ko; Is
 wakhat mein mera hai, kyon kahata hai? bhala "isak
 jamin par thuke aur phir Chatlewe". kaisi athoni
 hat hai, jo dan us ne diya us ko kyon kar kahata
 hai, mera hai? So meri ari hai, ki yah hat fauchon
 se ek har ^{Bechar} kiya jaye; jiste donong ka paisa kharch
 hona hach jaiqa.

(C). Jo Sukha lakri tha; us ko padri lachon ne 15
 rupaya mein nilam kiya. tha; us ko abhi Agent Sahale
 hal mein 10 rupaya se nilam kiya hai. "isak nilam
 rad kiya gaya hai", kahke dusri har nilam karti
 hai, Han! nilam to kiya, lekin ketne logon ko buli ke
 kiya hai; So thuk se faucha jaye; kewal Anand Masih
 Chandhri lachon to; leke kewal dan k holwaya; aur
 kesi to nahin; Is se bhari log kahut aprashann hain;
 Anand Masih Chandhri lachon jo hai So; C.M.S. tarph ghuk
 gaya hai. aur kabhi apne mata mandli mein girja
 nahin jata hai, kaiek harson se; usi ko aplek Sahale
 thika mein deta hai. aur kesi ko buchh nahin puchhata
 na, deta hai, aur jo jo hat wah kahata hai usi ko

Sunta hai, Shik marāmat lēi nahin karātā hai;
 Agent Sāhal ko Lāzīm hai, ki wahān ke kai ek mukh
 mukh bhāiyon ko hula ke karrai kartā, kuchh jātā
 se lēi kām nahin kartā hai. Jis se ham logon kā bahut
 Chiz nāsh ho rahā hai; jaisē Bīchanā gāwsan ke
 Sarmatoly kā khet ādi kē paidāies. wah kewal mahina
 din kē karār likhwa ke ab tak kuchh karrai nahin
 kiya hai; jis se Barnālias Tīru kā mau mōta ho gaya.
 Darfonk lēi hai; jis se mugh ko aisā mālūm partā hai;
 ki wah hēthak Trustee aur ~~Advisory~~ Advisery hoasā kē
 paisa khā rahā hai; us se achēhā kām hamārē
 Christian bhāi log 75. ya 80 rupayā mēn kartē.

Is liā hamārē pādri liāber report kiya
 āp kē pās; tāk āp nē us kō hukam diye, tō wah wahān
 nā jā kē ~~Shāh~~ Sugdā tarf ho gaya. Kyā jāne ab tak gaya
 kī nahin, main nahin jānta hūn, nā Sunā hūn.

Ap us se hosyār hojeye; āp se bahut Chāl
 kartā hai, Ek Sausārik admi Christians kē jājāt kē
 kitnā Chintā karēgā. Is liēt kō āp apnē mau mēn
 liēhē kijeye kī kyā karuā hogā. Ham log lēi us

ke kām se koi prashna nahin hai. Agar koi anuचित
hāt ap ke leichār se main likhā hun, to mugh agyani
manush par anugrah kar ke misph kijeye.

(2) Mere man men German prohibition ke phir āne
ke leshay, bahut Sandeh huwā hai; ki Kyā jame hamāre
Angrej Sarkār leshādūr āmedgā ki nahin, So ap ko
ari kartā hun ki Hamāre Saugi leishwāsī "American"
lehāiyon ko, School o Pihār ko Chalāne o Samlehalne ke
liye; Nēwedan patr hār hār likh lehiye; ki Ham
agyanī logon ki Sudhilewe. Jaisē Hamon ne Hamāre
Angrej Sarkār leshādūr ko likh kar ari kiya, ki
ham "Lutherian" logon ko Hamāre Saugi leishwāsī
American lehāiyon ke hālā men Somf dije; Ham kisi
Duore mandli ke Sālā mil jāne nahin Chahte hain,
no ne hamāre ari ke motāleic hamāre Saugi leish-
wāsī American lehāiyon ke Hālā men Somfā.

Aha! yah Kyā hi anand aur dhanyādhā
hamāre trānkartā "yeshu" ko hamān karnā nehit
hai,

3 (3) High English School men American Lutheran

Professor Howe. Dusre matawalamui wale harek hat men, Sudristant hamare tarke larkiyon ke liye nahin ho rahe hain.

(4) :- Trustee aur Advisery board se arji karte hain, ki Church Council ke Secretary "P. Murad" ke liye Ghar, krifa kar ke jitna jaldi leane leando. least kiya jaye.

Ap ka Bishwasit Sewak

Her. S. K. S. K.

(5). Govindpure ke u.P larkiyon ke School ka Head-master Mansidh Horo kyon badli nahin kiya jata hai? wah ek behari Utkar ka Karu huwa hai, Is liye aek mukh mukh log aur M.E. School ke master aur pandit log, dono jati ke, aur dusre dusre behari log bhi arji karte hain ki wah Govindpure se dusre jagah men badli kiya jay. us ke wahan se badli hone se aek bolmal mit jayga karte hain. So ap se arji hai ki ap hat na karhai jaye kewal badli ka hukam diya jaye. jiste dhaki huwi parda dhaka hi rahe.

Gul karne se Sale parda hat jayga;
wah ek ahan kar ki hat mugh se hole ki "Ap mere
leshay men kya? ek sajjan jan ke pas hole main
us ka koi prawah nahin karla hun."

aisi hat koi school ke master mugh ko nahin
hole hain aj tak. Sale ka ladli kiye aur is ka
nahin kiye isi liye wah aisi ahan kar ki hole
holte hai. main use haraj nahin huwa hun
paranto sajjan aur sagyani bhaiyon ke likkar ke
karu us ko ladli karne ka arji karla hun.

Jadi ap us ke bhiton ka hat janne mangle
hain to main batane ko taiyar hun.

(6). M.E. school ke Head master logon ke leshay main kuchh
kaha Chahla hun. jaise ki ^{Mr} K.K. Beshwas ka, us ke gol-
mal Govindpore men bhi huwa. aur Sachchi bhi Uci abhi
Gakoma men bhi golmal huwa hai, wah bhi Sachchi
hai. main arji karla hun ki aise padeshi "unmarried"
masteron ko Chutti dena Chahiye, Aise baton ko hamare
Christian bhai log mugh se kalli in kalli in baton ko hole
hain ki "Ap log hamare tarkiyon ke liye aise etc (Bull)

"Sareh master ko rakhte hain, jis se ham logon ka izzat
 Chala jata hai. Aise katon ko sun ne se main lag se chur
 ho jata hun. Ab to hamare larkon men se karek (gu B.A.
 Pass de kar aye hain unko kam dena Chahiye aur kuraat
 hukam dena Chahiye ki shadi kare. aur apne mandli
 men apne bhai kahino ke madh men kam kare,
 master log Advisery board ke malik par hain is liye ham
 logon ko kuchh nahin saughte hain, karek master log ap
 logon ke pass likhe hue ki "Hamlog Church Council ko nahin
 manegen" So yad kijiye. main koi hat ko dekh kahue
 hara nahin hun. Jaha sun sun ke chhok gaya hun
 tale main ap ko janata hun. aur yah arji karta hun
 ki Sab jagah ke masteron ko Advisery board ke ose
 Church Council ko man ne ki aumati diya jay. Jiste
 n ke man men yah karna" ki Ham kewal Advisery
 board ke adhin hain" nikal jaye.

Fulla Karna

Govindpur

7/4/22

Rev. and Dear Sir,

I wish to thank you for sending us the Doctor, Mr. ~~Stor~~ to help us. But his coming here brought us no peace. He could not discover the reason of my son's illness. He said he was all right. As soon as the Doctor left Govindpur my son was attacked with a terrible fever and we discovered to our great surprise that there was an enlargement of spleen in the stomach which the Doctor could not feel and

POST

INDIA



WRITING SPACE

on account of which ~~the~~
fever does not leave him.
To-day his condition is
worse than before.
All others are better.

With best regards
Yours very faithfully
J. Lopho
Heatmasts.

THE ANNEXED CARD IS INTENDED
FOR THE ANSWER.



Rev. J. Caniadae
Lutheran Church
Lutheran Compound
Ranche.

Ranchi, 18/2/24.

Dear Mr. Roy,

By Daud Babu I am sending you the last number of the IRM; also two or three letters--one for yourself and two for HS boys; also some money for these boys. All these were given me in Karimatti Station by the parents of the boys.

Also, enclosed please find a petition from Wm. Lakra to the EE AB through the CC. Kindly advise me on this and oblige. I assume that the AB will grant this petition, whatever it may do in regard to the others.

Yours sincerely,

A handwritten signature in dark ink, appearing to be a stylized 'H' or 'J' with a flourish.

RANCHI, 1/4/24.

Mr. P. Hurad,
Pilgerhaus,
Ranchi.

Dear Mr. Hurad,

Many thanks for your letter of the 31st March and for the return of the copies of Adv. Board and Trustees' minutes; also for the copy of the General Conference programme. I note the other points--concerning Mr. Koenig's request, Govindpur land rent, etc., for which thanks.

Yours sincerely,

A handwritten signature in dark ink, consisting of a stylized 'J' followed by a cursive flourish.

Ranchi.

31 March 1924.

The Rev. I. Cannaday, M.A.
Lutheran Compound.
Ranchi.

Dear Sir,

I beg to acknowledge receipt, with thanks, of your kind letter of the 28th. and beg to say as follows:-

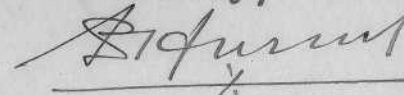
1. Purulia Land Acquisition.- I shall lay this matter before the Council soon this week.

2. Mr. Koenig's request.- This too we shall take up in the meeting of the Council and also consult other pastors during the Conference if a suitable worker can be got for Mr. Koenig.

3. Govindpur rent. The Tehsildar saw me this morning. I told him all what we had talked on the subject. He said, however, he would give you the details you wanted from him.

4. Trustees' Minutes.- The Minutes for Sept. and Decr. 1923, kindly given to me for reference are returned herewith with many thanks.

Yours sincerely,


A. J. Furness

P.S.- I also beg to enclose a copy of the Conference Programme for perusal and reference.



No. 2

માન-ને - માણાદીન.
સુલ-અ-પરિ-ને - નવ.

L. Barla
26/12/23
Montemurlo Reno
Balturum
monte alen 3151 -
Isahak Neuron
neer-mg 2100 207

১৯৭৭ সালের ১২/১২/২৩
 জাহানগীর আলী
 ১৯৭৭ সালের ১২/১২/২৩
 জাহানগীর আলী - মাদ্রাসা - ফরিদা

B. Aind
 26/12/23
 Johansson

Ranchi, 17/3/24.

Mr. P. Hurad,
Ranchi.

Dear Mr. Hurad,

There are two or three matters which I would like to lay before you for kind consideration, as follows:- ^{the}

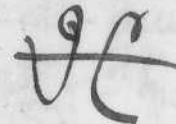
1. Enclosed petition from Miss Aphrodita Toppo. The Principal of GBS, Ranchi, requests me to return this to you on the ground that such applications may be made directly to her and they will be duly considered. It appears that a suitable post was offered to this young lady once and she refused it without any good reason, so far as could be seen.

2. May I ask for the return of the Trustees' minutes and some other documents submitted to you after our last Board meetings. I think these have not been returned as yet.

3. College scholarships. Action of the Church Council. I am sure the Board will give it very sympathetic consideration. I, personally, am not at all in favour of abolishing the scholarships if they can ~~be~~ possibly be given. But I would like to call attention to the Board's ~~xx~~ resolution on the subject (Minutes of meeting of December, 1923, page 2, 9(3)). I find no reference to the Board's request in the CC minutes. I think the Board will not agree to the Council's request without this information before it. I request you to see that the information is laid before the Board at its next meeting.

With kind regards, I remain,

Yours sincerely,



Govindpur.
P.O. Jariagarh.
17. 12. '23.

The Rev. John E. Graefe.
Luthergiri.
Rajahmundry.

My Dear Sir,

Your kind letter of the 12th. duly to hand, for which thanks. I am forwarding the same to Mr. Cannaday who, I hope, will be good enough to help us by getting some one to write on the subjects you suggest. As the Board is the medium of our communication with other missions or churches, unless such are of a personal character, I feel, I should refer your letter in the first instance to him.

With kind regards,

Yours sincerely,

*Copy to Rev. J. Cannaday.
Ranchi.*

Signature
Repld to Jt 26/12/23. "More delay"
JH

American Evangelical Lutheran Mission.

Rev. JOHN E. GRAEFE.
Lutheran Theological Seminary.

Luthergiri,
RAJAHMUNDRY,
Godavari District.
Dec. /2~~1~~, 1923

Mr. Peter Hurad,
Govindapur, Ranchi Dist.

Dear Mr. Hurad:

One of the interesting things which Mr. Cannaday brought before our Council was the need of a Lutheran Church in Calcutta. ~~For~~ the message which he brought evidently there are many Lutherans in Calcutta without any church of their particular liking to attend. Could you get someone to write us a paper on the subject "The Need of a Lutheran Church in Calcutta."---Also "Cooperation of Lutheran Missions needed to care for Lutherans migrating to Large Industrial Centers."? I should be very glad if you could arrange such a paper---either having some Lutheran in Calcutta write it--or some one locally.

Yours gratefully,

J. E. Graefe

December

Please let me know of any clerical expenses which you may incur in connection with writing for The Gospel Witness--or postage. I shall gladly pay all such bills.

Ranchi, 7/1/24.

Dear Mr. Hodge,

Many thanks for yours of the 3rd, enclosing the corrected minutes of our recent Advisory Board meeting. I note that you added a resolution of appreciation of the work of the Spanglers and thank you for putting it in.

We are very sorry to hear that you have been laid up with fever. Hope you didn't get the germs in our house! Hope also that you are now up and about. Mrs. Cannaday had to give up her trip to Patna because of certain events here--the coming of guests, opening of Girls' School, etc. Mr. Strock is here now. I'll be glad to show the enclosed appeal from Germany to the "Bhai Log" as you suggest.

Kind regards and best wishes.

Yours sincerely,

Schubert

JS

RANCHI, 26/12/23.

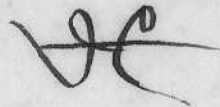
Dear Mr. Hodge,

Hope you both had a good day yesterday. Ours was quiet, but very nice.

Enclosed please find my first draft of the minutes of the recent AB meeting. Will you be good enough to do the needful, please. Kindly change the date of the next meeting, if you prefer some other. I have sent the Trustees minutes to Mr. Dixon, but have had no reply from him, so I cannot say what his preference is as to the date of the next meeting of the Trustees.

We may go to Jamshedpur to-morrow. Kind regards.

Yours sincerely,

A handwritten signature in dark ink, consisting of a stylized 'V' or 'W' shape followed by a horizontal line and a small loop.

RANCHI, BIHAR, INDIA,
December 26, 1923.

Rev. C. K. Lippard, D. D.,
American Lutheran Mission,
Kobe, Japan.

Dear Dr. Lippard,

Gossner

Greetings from the Autonomous Lutheran Church!

Enclosed please find a draft for Yen 138, Sen 56. This is the amount which the girls' school here under Mrs. Cannaday, the Light Brigades under Mrs. Spangler and the Gossner High School under Mr. Roy have collected for our Lutheran brethren in Japan who have suffered from the great earthquake. Our people were enthusiastic about it! Rs. 144/ were raised by a Sale which the girls' school had. X The rest was voluntarily contributed. The total amount raised in rupees was 212/. I do not happen to be acquainted with you, but I know Mr. Stirewalt, Dr. Miller and some others. I shall be glad if you will tell Mr. Stirewalt about this gift. I cannot write to him, as I do not know his address. Your place seems to be intact, and I hope you will receive this letter all right and have no difficulty in getting the draft cashed. Kindly acknowledge receipt and greatly oblige.

With our sympathy and love for fellow believers in Japan and our best wishes for continued success in your work, I remain,

Yours sincerely,

** Rs 44/ were given by a "manned" man
at the High School.*

Estimate for a Community Middle School.

1, Hostel accommodation	
2, Teacher's quarters	
3, Land	
4, One large Well and deepening of present wells	Rs 1500-
5, 3 pairs of axes	Rs 500-
6, Barns & Store rooms (?)	
7, Silo Pit (?)	

EQUIPMENT.

1, 2 Plows	Rs 30-
2, 2 Harrows	Rs 65-
3, Hand cultivators	Rs 60-
4, Other tools	Rs 30-
5, Equipments for various trades, Weaving & Tailoring	Rs 75-
6, School equipment (Maps, Black-boards, Mats etc.	Rs
7, Boarding house equipment	

Total Rs 2260-

Ranchi, 1/1/24.

Dear Mr. Hurad,

Happy New Year!

The enclosed letter from Mr. Archibald is self-explanatory. Will you be good enough, please, to read it over and return it to me for files. Also, please bring the matter before the CC for its opinion, after which I shall send Mr. Archibald final word. Thanks.

What about your going to Calcutta to see the Lutherans? I am sorry the matter was overlooked in the meeting. Mr. Graefe has written me about the article.

With kind regards, I remain,

Yours sincerely,

P. S. I suppose the Co-op. Soc. receipt will come in due season.

Govindpur.
P.O. Jariagarh.
5 Jany. 1923.

The Rev. I. Cannaday, M.A.
Lutheran Compound.
R a n c h i.

Rev. and Dear Sir,

Your kind letter of the 1st, enclosing one from Mr. Archibald to hand for which many thanks. I have taken extract copy of Mr. Archibald's letter-portions which need the Council's attention. The letter is returned with thanks. Mr. Archibald is very clear when he says that -: as a missionary I represent no party at all, but that I am simply out to make an evangelistic appeal in the name of Christ. In the circumstance, I don't think the CC will have any objection to his visit here, rather we shall welcome him. I shall, however, bring this ~~matter~~ matter before the Council next week.

About going to Calcutta-I have to go to Puri at the end of this ~~month~~ month. On my way back, I shall stay in Calcutta, if the CC approve of it. The stay should, I think, be at least of a fortnight's duration, in order to be acquainted with the facts and figures of the subject. In anticipation of the CC's approval, I soon wish to communicate with persons resident in Calcutta and those who are interested in this work. I am really anxious about this work, and I sincerely hope that ~~that~~ we shall be able to do something very definite if our endeavours be in an earnest spirit.

The C. Council meets on the 10th. at Ranchi. May I expect an advance copy of the Board's recent proceedings ?

With kindest regards,

Yours sincerely,

S. Jariagarh
*

Mr. P. Hurad,
Govindpur.

Ranchi, 1/2/24.

Dear Mr. Hurad,

Many thanks for your letter of the 22nd. I note that you have sent out notices for the new Seminary students. I trust that they will arrive soon; otherwise they will not be able to catch up with the back work and pass in the April examinations.

I note also that you have decided to postpone the Calcutta visit. I suppose that is the best thing under the circumstances. We can bring it up at the next Board meeting, and see about it. *it*

Church Council Report. I wonder if you left in Ranchi. I have asked Mr. Soy about it, but he says that he has not yet received it.

I want to report an item or two for the Council and enclose some letters:-

1. While in Calcutta the Metropolitan called my attention to the last Census Report on Jashpur State. According to that something over 34,000 Christians are there, but of these all except something over 200 are returned as Roman Catholics!! I think the CC should consider this.

2. Mr. Yunas wants to come about Feb'y 20th to work in the outstations and Mr. Archibald to come about March 28th for ten days in Ranchi.

3. Please bring enclosed letters to attention of Church Council, that is to say, those concerning the troubles in Asansol and Jamshedpur. The Werners arrived on the 29th and the Spanglers left on the 31st.

With kind regards, I remain,

Yours sincerely,



Govindpur.
P.O. Jariagarh.
22/1/24.

The Rev. I. Cannaday, M.A.
Lutheran Compound,
Ranchi.

My Dear Sir,

Your kind letter of the 19th for which many thanks. I note the contents therein.

Seminary Students.- I have sent an advertisement in the Gharbandhu for Seminary students and also one to the High School.

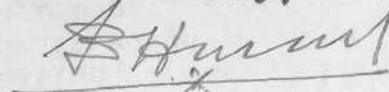
2. Calcutta Visit. - As to the Board's sanction, I don't think I shall request you to take the risk. I don't think it would be wise for me to do so. You had told us that the Gunter-Rajahmundry missions were prepared to help us for the Diaspora work in the industrial centres, such as Jamshedpur, Asansol and Kulti &c and also for Calcutta. I had therefore concluded that they would meet my expenses for Calcutta too. I think the Board would hesitate in sanctioning the expenses to Calcutta as that place is beyond their scope. I thought it was All-India Lutheran work and Mr. Graefe invited an article to create interest in the missions. If such be the case I give up my idea of going to Calcutta for this work, at least for the present, till some good arrangements are not made for expenses &c.

3. Report of the Church. I shall take it along with me when I go to Ranchi this week.

Thank you very much for the kind arrangement to send out the car for me on the 25th.

With kindest regards,

Yours sincerely,



S.P.G. Mission

Raneti

Jan 31.st

My dear Mrs Cannaday

Thank you very much for forwarding the very kind resolution of the Advisory Board. I have been very glad to do anything in my power to help forward Christian education, and I hope that the friendly feeling which there has always been between the students of the two Missions may continue

as a bond of union.

Yours v^y sincerely

Mary E. Whitaker

Head Supervisor were secured through the S. P. G. Book Shop in Ranchi. Herebefore the Head Masters and the Local supervisors purchased the required books from various dealers. One of the difficulties confronting us is the fact that text books, as a rule, reach the out-stations late. Generally the new Text Books required do not reach their destination until the end of January. Some of the pupils are therefore without books for at least a month. However there are always sufficient old text books in the school to continue the classes, unless the Texts are absolutely changed, in which case there is loss of time.

(21) In closing this valedictory account of my stewardship I must make an honest confession that I have been far from able to accomplish what I had hoped to do. Just about when I was ready to launch out in some new directions our connections with the work are cut. ~~XXXX~~ It is a most fascinating perspective to look to the future possibility of the new method that we are trying to introduce with this school year. It is ~~next~~ not possible for us to remain to see some of the fruits of this effort, but we feel sure that our successors will. Moreover, they will have the joy of knowing that, if this method is to be successful, they and their assistants must be largely instrumental in making it so. There are many other alluring prospects in the work that we are now laying down. We feel sure that the new Head Supervisor, with his assistants and the support of the Board back of him, will make the most of these opportunities. Above all as our final wish is the prayer that the Board and its servants may soon receive the encouraging news that a full budget has been granted which will make possible the rehabilitation of the work.

Sd/- Henry R. Spangler,
Head Supervisor, Luth. sch
January 26, 1924.

सभी पाद्री महोदयों को धन्यवाद।

गौसनर कलेशा में पाद्रीयों का सर्विस रिकॉर्ड अब तक पूर्ण रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूर्ण विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जाता है। आप उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रिकॉर्ड पूर्ण रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

15/9/54

G.E.L. Church, Ranchi.
Secretary

G.E.L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and Qualification	Father's name	Home address.	Dates of (a) Birth (b) Baptism and (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary + allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Prem Dan Silas Bage. matric plucked 1933. Luth. Seminary passed in 10 th May 1937.	Jaymasih Bage	Tatina-watoli, P.O. + P.S. Basia. Dist Ranchi.	(a) 14-9-1915. (b) 27-12-1915. (c) 13-4-1930.	1-6-37	29-5-38	Lutheran Theological Seminary Ranchi.	30/- P.M. as a Pastor.	Rs 100/- Pay as a Synod President of Manbhum Synod.

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.

When pensioned? Date and year to be given.

Special Service or other record if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)

Remarks: - (A short life sketch to be given separately)

- Simdega 1-6-37 to 31st May 1938.
- Karimati 1-6-38 to 31st Dec May 1940.
- Latakil 1-6-40 to 31st Dec 1943.
- Umbulbaha 1-1-44 to 31st May 1945.
- Bamra 1-1-46 to 31st May 1948.
- Jharsuguda 1-6-48 to Febr 1952
- Raigarhpur March 1952 to 31st Dec 1952
- Parulia 1-1-53 to upto date.

11

12.
Illaka chairman - Karimati
Parish Chairman - Latakil
Illaka chairman - Bamra
Synod President - Parulia.

13

Attached.

A brief ^{Life} Sketch.

Birth:- 14th September 1915. at Teliposh in
(Nagra) Gangpur State, Orissa. Baptized 27-12-15.
Confirmation:- 13th April 1930 at Ranchi ^{at Teliposh by Lange}.

Education:- Matric plucked. &
Gossner High School Ranchi.

Seminary:- Admission on the 22nd July 1933.
Seminary course completed on the
10th May 1937.

Postings:-

(1) Simdega:- 1st June 1937 to ~~as~~ Candidate.

Transferred to:- Ordination on the 29th May 1938.
(2) Loarom- }
2 Harimati } 1st June 1938 - 31st May 1940.

3. Latakeli:- 1st June 1940 - 31st Dec. 1943.

4 Umbulbaha:- January 1944 - 31st Dec 1945.

5 Bamra }
Junain } January 1946 - 31st May 1948.

6. Jharsuguda:- 1st June 1948 - February 1952.

7. Rajgangpur:- March 1952 - 31st Dec. 1952.

8. Purulia:- 1st January 1953 -

P. D. Bage
Pastor.

Purulia.
Manbhum.
27-12-54.

My brief Life Sketch.

मेरी जन्म भूमि उडिस्सा का नगर स्टेट है। जन्मस्थान तेलीपुस है। जन्म तारीख १४-६-१९१५। अंग्रेजों ने २७-१२-१५ को वस्तिमा दिया। मेरी हाई स्कूल की शिक्षा गोस्सनर हाई स्कूल में हुई। १९३३ ई० के फरवरी महीने में मेट्रिक परीक्षा देकर २२ जुलाई १९३३ ई० में थेओलोजिकल सेमीनरी में भरती हुआ। १० वीं मार्च १९३७ में सेमीनरी की अन्तिम परीक्षा डिस्टींशन में पास करके C.C. के द्वारा कंडिदात बनाकर १ली जून १९३७ में सिमडेगा भेजा गया। वहां एक साल कंडिदात था (१ली जून १९३७ से मार्च २८ १९३८ तक)। वहां रहते २८-५-१९३८ में मेरा Ordination Ranchi Christ Church में Rev. J. Stosch के द्वारा हुआ और C.C. ने मुझे जून १९३८ में लोकारेस भेजा। इसलिये कि करीमटी के पाद्री की जगह भी खाली थी मैं अपना हेडक्वार्टर करीमटी लीको बनाया। १९४० मार्च महीने तक करीमटी इलाके में काम किया। जून १९४० से २१ दिसम्बर १९४३ तक अताकेल पेरी पेरिश में काम किया। १९४३ जनवरी तक से उम्बुलबहा बढ़ती हुई जनवरी १९४४ में। सो वहा २ वर्ष काम करने के बाद १९४६ के जनवरी में बमडा भेजा गया। वहा अर्धवर्ष काम करने के बाद जून १९४८ में भारसुगुदा बढ़ती हुई। वहां चार बरस काम करने के बाद मार्च १९५२ से २१ दिसम्बर १९५२ तक राजगांगपुर में काम किया। राजगांगपुर से जनवरी १९५३ से आज तक मानभूम सिनोड के पुरुजिया पेरिश में काम करता हूं।

P. S. Bage.
Pastor.
Ranchi
Manbhumi
Synod.
27-5-1954.

Church Council
Received... 396 CC

Date... 1/10/51

सभी पाद्री भाईयों को यह सूचित किया जाता है कि उनके सर्विस रिकॉर्ड को सही रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस रिकॉर्ड को सही रूप से रखा जा सके, उन्हें अपने जीवन का पूरा विवरण कोसिल द्वारा रखा जायगी दिने हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जाता है। आप उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रिकॉर्ड पूरा रूप से देने का प्रयत्न करें। यह विवरण 15 सितंबर तक से कोसिल आपकी सेक्रेटरी के पास भेजना चाहिये ॥

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Secretary G. E. L. Church, Ranchi.

Pastor's full name, Surname and Qualification	Father's name	Home address	Date of (a) birth (b) Baptism (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theology College where educated	Salary allowance at the time of joining Service
1	2	3	4	5	6	7	8
Rev. Thomas Sopno Preparatory Class M. E. G. S. Scout Training	Philip Sopno	Diaughel P. B. Sopna Ranchi	(a) 23. 9. 1896 (b) 24. 10. 1896 (c) 24. 9. 1911	January 1940	10-12-1939	Short course Luth Church Ranchi	Rs. 30/-

Present Salary + Allowance	Parish, State, Synod or institutions where served, Period to be given	When Pensioned? Date & year to be given	Special service or other record if any (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc)	Remarks. (If short life sketch to be given separately)
9	10	11	12	13
Rs. 60/-	1-1-1940 to 14-6-1945 - At Ghoghol as Parish Chairman 15-6-1945 to 31-5-1949 - " Chaibassa " State Church " 1-6-1949 to 30-4-1951 - " Tujar " Parish Chairman 1-5-1951 to till now - " Gopkote " Parish Chairman		1950 - State Chairman.	

पद्मी होमसे तोपनी का संदीप जीवनो ।

मानुष्यावस्था :-

मेरा जन्म दिपां केले बरंजे होनी महतो खूर के रूंद दर
 पिरित्त और कुलमती तोपनी से ता. २२ सितम्बर १८६६ ई० को
 हुआ और कपलितमा ता. २४ अक्टोबर १८६६ को हुआ। व
 लड़के पन में भेड़ों की चरता को गांव के स्कूल में पढ़ता था।
 गांव का स्कूल चपल काके बुजुर्ग था। स्कूल में पढ़ा। १६११ को
 गोसनेर हरि स्कूल रांघी में चलाया, उता सन २४ सितम्बर को Rev -
 Mr. J. S. Doh से इदापन मिला। मेरा चपल व कया यशोमाह ६६:२३ है।
 स्कूल में धर्म विषय, गणित, और भूगोल पर दिल बस्य था। पिता को
 हृद उच्छा की कि मेरा बेटा मंडेला में काम को, उता ने चपल उच्छा
 सोरो सोरो के पात फगट कर दिया। उच्छा को उच्छा हरि १६१४ ई०
 के ओवोवर को पिता के घर स्त्री पुर में जा को। इस समय तक मैं
 Rev. J. S. Doh तक पहुंचा था। पिता के मति पर धार के
 परिवारों को के उलिमालत को भर मेरी कादो पर च्या तंडा, विद्वान
 युवा चपल स्कूल छोड़ता पड़ा। जीवन के चिन्ता, भाइयों की भविष्य जीवन और
 हवा पन का दुःख और दुःखता से दुनिया चपलार, सावून होला था।
 पन दयालु पिता चपल वनत से (इदापन वनत और ५.१. गिजन के ६५)
 से मुझे सांत दी, उलिमालत प्रायना कोता था कि हमरी दशा को सुखदे।
 मैं बुजुर्ग Mr. S. स्कूल में १६१५, १५ मार्च को काम शुरू किया, उच्छा मेरे नम
 या चपल दिवा। १६१८ को दुःख पात दिया, १६१९ को काम रहा, २० को
 ११.१.८० को मुन्सी हुआ। चपल लय सुसमायार और विद्वान काशी
 लंगया था। उलिमालत पढ़ा जाता था। जंगल में चपल परता है। एक
 दिन की घटना से मैं एक दिन गरीबी में मर को खोला कि " १०" हैमा
 से मैं चपल चपल प्राण को तेज दिया हूँ। वन जंगल की काम होकर
 पर चपल। Mr. J. S. से रांघी में मुलाकात हुई उता ने मुझे फिर
 गांव ही के स्कूल में लगाया, ४ महिना न बिता कि बुजुर्ग में बदली
 का के १६२१ से इसी के बुजुर्ग में चपल दिया, २२ ई० को रांघी हुई। नोप
 से दवा हुआ जवानी समय स्वप्न सा बीता गया। २६२६

मानुष्यावस्था :-

१८२६ ई० को स्कूल की ओर से स्काउट हेनिंग केम में चलाया।
 मेरा प्यार था कि दुनिया में चांद काली लोग ही सबसे से चली

बुद्धिमान जीव बनवना जानि है, या केम में आते से बिल्कुल
 उल्टा पाया यह मेरी इत्ति न्योति है इससे मेरी आगे के जीव कुछ
 खुल जाँ। मिडिल स्कूल में रहते से मैं चार छोटे भाई भाँ दो लड़का
 से पढ़ाया। एक गरीब M. E. पाठ वाले जीव में मास्टर हुन्ता/धुए धिपू
 काय सब भाई को कारवाना स्कूल में खिजा/तो वे वर्ष के बाद वह भी
 बिल्कुल नया नाम आरम्भ किया। वर्ष दो छोटे भाई/उनको जोस्तर
 ही स्कूल में जाया तो वे भाई भाँ से किस खिजा/4 टैर में मनीसिफ
 सेन होने से उसको पिला की उखा फुल जाते के बिने तोमिनी में
 मेजा। उखा मुझ को भी न छोड़ा। १६३६ ई. के १० दिसम्बर को मा
 मुझे सेबन का यह खिजा गया। शांजपुर स्टेट के घोघरे पोरीश में
 जाता पड़ा। देश में जा शांतिपति। लुका सेरिष पराँ ह स्तेपा हो गया
 था, मादी के रहने का घर भी नहीं था, गिरजा पर का हटा हकूम
 हवा से उजाड़ा गया था। स्कूल प्रचारक पनी के गिरजा धरो की
 हालत बिगड़ गई थी, हालत देख के रोना पड़ा। भीतर से आवाज
 आई कि "तुम को बगले होगा"। सबसे पहिले पोरीश का गिरजा और
 स्कूल को बताया, पीछे सब प्रचारक पनी का गिरजा और स्कूल,
 उसी समय से घर पाद्री का घर भी बताया आरम्भ किया।
 १ली जनवरी १८८० से १८ जून १८८५ तक रहा। बाद १५ जून १८८५
 से आरिवासा में उकाया चोर में था, वहाँ मिडिल स्कूल को पूरा किया।
 उससे पहिले १८८४ के जून १ से जुंजुर पोरीश में बढी हुई। अभाज्य
 वस १८८१, १० जनवरी को मेरी पत्नी इन्तकान से गई। हालत बूझ
 बुरा हुई। सिनोड ने बिचार का तय करी आरि विप्रा के पीछा के
 इनकार में बढी कर दिया, और आग तक काय सम्भाल रहा हूँ।
 उखा मेरी सहायता करे।

Rev. Thomas Joseph

सभी पाद्री माद्री को दायसहाय ।

गोसवर कलिया में पाद्रीयों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूरा रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जा रहा है। आप एक फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूरा रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण दिसम्बर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

13/11/54

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

G. E. L. Church, Ranchi.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) Birth (b) Baptism and (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary + allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Christ Kalyan Bhengra Under Matric	Jaynasih Bhengra	Village Tiki P.O. Karra Ranchi District	(a) 31-8-1890 (b) 14-9-1890 (c) 1908 Dec in Ranchi	5th January 1915	22nd March 1925	Preparatory Class 1909-1910 Theological Seminary Ranchi 1911-1914	Rs 30/- P.M. Allowance 10/- P.M.	100/- P.M.

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.

When pensioned ? Date and year to begin.

Special Service or other record, if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)

Remarks: (A short life sketch to be given separately)

1915-1923 in M. E. School Goomdpur, Teacher
 1924-1925 Febr in Goomdpur Parish
 1925 March-1933 May Illaka chairman Goomdpur
 1933 June-1933 Nov Marcha Parish chairman
 1933 Dec-1942 Chaibassa Illaka chairman
 1943-1944 Takarma, Illaka chairman
 1945-1948 Head Master, Rach. Tr. School, Gumla
 1949-1954 Goomdpur Synod President

11

12

13

पाद्री ख्रिस्त कल्याण मेहरा का संदेप जीवन चरित्र ।

मेरा जन्म १८६० ई. के ३२वीं अगस्त को जुद्धांग में हुआ ।
उस समय मेरा पिता जयमसी ह. जुद्धांग में प्रचारक था । वहाँ से
मेरे पिता को बहली मर्चा पेरिश को उड़ीकेल में हुई । वहाँ
मेरे पिता ने सात बरस तक काम किया । उसी समय से वहाँ
को स्कूल में जाना आरम्भ किया । सुकही से मैं ईश्वर को वचन
और शीतों को पार करता था । उड़ीकेल में होते ही मेरे पिता
ने मुझे मर्चा स्कूल में भर्ती किया । उस समय मर्चा में पाद्री
जोहन जोषनी थे । मर्चा ही में मैंने लोकार्गो मर्चा पास किया ।
मर्चा पास करके मैं रांची गोस्सन हाई स्कूल को मिडल क्लास
में भर्ती हुआ १९०७ ई. में । १९०८ ई. में मैंने मिडल पास किया
और उसी साल में मेरा दूढ़ी करारा भी हुआ दिसम्बर महीना में ।
मिडल पास करके मुझे हाई स्कूल में पढ़ने की दूढ़ ईच्छा हुई मुझे
मैं पढ़ने में तेज था । मेरे पिता को ईच्छा थी कि मैं पाद्री
लैकन जाऊँ । ईश्वर की भी ऐसी ईच्छा थी इसलिये ईश्वर
ने हाई स्कूल में पढ़ने का रास्ता को बन्द कर दिया । सो मुझे
को Preparatory क्लास में जाना हुआ । उस समय Schmidt
साहेब गोस्सन हाई स्कूल का प्रिन्सिपल और Fr. Storch
साहेब मैं प्रिन्सिपल थे । पर उसको कुछ पीछे गोस्सन
हाई स्कूल को प्रिन्सिपल मान्यता पाद्री Fr. Storch
दुर । १९०९-१९१० ई. Preparatory Class में था ।
१९११-१९१४ ई. तक रांची नेम्बोलोजिकल सेमिनेरी में था ।
१९१४ ई. में मेरा फैनल इमतिहान हुआ और परीक्षा में पास
हुआ । मेरा ट्रेनिंग Rev. Fr. Storch प्रधान अध्यापक
के द्वारा हुआ । १९१५ ई. सुकही में गोबिन्दपुर M. C. स्कूल
में काम करने को भेजा गया । मैंने पूर्वी जनवरी १९१५ ई.
को काम शुरू किया । उस समय गोबिन्दपुर के M. C. स्कूल
और H. T. स्कूल को प्रधान (प्रधान) अध्यापक Rev. C.
Mehl थे । मैंने गोबिन्दपुर में एवस शिक्षक का
काम किया और बोर्डिंग के होस मास्टर भी था ।
एक बरस मंडली विभाग में काम किया गोबिन्दपुर
पेरिश में । १९२५ ई. के २२वीं मार्च को मेरा मोरडीनेवान
रांची ख्रिस्त गिरजे में हुआ । मोरडीनेवान के समय
Rev. Fr. Topper President और सहायक
Rev. Markas Topper और Rev. Isahak
Dehra थे । मैंने एवस गोबिन्दपुर में काम किया
और चेयरमैन भी था । उस समय का किन्तु समय था बहुत
परिश्रम करना पड़ा । १९३३ ई. के जून में मेरी बहली
मर्चा में हुई और उसी साल को दिसम्बर में मेरी बहली
चाईबासा में हुई । वहाँ मैंने एवस का म किया और
चेयरमैन को काशन में था । जब तक मैं चाईबासा में था
तब तक एक महीने का समय था, मंडली में कोई राइबड
नहीं था । वहाँ मैंने चेयरमैन का म किया चाईबासा में
मेरे सिंदरम को चेयरमैन घोषित किया था ।
जहाँ १९३३
वहाँ मे

मेरो रहते वहां को छोड़ स्कूल की मंजूरी सत्कार
 द्वारा हुई। १९४५ ई. के जनवरी में मेरा दूसरा
 गुमला में हुआ। वहां १९४६ ई. तक गुमला
 प्रचारक ट्रेनिंग स्कूल को हेड मास्टर था।
 १९४६ ई. के दिसम्बर में गुमला में मेरी पत्नी
 यमु में सो गई। गुमला में मैं उरांव लोगों के
 बीच में था जो उरांवों का समाज, रीति, व्यवस्था
 मालूम हुआ। १९४६ ई. में फिर मेरी बदली
 गोविन्दपुर में हुई। जहाँ मैं पहले का
 कार्य वाट वगैरहों के द्वारा जहाँ मैं पहले का
 की सहायता से अपने कामों में सफल बन रहा।
 मैंने अपनी बातों पर परिसर में किया तो
 लूक १०, २० के अनुसार परिसर का जो
 नियम बस है।

C.K. Bhengra
 Govindapur

7. IX. 1954

Office of the Secretary

Church Compound, Ranchi.
The 16th August, 1954.

Handwritten notes and stamps on the left margin, including a date stamp '13/9'.

सुनि पाद्री माइयो को दोष सह्य ।

जोसन्तर कलाश में पादियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूर्ण रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूर्ण विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय मोच दिये हुए काम आप लोगों के पास भेजा जा रहा है आप उक्त काम में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूर्ण रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण १५ सितम्बर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

13/9/54

Secretary
G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) birth (b) Baptism and (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary + allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Elazar Ekka Thol Seminary High School 10 th Class.	Lali - Johan Ekka	Sereng- hali P.O. Lohar- daga	(a) 2-11-1894 (b) - (c) 1907 Oct.	April 1924	19-4- 1931	Lutheran Theol Seminary Ranchi	20/-	60/-

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned ? Date and year to begin.	Special Service or other record, if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)	Remarks: - (A short life sketch to be given separately)
April 1924 — 1928 Khuti. toli Parish. April 1928 — 1929 Aug. Ranchi 1929 Aug. — 1946 Raigangpur 1946 Dec. — Chalti.	11	12	13.

E. Ekka
Chalti
10-9-54



G. E. L.
CH. NAGP
RAN

Church Council

Register No. 389/54

Date 16-9-54

G.E.L. Church Pastors' Service Record. Service Record of Rev. L. Kongari Synod President, Haryanbagh Synod.

Pastors full name and Surname and quali- fication.	Father's Name.	Home address.	Date of : —			Date of join- ing Church Service.	Date of Ordination.	Name of Seminary Theological College where educated	Salary allowance at the time of joining Service.	Present Salary + allowance.
1	2	3	Birth.	Baptism	Con- firmation	5	6	7	8	9
Luther Kongari Under Matric (Matric fail). Lutheran Theological Seminary Passed. (Trainee)	Junas Kongari	Village Akhali P.O. } Baro. P.S. } Dist. Raneri	17- 18 December 1907.	29 January 1908	29 November 1925.	15th July 1936.	10th Octo- ber 1937	G.E.L. Church Lutheran Theological Seminary Raneri	Rs. 15/- P.m. at the time of ordination. After no allowance after ordination became Alaska chairman Salary Rs. 35/- allowance Rs. 15/- P.m.	Rs. 100/- P.m. no allowance is given to the Synod President.

Parish, Alaska, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned Date and year to be given.	Special Service or other record, if any, (G.B. Passed, Suspension, promotion or long leave, deputation etc.)	Remarks: — A short life sketch to be given separately.
10.	11	12	13
15th July 1936. — at Barin as a Candidate. 15th January 1937. — at Darigata Parish In-charge. 18th January 1938-1941, at Jharungda Alaska, as an Alaska chairman. 7th January 1942-1945, at Korong Alaska, as an Alaska chairman. 1946-8th June 1950. Tokat Alaska, as an Alaska chairman and for a while Synod was formed became Vice Synod President of Barin Synod. Now from 8th June 1950 — Singhami, Haryanbagh Synod as a Synod President.	nil —	Promotion from — Parish chairman to Alaska chairman and then Alaska chairman to Vice Synod President and now Synod Pres- ident.	Rev. L. Kongari) Sp. Lade Junas Kongari Village Akhali, Takarna Alaska child of a school on a village P. school at Barin. Then came to Takarna M.E. school. After passing M.E. came to Raneri and joined Gossnithigh school. After finishing the course appeared Matriculation Examination but unfortunately could not pass. Being of poverty, I have to leave school and stayed for one year at home. Then organized the village Sunday school. Then joined the G.E.L. Theological Seminary at Raneri under the Principalship of Rev. M. Kersch. Finishing the course and passing the final examination Passed on a candidate at Barin M.E. school. Then transferred to Darigata Parish as a Parish In-charge. While there was ordained on 10th Oct 1937 at Raneri together with Rev. Sudarsan Lakona and Rev. Samuel Hornum by the President, Rev. L. Kongari. Then posted to Jharungda Alaska as an Alaska chairman.

Remarks:— In continuation to the short life sketch of Rev. L. Linsam.

13.

From 18th January 1938 — 1941. served as an Alaka chairman. During my staying there Jhamsyada Alaka was under the supervision of N.M.S. As some of the workers of N.M.S. wanted to take Jhamsyada Alaka whole shall under their control, ^{Lutheran} members of the Alaka, opposed the matter and then Church Council took Jhamsyada Alaka again under its whole shall control by the Church Supervisor Rev. Luther Jaganan on 19th July 1939. All the congregation willingly took the burden of Autonomous church and became self support. After that, I became was transferred to Kheraga Alaka. I was there till 7th January 1942-1945. As soon as I reached there a certain Gholmal was prevailing among the people on account of which Pastors and catechists suffered too much for a certain period. But by the money of God all ended peacefully. There I started a high school which is now in flourishing condition.

As by the will of Church Council I was transferred to Tokad Alaka as an Alaka chairman. Stayed here till 1946-^{8th June} 1950. Here I served faithfully and while Synod was formed, elected as a Vice-Synod President of Burjyn Synod. Through the financial condition of Alaka as well as of Synod was not good all the church workers, work together unitedly and faithfully, organizing institutions such as Wiving School at Burjyn, Started High School at Burjyn and at Tokad too.

After that I was transferred to Singham, Haryanbagh Synod and had continuing my service here from 9th June 1950. The work is going on in the following districts eg. Haryanbagh, Gaya Patna & Curonia. The church field is wide and lushy, but the Lutheran Christian members are scattered here and there among villages, town, and mines area. I pay a visit monthly on Sunday to the prisoners of central jail at Haryanbagh and permitted to ~~distribute~~ hold church services and to distribute the Holy communion. Among the Kairi one was baptised and confirmed. The financial condition is not good but still we work persistently and faithfully. As on the side of missionary field the work is flourishing gradually among the heathen ~~missionary~~ ^{heathen} area.

Rev. L. Linsam.
10/9/54.

सभी पाद्री मादियों को धन्यवाद।

गोसवर कलाशा में पादियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूरा रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके

सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कोसिल्व द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जा रहा है।

कृपया फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूरा रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर

39/10/54
10/11/54
Reply No. 7

G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and Qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) birth (b) baptism and (c) confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary + allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Rev. Suleman Bage Theological Seminary Passed at Ranchi.	Boas Bage.	Bangru Khutitoli P.O. Sindga Dist Ranchi (Bihar)	(a) 1901 (b) 1901 (c) 1917	January 1927	12 Nov. 1933	Theological Seminary Ranchi	Rs 30/-	Rs 70/- Slaka Chairmanship Allowance Rs 10/-

Parish, Ilaka, Synod or institutions where served, Period to be given.

When pensioned? Date and year to be given.

Special Service or other record, if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)

Remarks: (A short life sketch to be given separately)

Takarma M.E. School 1927 Jan to 1933 Oct.
Ilaka Takarma Parish Baribiringa 1933 Nov to 1936 Oct.
Ilaka Koronjo Parish Koronjo 1936 Nov to 1941 Dec.
Ilaka Jharanguda Parish Jharanguda 1942 Jan to 1948 Ap.
Ilaka Bamra Parish Bamra 1948 May to 1949 Oct.
Ilaka Karimatti Parish Karimatti 1949 Nov to 1953 Ap.
Ilaka Rajgangpur Parish Rajgangpur 1953 May -

12.
Takarma - Candidate
Baribiringa - Parish Chairman
Koronjo - Ilaka Chairman
Jharanguda Ilaka Chairman
Bamra Ilaka Chairman
Karimatti Ilaka Chairman
Rajgangpur Ilaka Chairman

13.

Handwritten text, likely a list or notes, located in the top left corner of the document.



[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]
[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]
[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]
[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]
[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]
[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]
[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]
[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]
[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]	[Faint handwritten text]

CH. E. L. N. C. B. L. R. A. N. C.

Rev. Suleman Bage
Ka Sanchhep Jivani.

मेरा जन्म कोरोजी इलाका के कहुपानी पेरिश के खास कहुपानी में हुआ सन १८०१ में हुआ।

मेरा पिता टकरमा इलाका के दादी गाँव का रहने वाला था, पिताबोअस की सदी गोविंदपुर इलाका के कुमहारी गाँव के नैमी काइन्द से हुआ था। पहिले पिता जो टकरमा इलाका के दोनेया मंडली में प्रचारक का काम करते थे। सरदारी उलगुलान के समय टकरमा के मिशनरी सरेब के द्वारा जितने प्रचारक जो जवान थे छोड़गा परवा पड़ी से वे बिरु राज्य भेजे गये उसी समय मेरा पिता भी भेजा गया। दोनेया मंडली टकरमा इलाके का एक बड़ी मंडली थी जो सरदारी उलगुलान के समय नष्ट हुआ। दोनेया फिर धर्म में आ गया और वहाँ ई नया गिरजा बरबनाया गया है जो पहिले के गिरजे बर के कुछ कितारे बनाया गया है जिस का संस्कार मैंने किया यह मंडली आजो करिमदी इलाके में है।

पिता जो बिरु राज्य के कहुपानी में जब काम करते थे मैं नष्ट हो घोटा था उसी समय मेरे पिता जो की बदली खुटीटोली इलाका के खास खुटीटोली में हुई वही मैं बड़ा और अपर प्रमारी पास कर कोरोजी मिडिल स्कूल में बहाली हुआ। मिडिल तो पास कैसे किया और दृढ़ापन भी रेज पौलुस मुखु से सन १८१७ में पाया।

मिडिल पास करने के बाद राँची हाई स्कूल में भरती हुआ, बाद राँची के थेओजेलिकल सेमिनरी में भरती हो कर १८२५ ई० में पास कर निकला। कठिंदती जगह न होने के कारणा १८२६ ई० में घर में रह कर समय बिताया। सन १८२७ में टकरमा मिडिल स्कूल में कठिंदत बहाल किया गया और सन १८२७ ई० के २७ वीं दिसम्बर को पाद्री लूकस तोपोनो की जेष्ठ पुत्री बहमाती तोपोनो से सादी हुई।

टकरमा में काम करते मेरा पद लन्निषेक टकरमा के खट्ट गिरजे में हुआ सन १८३३ ई० के १२ नोबेम्बर को प्रेसिडेन्ट जोहन तोपोनो से हुआ। पद लन्निषेक पा कर सी.सी. को जोर से टकरमा इलाका के बड़ीबिरिंगा पेरिश का चर्ज मिला। १८३६ ई० के नोबेम्बर को कोरोजी इलाके का चर्ज मिला। १८४२ ई० को अरसुगुदा इलाके का चर्ज मिला। १८४८ ई० के मई महिने से वमड़ा इलाके का चर्ज मिला। करिमदी के पाद्री के मर जाने के कारणा मुखर को १८४८ के नोबेम्बर महिने में करिमदी इलाके का चर्ज मिला। १८५३ ई० के मई महिने से राजगांगपुर इलाके का चर्ज मुझे दिया गया और आज यहाँ पर प्रभु का काम कर रहा हूँ।

इंचर हमें एक लड़का और लड़की दान दिया है। हर जगह ईंचर की असौम कृपा से सखुशल रह कर प्रभु का काम करते जा रहे हैं, ईंचर भागे भी हमें आशीष देवे।

लेखक:— पाद्री सुलेमान बागे

Church Council
 Received...
 Register...
 Date...
 To...
 By...
 Dtd...

72

Office of the Secretary

with compound, Ranchi.
 The 16th August, 1954.

सुदी माईयो को दायसहाय ।

गोसनर कलेशा में पादियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूरा रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जाता है आप एक फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूरा रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण १५ सितम्बर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुच जाना चाहिये ॥

13/11/54.

Secretary,
 G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) Birth (b) Baptism and (c) Confirmation	Date of Joining Church Service	Date of ordina- -tion	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary & allowance.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Sudarshan Anand- Bhanu Lakra Ranchi Seminary 1920-24 Licentiate in Theology 1930.	Jonathan Lakra	Village Khinda, P.O. Kurdeg, Dist. Ranchi, Bihar.	Birth. 2-4-1904 Baptism 1904 Confirmation 1919	1931 January	10-10- 1937	G.E.L. Semi- nary, Ranchi. & Serampore College	Rs 30/-	Rs 80/- & Rs 5/-

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned? Date and year to begin.	Special Service or other record, if any, (E.B. passed, Suspension, promotion or long leave, deputation etc.)	Remarks:- (A short life sketch to be given separately)
1	11	12	13
1. Birmitrapar, Karimatti Illaka 1931-33 2. Pathalkudwa & Kanke, Ranchi 1936-37 3. Mandar Parish, Ranchi 1937-41 4. Calcutta 1942 5. Kanke 1943 6. Seminary, Lohardaga 1944 7. Lohardaga, M.E. School, H. Master 1944-1947 8. Kinkel m. E. P. H. Master & Kinkel Illaka Chairman 1947-1948	—	on leave for B.D. Study at Serampore College 1934-35.	
9. Koronjo, M.E. School, H. Master 1947-1950 10. Ranchi, Luth. Theol. College 1950-			

S. B. Blaker
 12/10/54.

Submitted on the 25-10-54.

To the Secy. C.C. Ranch.

Mr. N.E. Hord.

The 1st. February, 1954.

सभी पाद्री माइनों को यथासहाय।
 1. गोसनर कलाश में पादियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूर्ण रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूर्ण विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जा रहा है। आप उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूर्ण रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर तक कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

K. H. M. 11/7/54

Date _____

16/8/54
 Secretary,
 G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Reply No.	Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) birth (b) baptism and (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present salary + allowance.
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
21/8	Anno Bara. Luth. Theol. Seminary. Rauchi. '25.	Late Masih das. Bara.	Sawai P.O. Sawai.	10th Feb 1899 Baptism Date - unknown. Confirmation Date - April 1916.	25th Oct. 1925.	7th July. 1929	Rauchi Lutheran Church.	30/-	100/-

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned ? Date and year to begin.	Special Service or other record, if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.	Remarks: - (A short life sketch to be given separately)
राजगागाधूर रा.प.स.की में Candidate था 2504/1925 से 6 July 1929. 7 July 1929 से 16 May 1931 तक राजगागाधूर में भाषाई सेवा करी किमा। राजगागाधूर से अर. सुगादा १८३२, २० मई से १८३५, १८ मई वकालत वहां से रा.प.स.की में जो रा.प.स.की का है आभा. चंडा १८३५ - मई से १८४६, १८ मई तक वा. वहां से किमने के आभा. आनी वरु है	11	12. Synod President.	13



CHINA
E. W. NAG
RAN

संक्षेप जीवनी

मेरी जन्म १८९६ के २ फरवरी में सवाई गांव में हुआ, मां बाप किसान
 ब्रह्म थे। छोटे अवस्था में मैं भंड बारी-चराता था और एक बेला
 गांव ही के मिशन स्कूल में पढ़ता था। गांव के स्कूल में तीन बरस
 तक पढ़ा और द. १० बरस की अवस्था में किमकेल स्कूल भेजा गया। (१८९९)
 किमकेल स्कूल में १८९९ के दिसम्बर महिना तक था और वहां ही अथर
 सापर पास किया। अथर पास करके मैं १८९९ जनवरी में मिडिल
 के लिए कोरोप स्कूल में भर्ती किया गया। वहां १८९९ दिसम्बर
 तक था। मैं मिडिल पास करने के बाद मेरी इच्छा थी कि रॉयल Government
 Training स्कूल जाऊँ। पर कड़े अडचनों के कारण जाने में
 असामर्थी हुआ। फिर हाई स्कूल जाने भी चाहा, पर कसिमादि की
 नाबिलता के कारण वहां भी नहीं जा सका। सो मैं घर बैठे मैं २ बरस
 ६ हर गया और खेती-बारी का काम करता था और रात के समय
 हाई स्कूल भी चलाता था, जो सरकार से स्वीकृत था।
 १८९९ के जनवरी से इलाका मुझे केशवपुर मराज्जी में उचारन
 का काम दिया। वहां मैं १८९९ अक्टूबर तक था। उसी समय Seminary
 खुलने का खबर मुझे मिला, और मैं एक बरस भेजा। ८९ बरस
 भर्ती किया और मैं १८९९ July Seminary के लिए आया।
 मैं दो बरस तक Preparation Class में रहा गया और चार बरस
 Seminary में पढ़ा (१८९९ September तक) Seminary से निकल
 कर कुरुत में Raygungpur धर्म ^{स्कूल में} Canvasser और Urmash होकर
 काम १८९९, २५ Oct. शुरू किया। स्कूल में १८९९ ५ July तक था
 और ५ July ^{वर्ष} रॉयल रिजर्व गिरजा में Ordination दिया गया।
 Ordination होकर वहां ही खेती का काम आरम्भ किया और १८९९ के
 १८ मई तक राजगांगपुर में काम Channau था। वहां से २० मई १८९९
 मरसुगदा Transf होकर गया। मरसुगदामें १८ मई १८९९ तक था।
 वहां से रॉयल रजंगा बदली किया गया और १८ मई १८९९ तक था।
 मेरिस Channau लेकर था। वहां से जब सिरोद का उत्पाद हुआ तो
 सिरोद प्रेसिडेंट करके किमकेल भेजा गया (१८९९ के २५ मई से)
 और अब तक वही काम कर रहा हूँ।

H. D. K.
K. D. K.

15-9-54

Office of the Secretary C.C. Ranchi

Chand, Ranchi.
13/9/54

सर्गो पाद्री माइवो को दोषसहाय ।

गोसवर कलेश में पाद्रीयों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूर्ण रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूर्ण विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जा रहा है। उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूर्ण रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर तक में कौंसिल सिक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) birth (b) baptism (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary & allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Mansukh IX Class passed X class promoted G. E. L. Church Candidate and pastorship passed	Late. Patras Manki	Takarma Elaka Vill. Kousade P.O. Bara S.D. Sundargarh at present, Karamati P.O. Bara D. Sundargarh	a) 15.6.1879 b) 30.5.1886 c) 29.3.1896	24.5.1905	7.6.1912	Ranchi G. E. L. Theology Seminary	Candidate Rs. 8-12 Pastor Rs. 15-35 Rs. 40-45 Rs. 45-55 Rs. 60-70	Rs. 70/-

22-Page

Parish, Elaka, Synod or institutions where served, Period to be given	When pensioned? Date and year to be given.	Special Service or other record if any, (E.B. passed, Suspension, Promotion or long leave, deputation etc.)	Remarks: (A short life sketch to be given separately)
1	2	3	4
Takarma Elaka Barebura parish Gatalal parish Takarma Elaka chairman Soarapuri parish Karamati Elaka chairman Tugur parish Takad Elaka chairman Kalamhuni parish	10 G. Kousade Synod Nov. at Karamati Elaka pensioned period	Pensioned in the year 1951. 1st January	Only church service since 17.1.18 leave for sickness disease

पाप्री Mansulch Manicki का संक्षिप्त

आप के माता पिता नाम (जीवन चरित्र)
 Patras + Maryan गोत्र मन्की है। वसिन्दा गांव चम्परा
 इलाके के कोनसोरे प्रचारकयन में है - धाना ठोमो - सब डिक्जिन
 Sundega जिना Ranchi है। आपका जन्म ता: १५ जून सन १६७ ईस्वी
 है। आपका जन्म माता के गहियल Ghapla गांव में हुआ।
 अन्य भावना - में आप प्राय: २ वर्ष के उमर में Damsod गांव ली
 स्कूल में भूत Samuel Bagraula पाप्री Suller Bagraula के पिता से
 लिखना पढ़ना सुन किया - बाद Takerna के भूत कम्पिकेल साहेब
 के अधीन में भी भूत पाप्री P. Ednaio के गराजियन में Palkot में P. P.
 पास काल १२६२ ईस्वी. जिसमें में Ranchi M. & School में पाप्री E. Muller
 के सिस्तेयली में ६ - आस में भरी हुए। जो Boarding House Manicki
 Rev. O. Genselky के देखभाल में भरी हुए। १२६२ ईस्वी के ५० वें वर्ष के
 पहिले पुर्विल में आप बड़े मिडिन रोगों से Suffering सोल गांव बाले
 थे। उसी वर्ष धाना १२६५ ईस्वी में गोरगुड डी स्कूल पाप्री E. Muller
 के प्रवेश से M. & स्कूल। आप M. & पास काल ११ ई. स्कूल के १४ +
 ५ वें वर्ष तक पढ़े १२०० ईस्वी में Theology Examination में
 Join किया।
 १६०५ ईस्वी में आप प्रेसिडेन्ट P. Dr. A. Motroff. Rev. M. Klier
 मोर Rev. Smith के मागे Candidates परीक्षा में उत्तीर्ण होके Cand
 दाई पर प्राप्त किया। १६०५ ईस्वी में आप M. P. स्कूल खोलने के लिये
 दवापर भेजे गये। १६०७ ईस्वी में Barburunga में मंडली का काम
 सुनि किया जहाँ १२६९ ईस्वी तक मंडली आप देखे काल १६१२ ईस्वी के
 ६ वें जून में पाप्री P. Ednaio के सिमानि से पाप्री पद का इमतिहान
 P. Dr. A. Motroff. पाप्री P. Wagner + Rev. Smith साहबाग परीक्षा देके
 पदनिमित्त हुए। जो तथा पेलि Barburunga में पहिले पाप्री हुए।
 पालि प्रथा के अनुसार १५ ईस्वी में काम किया।
 १६१४ + १५ ईस्वी में आप लोरे आप Takerna में इलाका
 चेसि में थे - १२१५ ईस्वी में आप लोरे आप Takerna में इलाका
 charaman के लिये बुलाये गये १२१६ + १७ तक वहाँ से अस्साम
 चाहे Chur भेजे जाने को वे पर Influenza रोग ११ + १२
 १० में प्रवृत्त प्राय: मृत्यु पाये - इस का दया है १२५० के
 मृत्यु तक सुख होजाने से १२१६ ईस्वी में लोवाराम में दम्पति
 सजा की और ले भेजा गया - वहाँ १५ वर्ष में इस का दया से बड़ी
 मंडली हुए १२० धर + ६०० पुष्पा होने से Saram परिसर
 खोलोगे वहाँ भी आप पहिले पाप्री हुए। १२३४ - १२३५ तक
 Kanamath इलाका देखभाल हुए। १२३५ - १२४२ तक बिल्लो
 Dugun में आप का काम मूलत: Kalupara में मन्ति मलेवा
 कर्हि काल १२५९ ईस्वी में प्रेसुन हुए। जिस का दया
 मन्त्र के काम पर १२५९ ईस्वी में ४३ - ४४ वर्ष
 उसकी दया का काम का लके

विजयाम - देवम

M. Manicki

Pension

Holder

ता: 6. 9. 1954

Short life sketch of Rev. C. K. Guria, of Koenara.

मैं, स्वस्त कल्याण गुड़िया, धाना तोरपा जीला रांची गांव कोरनारा के पहान धराने का हूँ। लाजा बूढ़ा के लो: पुजारो धा, उसी के नाम पर मेरा नाम रखा गया था। बाप का नाम सेको गुड़िया था। मेरे जन्म का ता. लो साल मालूम नहीं है। बहुत सम्भव है १८६२-१८६५ ई० के मोतर है।

मेरे मां बाप संसार ही थे। हडियां दाढ़ बहुत पीते थे। छोटपन में मैं गोरु बद्ध लौरे बकरियों का चरवाहा रहा। उन्होंने मुझे गांव स्कूल में भेजा। तब मैं गिरजा जाना भी शुरू किया। मां बाप गाली देते थे तैनी चुपचाप से सिली के लिपे चावल पैसा निकाल लेता था। चौड़े से वे भी गिरजा जाने का शुरू किया। १८०२ में मुझे मां बाप और भाई बहनों के साथ तपक्का गिरजा में पाद्री लानन्द मसीह सोध के द्वारा बपतिस्मा मिला। १८०४ में मैं साचियों के साथ बुर्जूस स्कूल भाग के चला गया। वहां मैंने लपट पास किया।

१८०६ में रांची हाई स्कूल चला गया। और उसी साल सिध साहेब से १८०६ दूरी करवा मिला।

१८१० में मिडल पास करके प्रेपराटोरी क्लास में भरती हुआ।

१८१३ — १२ जुलाई १८१५ तक सेमिनरी में पढ़ा। और सादी हुई।

१८१६ — १८२० तपक्का में प्रचारक लौरे मापूर का काम किया।

१८२१ — १८२३ तक दूसरी बेर सेमिनरी में टेनिंग पाया।

१८२४ — १८२८ तक के १२ जून तक बुड़ में कन्विक्शन का काम किया।

१२ जून १८२८ — १८२९ तक तामाड़ में बदली हुई।

१२ जून १८२९ — १८३७ तक टोकाद में बदली हुई।

७ जुलाई १८२९ को लोर्डोनेशन हुआ।

१ जनवरी १८३८ — १८४१ तक डाडिगु में पैरिक्लेयर मैग था।

१ जनवरी १८४२ — १८४५ तक बुड़ में इलाका चेल्मर मैग था।

१२ जून १८४५ — १८४६ सरना टोली पेरिश बदली हुई।

१२ जून १८४६ — अब तक सिमडेगा पेरिश में सुटी टोली इलाके में बदली हुई है।

C. K. Guria

20-9-54.

15

72

Secretary G.C. Ranchi

G.C.L. Church, Ranchi

सभी पाद्री महिषों को योग्य सहाय।

गोसवर कलाश में पादियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूरा रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जा रहा है। आप उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूरा रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण १५ सितम्बर तक मे कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

15/11/54

Secretary
G.C.L. Church, Ranchi.

G.C.L. Church Pastors' Service Record.

Church Council
Register No. 374/54
Date 16/9/54
To 72
By
Date

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) Birth (b) Baptism and (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated	Salary allowance at the time of joining service	Present salary + allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Samuel Bag under matric	Daniel Bag	Kurlova P.O. Basia	(a) 5-11-1895 (b) 7-7-1902 (c) April 1910	1-1-1918	27-4-1927	Theol. Seminary Ranchi	Rs 22/-	Rs 70/-

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned? Date and year to begin.	Special Service or other record if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)	Remarks: (A short life sketch to be given separately)
1918-1919 Teacher at Jharkhand L.P. School.			
1920 " " at Karma M.B. "			
1924-30 April " " W.P. "			
1927 Pastor at Kinkal			
1927-1933 Pastor at Kinkal			
34-1940 " " Kinkal			
1941-1944 " " Kinkal			
1944-1954 Jharkhand			

12 Bible Translation in Kharia

13. 1913-1915 Preparatory work then 1921-1923 Theol. Seminary work then.

संदीप जीवनी ।

मेरा जन्म 1895 में हुआ था । टकरमा में 1912 में मा. ए.
पास कर 1913 में *Pickering's class* में शिक्षा किया ।
छोटपन में मेरा कोई साथी नहीं था । 1914 में मुझे मेरा
काया पढ़ना शुरू हुआ । 1921 में सेमिनरी में प्रि. ए. ए.
उस समय प्रि. ए. ए. पढ़ने लगा । 1927 में लो. डी. नैसन
दुल्हा लो. ए. नैसन से काया शुरू किया । वहां पांच
वर्ष तक था लो. ए. ए. काया शुरू नीचे घाट में बहुत
दिन काया किया । पीछे जटाटोली पारसे में था ।
1931 से नैसन से काया शुरू हुआ था *Chavhan's* था ।
लो. ए. 1932 में नैसन से *Translating* काया शुरू
था । 1934 में लो. ए. ए. काया शुरू हुआ । वहां 1934-35
तक नैसन से प्रि. ए. ए. काया लो. ए. 1938 जनवरी से
पूरी रीति से नैसन *Translating* से प्रि. ए. ए.
से आता किया गया । जहां जहां में ने मराठली
का काया किया, ईश्वर मेरी सहायता करता था ।
रांची प्रि. ए. ए. काया लाने को बहुत डाकू लो. ए. ए.
ने हाथ में पड़ा था, पर ईश्वर बहुत लाभ रीति
से पार कराने गया । ~~इस~~ इस से मुझे को लाभ लाभ
मात्र हो गया कि ईश्वर आपने दासों को संभाल
रहे पार करता है । ईश्वर मेरा आगे का जीवन
आशा में ही सारा रहे । मा. ए. ए.

Shag
15. 11. 54

सभी पाद्री मादियों को दीसुसहाय ।

गोसनर कलेशा में पादियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूरा रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जा रहा है। आप उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूरा रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

Church Council

Received... *BB*

Register No. 357

Date... 15/9/57

To... 72

Reply No...

Date...

CC B.L. 11/2/54

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Secretary
G. E. L. Church, Ranchi.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) birth (b) baptism and (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary & allowance.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Kathaniel Mundu I st Class	Boas. Mundu	Ruitola P.O. Murhu Dist Ranchi	a. 1897. 24 th Dec b. 1898. 2 nd Jan c. 1913. Dec	Teacher 1926 October at Ranchi at Gwinda as teacher	1934	Theological Seminary at Ranchi	30/-	70/-

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given

When pensioned ?
Date and year to begin

Special Service or other record, if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)

Remarks: -
(A short life sketch to be given separately)

1926-1930 Gwinda M. E. School
1931-1932 Hulsu. Gwinda Parish
1933-1935 Marcha Parish Gwinda Illaka
1935-1939 Samatali Parish Surja Illaka
1939-1941 Tokad Parish or Illaka
1941-1945 Samatali Parish Surja Illaka
1945-1949 Karmatta Parish Surja Illaka
1949-1954 Gwinda Parish or Illaka Synod

11

12

13

P. T. 0.

पाद्री नखनिसमुन्डू का संक्षेप जीवनी:— इन का जन्म १८६७ के २४ दिसम्बर को बुज्ज मंडली के रुईयेली गांव में हुई। इनके माता-पिता-
 'बोमस और इन्ना थे, जो दिन पढ़े लिखे किसान थे- इन के दो बेटे और दो बेटियां थीं जिन में से पाद्री जी दूसरा बेटा थे। इन के मता-
 पिता गांव में बड़े दरोगे के तो न थे पर मध्यम और दशा ती मध्यम थी, इन्होंने सब बेटे और बेटियों को गरीबता पर पाद्री जी को तो
 पढ़ाने को इच्छा की क्योंकि उन पिता हो उनका मामू का पुत्रक थे। पाद्री जी गांव की से बुज्ज एम. ई. स्कूल को पढ़ने लिये जाया-
 जाया करते थे, प्रायः ये १९०६ में बुज्ज एम. ई. स्कूल में नरती हुये और १९२३ को स्कूल लड़कों के साथ पढ़ावन पाये। ये अपने
 संगसंगसियों से प्रीति रखते- कलकत्ते गुरु पोरो बितों से कायाग रहते उन को काया मानते और उन को काया देते- जो प्यार करते थे। पर ये
 कायने परिवार से तो न दखी करते- पर उन को बड़ा प्यार करते कोश थे म। इन को प्यार करते थे- ये बड़-बड़ के रहना नहीं जानते
 छल-चतुराई- इन हे दूधे- ये सोनू को धी सीया खेजने थे। ये पर निश्चय रखने हरे और सब का दोस्त को मित्र थे। १९२१ बुज्ज एम. ई.
 से निकल के रांची गोस्वामी हई स्कूल में नरती हुये और १९२३ से सेविनारी में भरती हुये यहां पर कायने संगसंगसियों
 से भी गुरु पोरो बितों के प्यार के १९२६ में ये बड़ी जोर से बिहार के गांव में लहां बपारे मातर ^{निष्कल था} Mr. J. Lakra को देखने को पहुंचे।
 चंगा होने पर फिर सेविनारी काये- और १९२७ को सेविनारी से गोविन्दपुर एम. ई. स्कूल में मास्त्री को नन्दिदाव का काम
 करते थे और उसी साल इनका शादी बुली पिडी के पुत्रीन मोहन बरिह के सुपुत्री शी. इन्ना बरिह से हुई, इनकी १९३० में पश्चिम
 नामस्क पुत्र दान मिले पर ७ महीने हो ये प्रभु में सो गये। पद १९३१ को स्कूल छोड़ के मंडली में जाने हुल्लु पुत्रक पद में काम
 करते हुये वहां के पुराने गिर्जा घर को नया बनवाये। और १९३२ को गोविन्दपुर के इलाका के दूसरे २ पेरिशों को देखभाल
 करने को काम करते का कायाग कोर ये- मन्ना पेरिश- नुरदाग पेरिश और कोरतो पेरिश में चमे। १९३३ में इनको एक नवान
 'बोमस नाम का पुत्र दान मिले, और उसी साल इनको प्रचा पेरिश का निमाना काम करते थे। १९३४ वहां काम करते पाद्री
 पद के लिये पदका निषेक रांची खरत गिर्जा में और दो नाइयों के साथ लकत समुखल तिका- और दाऊद सोरेंग हुई। वहां इन के काम करते
 मरचा और को मरमात हुई। १९३५ इनका बदली बुज्ज इलाका सरनाटेली पेरिश में हुई वहां जाने वार का मरमात था। १९३६ को
 इनकी बदली टोकाद पेरिश में हुई और वहां काम करते टोकाद इलाका नवाई गई वहां के लकत सोरेंग से बिहार हुये और वहां इनको
 निषरन योन नाम का पुत्र दान मिले। १९४१ को इनकी बदली दूसरा वार सरनाटेली पेरिश में हुई। बाद में को बदली करमटेली को
 हुई वहां इनको हेरन हाविल नाम का पुत्र दान मिले पर पद ३ महीने का हो प्रभु में सो गया- और वहां से फिर से बड़े जोर सेविनारी
 हुए। और वन १९४६ को गोविन्दपुर में सहायक पाद्री के काम में बहाल हुए ॥ ईश्वर का दयाकादान है॥

काम का कायागानि लेवक,

पाद्री नखनिसमुन्डू गोविन्दपुर

२०-६-५४

3/9/54

20

72

Office of

G.E.L. Church Compound, Ranchi
The 16th August, 1954.

Church Council
Received...
Register No. 332
Date... 3/9/54
By...
Date...

सभी पाद्री माइनों को यह सहाय।
गोसवर कलाश में पाद्रीयों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूर्ण रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूर्ण विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जाता है। आप उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूर्ण रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

3/9/54

Secretary
G.E.L. Church, Ranchi.

G.E.L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) Birth (b) Baptism and (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary & allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Rev. Pandit Rukh none native Seminary Trained	malhusen Rukh	Garia P.O. Sima Ranchi (Nihar)	Self of (a) Birth 23-4-12 (b) not known (c) not known	16th June 1939 as candidate at Sima as house master at Garia work at Garia.	20th April 1941.	Lutheran Theological Seminary Ranchi	Rs 15/- only at the time of joining service.	Rs 100/- only Allowance Rs 40/-

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.

When pensioned? Date and year to be given.

Special Service or other record if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)

Remarks: (A short life sketch to be given separately)

May 1941 and July 1941 at Garia. from August 1941
— June 1950 at Sarhapani (Garia) as Haka
man and Synod President. As Haka Chairman August 1941 —
to formation of Synod. from the formation of Synod to June 1950
As Synod President in C.P. Synod. from July 1950 — December 1952
Synod President in Mumbhura Synod Ranchi

11

12

passed h.p. in 13/12/26. passed M. Sc. in
1929. joined H. F. School. Read up to 11th
class failed in tests ex. Repeated again
Matric Class in 1935. And in the middle
of 1935 joined Seminary. passed Seminary
in May 1939. joined in the service from
the 16th June 1939. as candidate at Sima
and was ordained on the 20th April 1941
and was appointed in charge of Garia
Parish from May 1941. My short life
sketch is this. S. S. S. S. S.

Book post



Mr. Horro Eggs.

Secretary

G. E. L. Church Comp

Ranchi

(Rinas)



सभी पाद्री भाइयों को धन्यवाद।

Church Council
Document No. 43/54
Register No. 43/54
Date 21/10/54
Page No. 1
Date 21/10/54

गौसबर कलेश में पादियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूरा रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय निम्न दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जाता है आप इस फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूरा रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर तक मे कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

21/10/54

Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) birth (b) baptism (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College, where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary + allowance.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Rev. Bishram Johan Maraiya. Upper primary and has been in the teachers training class for two years.	Lut Maraiya	Rajabari, P.O. Tilabari Dist. Sibsagar Assam.	(a) 18/11/87. (b) 1/1/88. (c) 3/5/1903.	15.8.1905	22/3/1925	Ranchi Seminary.	Rs. 15 only	Salary Rs. 50 50 up to Rs. 65

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.

10
Rajabari; Sinsutia; Lorypur.
28 years 3 months 7 day.

When pensioned? Date and year to be given.

11
6th July, 1953.

Special Service or other record, if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)

12
7 years has been served as member of Local board, at Jorhat.

Remarks: - (A short life sketch to be given separately)

Being finished my little education in C.P. I acted as a master at Manonit Mission in 1905. Then on 20th February, 1905 I set out to Assam. Then in Assam, I acted as preacher from 1905 up to 1924 at the different places of Assam. Then again I was sent to Ranchi seminary to be ordained there, and back from there on the same year after three months. Then again I began the service at Rajabari parish, establishing a Koxena church building which was lasted for 20 years. Then again another pakka church building has been made. Then again at last I am compelled to be retired due to my bad health. Moreover, 7 puras and 2 bigas of land is restored for the church. (10 Acres land.) J. Maraiya.

72

17

दो भाईयों को यीशुसहाय।

गोसवर कलाम में पादर्यों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूरी रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कोसिल द्वारा रखा जायनिचे दिये दुरे फार्म आप लोगों के पास भेजा जाता है आप उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूरा रूप से देने कोसिल को यह विवरण १५ सेप्टेम्बर तक में कोसिल आफिस सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुँच जाना चाहिये ॥

Received... 10/9/54

Register No. 370/54

Date... 10/9/54

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Secretary G. E. L. Church, Ranchi.

Pastor's full name, Birth, Education, and Qualification	Father's name	Home address	Date of (a) birth (b) Baptism (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of Ordination	Name of Seminary Theology College where educated	Salary allowance at the time of joining Service
1	2	3	4	5	6	7	8
Rev. John Toffo under matric	Habil Toffo	Sawai P.O. Sawai P.S. Simdega Dist. Ranchi	30-4-1903 31-4-1903 26-11-1920	25 Dec. 1925	7-4-1929	Ranchi Seminary	Rs 25/-

Present Salary & allowance	Parish, State, Synod or institutions where served, Period to be given	When pensioned 2 Date & year to be given	Special service or other record if any (E.B. passed, suspension, Promotion or long leave, deputation etc)	Remarks. (A short life sketch to be given separately)
9	10	11	12	13
70/-	1925 Ranchi (H.D.) 1928-1932 Singhan 1932-1936 Gunda-1936 Takutdi 1936-37 Churdaig-Gorindpur 1937-1944 Churdaig-1944-1948 Simdega, 1948-1949-Kantul, 1949-1954. Kantul Ranchi			

Church Council
 Received...
 Register No. 346
 Date... 14/9/54
 For...
 Reply No...
 Date...

सभी पाद्री महोदयों को धन्यवाद।
 गोसवर कलेश में पादरियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूरा रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नाचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जाता है। आप फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूरा रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितंबर तक में कौंसिल सिक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

15/11/54

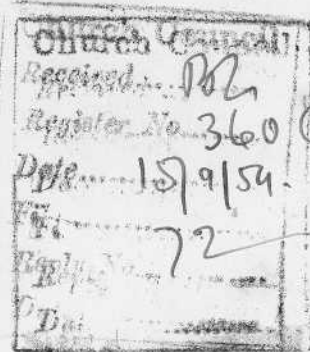
G. E. L. Church, Ranchi.
 Secretary
 16/11/54

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

42 page

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) birth (b) baptism and (c) confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary & allowance.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Rev. Abraham Topno Normal Training	Samuel Topno	Chandmari N. Lakhimpur Assam	Birth 1883 The date of mentioned thing is not remembered	In the year 1902 appointed in church service	26th January 1913	X	Salary started from Rs. 25/- to Rs. 40/-	Only

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned? Date and year to begin.	Special Service or other record, if any, (E.B. passed, Suspension, Promotion or long leave, deputation etc.)	Remarks: - (A short life sketch to be given separately)
Rev. A. Topno. Assam Synod, Lower Assam Illaka, Chandmari Parish. Period, 1913 to 1937 twenty five years.	Pensioned, 1937 but since three years pension is not regular at all.	In the year 1938 I worked for a special pracharak at Chandmari.	Since about the year 1945 I became almost blinded, and still being so.



सभी पाद्री मादियों को दीसहाय ।

गोसवर कलेशा में पादियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूरा रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जाना है आप एक फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूरा रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण १५ सितम्बर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

15/9/54

G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) Birth (b) Baptism (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary + allowance.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Masih Das Sakra 3rd Class Passed	Late Manmasih Sakra	Kundrumunda P.O. Kinkel Dist. Ranchi (Bihar)	(a) 27 Dec 1902 (b) 4 Jan 1903 (c) 1918. at Koronjo by Rev. P. Munda	Feb. 1925	10 Apr. 32	Lutheran Theological Seminary Ranchi	Rs. 20/-	Rs. 60/-

Parish, Illaka, Synod. or institutions where served, Period to be given.

When pensioned & Date and year to begin.

Special Service or other record, if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)

Remarks: (A short life sketch to be given separately)

10
Candidate Luth. M. E. School Kinkel Feb. 1925 - Mar 1931.
Head Master Luth. M. E. School Jarakudar April 1931 - Apr 32
Parish Chairman Jarakudar Parish Apr. 32 - Dec. 35
Illaka Chairman Jarakudar Illaka & Parish Chairman Jarakudar Parish - January 36 - Feb. 49
Illaka Chairman Bihardaga Illaka March 1949 - 1953 -
President Northern Synod of Illaka Chairman Bihardaga

11

12

13.

संक्षिप्त जीवन।

मैं एक गरीब किसान का लड़का हूँ। गरीबी के कारण घर में हल बरद नहीं था। मेरा लड़कपन बकरी चराने में बीता। गांव में स्कूल खोला गया। मैं अपने पिता-माता की बिना इच्छा भाग के स्कूल गया। उसलिये पिता जी मेरे स्कूल खर्च जितना चाहिये न देते थे। इतने पर भी मैं स्कूल में पढ़ना पसंद था। यहाँ तक कि भाग के हाई स्कूल भी आया। पिता जी मर्मास से प्यार करते थे पर उनकी इच्छा के उतिकूल मैं स्कूल आया खर्च न देने के कारण हाई स्कूल में कोई सतम न कर सका। इसी समय मेरे गांव और मंडली में S.P.G. मिशन का काम आरम्भ हुआ। मेरे गांव के सब लोग S.P.G. मिशन में उलट गये। केवल मेरा घर लुथरात रह गया। मेरा पिता लुथरात विश्वास में खड़े रहे। गांव वालों ने S.P.G. न होने के कारण बहुत बहुत तरह से हमें दुःख दिये। हाई स्कूल के मेरे साथी सेमिनरी में पढ़ने के लिये दाखलत लिखने लगे। उनकी देखा देखी मैंने भी दाखलत दी। एडमिंसरी बोर्ड ने मेरी दाखलत मंजूर की और सन. १९२० के अगस्त में सेमिनरी खुली। मैं हाई स्कूल का कोई लड़का सेमिनरी का कोई लिये। आरम्भ में मुझे सेमिनरी का अभियम बहुत भारी मालूम हुआ, विशेष करके मंडली पाल बिध्या। मैं कुछ दिनों के लिये सेमिनरी काश भी छोड़ दिया। एक दिन मेरा सेमिनरी अध्यापक पाद्री रिजिलो गिरी मुझे पापे और पसंड के पृथक् लगे क्यों सेमिनरी काश नहीं बंद करते हैं, मैंने कहा, मुझे बहुत कठिन लगता है मुझसे पाद्री का काम नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा जरा मने विषय और काम भारी है तौ भी तुम चिन्ता मत करो, सेमिनरी कास आओ बंद हो और सीखो। इलाका के साधियों ने जिक्र करने से मैं सेमिनरी कास फिर गया और एक बस preparation कास और पीछे पूरा सेमिनरी कास करके गन्डिदत की उपाधि पाके स्कूल में काम आरम्भ किया। सात बस स्कूल में काम करने के बाद आठवें बस के चौथे महीना दसवे दिन पादरी पद पर प्रेसिडेंट होहन तोपेते -

और सहायक पाद्री को जोन और पाद्री जोहललकड़ा से अभिषेक किया
गया। जड़ाकुदा इलाका के जड़ाकुदा परिषद में सेवकार का काम आरम्भ
किया। जोलिटिकल स्टेट होने के कारण स्टेटों से बहुत बड़ा बड़ी बड़ी
बातों और कामों का मुकाबला करना पड़ा। एक बड़े बड़े स्टेट के
सोलगुडा थाना में गिरफ्तार किया गया लेकिन 30 दिनों धुंधी
पाद्री चने जंगलों से होकर निकल आया। वह फुंघुं के मैने
जोलिटिकल स्टेट में जा कर दाखल किया कि वह कौन का को रही है।
जवाब मिला जिस स्टेट से ऐसी कार्यवाही होती है वहीं दाखल को।
मैने बन्द स्टेट के राजा को दाखल दी। उन्होंने मेरे दाखल पर
बिचार करने में नौ महीने लगाये। उन्ने दिन बन्द स्टेट में मेरा सेवकार
का काम बन्द रहा। निदान मुझे मार्ग खोला। राजा ने जवाब
दिया कि अब से अपने आने के पहिले अपना Temper Programme
देओ। मैने अपना जोगाम देके काम शुरू कर दिया। जोगाम पाके
राजा सार्विक पुलिस के जारिष मेरे पीछे सिपाहियों को भेजते थे।
मैं बे फिकर अपना काम करता रहा। ऐसे बुरे दिनों में मैं चंडली
हैमबन्दी बैठाया बहुत मुश्किल से चलाया। पीछे जाने वालों ने
कहा अब हमें आप के रहते किसी बात का शक सन्देह नहीं है
आप कुछ चिन्ता न कीजिए। प्रचारक लोग भी बन्द स्टेट से
गंगपुर के अन्दा आने जाने में रोके जाते थे पर काम हमारा नहीं
रुका।

1988 में मेरी बदली लोहासा को हुई। बदली में रोकरों
हुई मैं निरुपय था। कमिशन जाके फैसला किया और मैं जड़ाकुदा
इलाका से धुंधी पाद्री लोहासा आया।

15/9/84

450
3/11/54
72

72

Office of the Sec.

G. E. L. Church Compound, Ranchi.
The 16th August, 1954.

सभी पाद्री भाइयों को धन्यवाद ।

गोखर कलेश में पाद्रीयों का सर्विस रिकॉर्ड अब तक पूरा रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जा रहा है। आप इस फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रिकॉर्ड पूरा रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर तक में कौंसिल सैक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

12/11/54.

Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

49 page

Pastor's full name and surname and Qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) Birth (b) Baptism and (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary + allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Christo Roy. Emmanuel Labra X th Class	Late Masihprakash Late Karama Labra	Murgu P.O. Ratu Dist Ranchi	(a) 29 th June 1899 (b) 9 th July 1899 (c) 30 th Sept 1917 17 th Griti	19 th January 1925	15 th Oct 1933	Lutheran Theological Seminary Ranchi	Rs 25/-	Salary Rs 70/- Allowance Rs 40/-

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned ? Date and year to begin.	Special Service or other record if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)	Remarks: - (A short life sketch to be given separately)
Ranchi 1925-1932 Mandari 1933-1936 Chatti 1937-1939 Chaur 1940-1951 Surguja 1952-	1933-1936 10 Mandari Parish, Ranchi Illaka, Northern Synod Chatti " 1937-1939 " " 1940-1951 " " 1952- Surguja	X 11 12 19 th January 1925 Teacher G.H. School Ranchi. upto July 1925-1928 Dec. CC. Clerk. 1929-1933 Ranchi Mandli office Ranchi and Pathalkunda Church service	13.



[Faint, mostly illegible handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the paper. The text is spread across the page, with some lines appearing more clearly than others.]

जीवनी Rev. Y. Daug को।

मेरा जन्म २-८-१८८३ ई० को टकापा इलाके के टुटेकेल इलाक़ा में
गांव टुटेकेल में हुआ। २-११-१८८३ को Rev. P. Edinness Missionary
के द्वारा मेरा बपतिस्मा हुआ।

स्कूल जीवन :— करीब ६ बरस के उम्र में मैं गांव के स्कूल में भेजा
गया। वहां कुछ वर्ष अध्ययन कर १९०२ ई० को Takarua L. P. School
में मैं भेजा गया। L. P. परीक्षा में उत्तीर्ण होकर १९०६ ई० में M. E. के
लिये मैं रॉयल भेजा गया १९०८ ई० में मैं शारीरिक रोग के कारण M. E.
इम्प्लिशन लिखन सका। अयोग्य प्रह करने पर १९०९ को May महिना में
मैं फिर भी M. E. क्लास में स्वीकृत को रॉयल भेजा। ईश्वर की कृपा से १९०९
दिसम्बर में मैं M. E. परीक्षा में सफलता प्राप्त कर घर लौटा। आर्थिक
कठिनाई के कारण मैं आगे बढ़ने से असमर्थ हो साल भर घर ही में रह रहा
रहा।

आपने स्कूल जीवन में धर्म पुस्तक पढ़ने से मैंने अधिक चाव था।

११-१-११ को मैं Rev. P. Edinness के द्वारा Takarua M. E. स्कूल
में गुरु का काम करने को बुलाया गया। ३॥ बरस करीब काम करने के
बाद इलाक़ा काम के लिये १९१४ के जून महिने में मेरी बदली कोनसो दे
हुई। करीब ४॥ बरस काम करने के बाद वहां से फिर भी मेरी बदली
१९१८ के मार्च महिने में सेडेगा में हुई। सेडेगा में ६॥ बरस काम करने
के बाद १९२५ में टुटेकेल की मेरी बदली हुई। करीब २० वहां १४ बरस काम
करके १९४० के ३१ जनवरी को पाबे नाम के लिये मेरा प्रदक्षिण
हुआ। १३-२-१९४० से तपकारा पेरिश चैयर का काम किया। १-११-४४
से तुरदाग पेरिश चैयरमेन के Incharge में था, १४-५-५३ तक।
१९-५-५३ से मैं तुरदाग Paris Incharge में रहता हूँ

Rev. Y. Daug
15.9.1955

Office of the Secretary

Compound, Ranchi.
F.W. 14, 1954.

सभी पाद्री महोदयों को धन्यवाद।

गोसवर कालीया में पाद्रीयों का सर्विस रिकॉर्ड अब तक पूर्ण रूप से रखा नहीं जा सके अतः इस उद्देश्य से कि सर्विस एवं जीवन का पूर्ण विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फॉर्म आप लोगों के पास भेजा जा रहा है। इस फॉर्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रिकॉर्ड पूर्ण रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये।

16/9/54
Secretary

G.E.L. Church, Ranchi.

G.E.L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address	Date of (a) Birth (b) Baptism and (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Yunas Dang M.E.	Late Joseph Dang	Tutikel P.O. Kotebira Dist. Ranchi	(a) 8-8-1893 (b) 8-11-1893 (c) December 1909	11-1-11	28-1-1940	Short Course	Rs. 30-0-0 Rs. 7-0-0	Rs. 60-0-0

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.

When pensioned? Date and year to begin.

Special Service or other record, if any, (E.B. parish, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)

Remarks: (A short life sketch to be given separately)

11-1-11 to 18-7-14 Tak M.E. School Takarma. Teacher
19-7-14 to 30-2-19 " Heka Konde Takarma Gaur Konde men praeharak.
1-3-19 to 30-8-25 Tak " Takarma Illaka ke Aidagarman
Catechist-Kam.
31-8-25 to 12-2-40 " Tutikel men praeharak Illaka Takarma
13-2-40 to 31-10-44 " Tapkara Parish chairman
1-11-44 to 15-6-53 " Churdev " "
16-6-53 to 31-12-53 " " " "

11

12

13.

मेरा १८७५ ई के मई १६ को विमानिक में हुआ।
 १८६६ ई के बुड्डू स्कूल में; १८७२ की रांची को संबंधी
 में सन ई स्कूल गया। १८८४ को सन ई. पास करने से जिनसे
 में मारी निष्का गया और १८८६ ई तक आ। / उपनिषत् में
 इतिहास तक रही ठहरा। १८८७-१८९३ तक बुड्डू में
 मास्टर का काम किया। १८९४-१८९८ तक विमानिक में
 १८९६-१८९८ तक डोक्टरेट में प्रचारक और मास्टर का
 काम में आ। १८९८-१८९९ तक गोनविन्दपुर में प्रचारक
 का काम किया और १८९९-१९०० तक खेखाड में प्रचारक था।
 १९०० को पाद्री गढ़ मिला १० वर्ष की विराम में काम किया।
 १९५१ अप्रैल महीना से पेंशन में हूँ।

आपका विश्वासु मेतक

C. C. Sobro

72

G. E. L. Church

G. E. L. Church

G. E. L. Church

Church Council
 Received... *182*
 Register No. *395*
 Date... *1/10/54*
 Reply No. *72*
 Date...

सभी पाद्री मादियों को यशसहाय ।

गोसवर कलाश में पादियों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूर्ण रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूर्ण विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जाता है। आप उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूर्ण रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

13/11/54

16/11/54
 Secretary,
 G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) Birth (b) Baptism and (c) Confirmation	Date of Joining Church Service	Date of Ordina- tion	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary + allowance.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Christopher Sopno Pastor	Amus Sopno	Diaughel P.O. Sopno Ranchi	a, 19 May 1875 b, 1890 c	15 February 1940		Ranchi	Rs 30	Allowance Rs 15 Pensioned Rs 16/-

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned? Date and year to begin.	Special Service or other record, if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)	Remarks: - (A short life sketch to be given separately)
10 Barikisinga Parish Sakuma Illaka Synod 15 February 1940 - 1950 December 1951 March 30 th	April 1 January 1951	12.	13.

Church Council
 Date: 10/1/54
 Reply No: 2
 Date: 10/1/54

Office of the Secretary

G.E.L. Church Compound, R.
 The 16th August, 1954.

सभी पाद्री महोदयों को धन्यवाद।
 गौसमर कलाश में पाद्रीयों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूर्ण रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूर्ण विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जा रहा है। आप इस फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूर्ण रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितंबर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

Secretary,
 G.E.L. Church, Ranchi.

G.E.L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of: (a) Birth (b) Baptism (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present Salary & allowance.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Rev. Mansidh Topno under matric Seminary trained	Phillip Topno	Biarkel P.O. Topna Dist Ranchi	(a) 12-6-1912 (b) 30-6-1912 (c) 29-3-1931	1st June 1939	19-5-1940	Luth. Theol. Seminary Ranchi. Goswami High School, Ranchi	Salary:- Rs 30/- P.M. Allowance:- x	Salary:- Rs 100/- P.M. Allowance:- x-x-x

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned? Date and year to be given.	Special Service or other record, if any, (E.B. passed, suspension, promotion or long leave, deputation etc.)	Remarks: (A short life sketch to be given separately)
11	12	13.	
1. M. E. School, Bongaicha Illaka - As Candidate June 1939 to 5th June 1940.			
2. Umbulhales - As Parish Pastor 9th June 1940 to 31st Dec 1943.			
3. Khutitoli - As Illaka chairman 1st Jan 1944 to 30th May 1949.			
4. Chaibessa - As Synod President 1st June 1949 to			

पाछे मनसिद्ध तोपेनी

का
जीवन चरित्र । स्वंय लिखित ।

- - -

आप का जन्म १२ जून १९१२ को बिर्साकेल, कै कंजटोली के एक सहते घराने में हुआ। आप के पिता माता फिलिप और फुलमती तोपेनी थे। आप के आज्ञा सवुरा सहते छोटे दिनों के लिये सरदार पन्थ के एक मुख्य व्यक्ति थे। उनकी वंयतिस्मा में सलोष नाम दिया गया। आप का वंयतिस्मा ता. ३० जून १९१२ को तथा वृद्धापन तारिक २९ मार्च १९३१ को हुआ। जब आप केवल डेढ़ वर्ष के थे कि आप के पिता जो का देहान्त हुआ। इससे आप को पैतृक धर्म का कुछ भी अनुभव नहीं। आप परिवार में सब से छोटे लड़के हैं, ^{आप के पांच भाई और चार बहन थीं।} पर की संख्या अति नुरी थी इससे गांव के सब लोग हमारी हालत देख कर हंसा करते थे। पिता जो ने आप के दो बड़े भाइयों को पढ़ाने में सब खर्च बन्धक में बेच डाला था।

पिता जो के अन्तकाल होने के बाद हमारी हालत और अधिक नुरी हो गयी। बड़े भाई अब तक इस योग्य नहीं थे कि घर संभालने का पूरा भार अपने ऊपर लें। लाचार बस आप के बड़े भाई पाछे घोस तोपेनी की रांची के छिपरेट्टी कास्स की छोड़ कर अपने छोटे भाइयों की सुधि लेनी पड़ी। उन्होंने मिन्नारिपो की मिह्रबानी से बुड़र के मिडिल स्कूल में शिक्षक का काम आरंभ कर दी। अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करते हुए उन्होंने अपने छोटे भाइयों की शिक्षा और भविष्यत जीवन का प्रबन्ध किया।

आप ने १९२१ साल में अपने गांव के लोभार पैथरी स्कूल में शिक्षा अध्यापन करना शुरू किया। एक साल के बाद आप अपने बड़े भाई के साथ रह कर बुड़र के मिडिल स्कूल शिक्षा प्राप्त की। १९२८ में आप ने मिडिल की परीक्षा पास की। फिर बड़े भाइयों की ज्वलन्ता बढ़ गयी और आप की बहाली १९२९ की रांची के हमारेगोस्सनर हाई स्कूल में करा दी गयी। १९३० साल से हम दो भाई हाई स्कूल में पढ़ने लगे। ~~असफल~~ टेस्ट की परीक्षा में असफल हो आप की अपने पिता जो ^{की} इच्छा पूरी करने के लिये अपने बड़े भाई के बदले १९३४ के जून महिने में इच्छा गहर सुननी पड़ी। ^{१९३४} सो आप ने रांची के लुधेरान घेपी लोजिकल प्रवेश किया। आप को १९३६ के माई महिने में अति मिली।

निम्नलिखित उद्देश्य के लिए

1. ~~निम्नलिखित उद्देश्य के लिए~~ 2. ~~निम्नलिखित उद्देश्य के लिए~~

१ लौ जून १९३९ से आप ने करोव एक बरस बुङ्ग
में मन्डिदात का काम किया। आप की शादी २२ दिसम्बर
१९३९ को कुम्हार के ^{पुत्र} मिर्का हेम्बरोम की बेटी रहस्त आग्रिता
सुवासो हेम्बरोम के साथ हुई। दूसरे बरस ~~१९४०~~ १९४०
१९४० को वसिंतातिस पर्व के दिन मान्प्रवर डेसिडेन्ट जे.
स्तोश के द्वारा राँचौ के रहस्त गिरने में आप का पदा-
भिषेक हुआ। दिसम्बर १९४० से ३१ दिसम्बर १९४२ आप
उम्बुलवहा में पेरेशा चेपरमैन हो कर काम किये।
इस के बाद १ लौ जानवरी १९४९ के माई महिने तक
आप खुडोरोली में इलाका चेपरमैन हो कर रहे।
इसी साल हमारे गोस्सनर कलेशा में सिनोड संविधान
की लागू करना आवश्यक पड़ा। अतएव आप की
सिनोड डेसिडेन्ट का पद दिया गया और आप की
वहली चाइवस्सा में कर दी गयी। आप माई महिने
महिने के अन्तिम भाग १९४९ से आज तक
चाइवस्सा सिनोड में सिनोड डेसिडेन्ट हो कर
काम कर रहे हैं। आप निम्न लिखित मिथादी के
के लिये चार्च कोसिल के लिये अपने सिनोड के प्रति-

निधी हैं: प्रार्थना १९४९ - १९५१ और १९५३ - १९५६।

M. Jopany

30/9/54.

Church Council
 415 CE
 Date 5/10/54
 72

72

44

सभी पाद्री भाईयों को यह है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूरा विवरण कौंसिल द्वारा रखा जायनीचे दिये हुए फार्म आप लोगों के पास भेजा जाता है आप उक्त फार्म में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रिकार्ड पूरा रूप से देने कृपा करें। यह विवरण १५ सेप्टेम्बर तक से कौंसिल आफिस सेक्रेटरी के पास अनिवार्य पहुँच जाना चाहिये ॥

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Secretary C.C.
 G. E. L. Church, Ranchi.

Pastor's full name, Surname and Qualification	Father's name	Home address	Date of (a) birth (b) Baptism (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of Ordination	Name of Seminary Theology College where educated	Salary all allowance at the time of joining Service
1	2	3	4	5	6	7	8
Lucas Topons under madric	Mansidh	Kollu P.O. Komdara Ranchi	(a) 12. Aug. 1908 (b) 24. Aug. 1908 (c) 5 May 1928	16 July 1935	1st April 1937	Lutheran Seminary Ranchi	25/-

Present Salary + Allowance R	Parish, State, Synod or institutions where served, Period to be given	When Pensioned & Date & year to be given	Special service or other record if any (E.B. passed suspension Promotion or long leave, deputation etc)	Remarks. (if short life sketch to be given separately)
9	10	11	12	13
Salary Rs 66/- allowance Rs 59/-	Gocindpur, State - 1937-1945 June Calcutta - Parish - 1945-1950 June Jamshedpur " 1950 - till now			

Autobiography

मेरा जन्म १२ अगस्त १९०८ ई० में गांव कोटबो
थाना जसिका जिला रांची में हुआ था। मैं एक गरीब घर
में पैदा हुआ था क्योंकि मेरा बाप जब छोटा था तबही
मेरा दादा हमला लोकाचर हुए और उसका फलस्वरूप
गांधी के समय उसको एक घराने के पालन पोषण में लिपे
रुद्ध जमीन नहीं मिली। वह अपने दो छोटे भाईयों
के साथ अपनी माता का पक्ष में पालन में करते थे। पर
पहले माप उनके लिपे लशाने में नहीं था। जब मेरा
बाप बड़ा हुआ तो वह साठ चौरने के लिपे दूसरे भावों
माता और इस तरह घर को चलाता था। इसी बीच
मेरा साका लोकाचर पास में छोटी पास किया और
उसको उधार काफ करते के लिपे विह चला गया।
जहां वह उधार काफ करते हुए जगह जमीन का नदीवेस
किया और अपने घर वह उस सिपडेगा के डब्बे विहजी
बेड़ा में है। जब वहां कुछ खेती होने लगी तो मेरा
बड़ा साका भी वहां गया और रहने लगा।

इसी बीच में मेरा भाई - एम ई. पास किया और
उसको गोविन्दपुर के इलाके के कुछ नामक गांव प्यार के और
माझर का काफ मिला। वहां वह कई दिन यह काफ करता
था पर- जब १९३१ लड़ाई छिड़ गई तो वह लम्बे समय
में खेती में पंजाब चला गया।

इसी बीच में मैं लम्बे उधारों पास कर गांव से
गोविन्दपुर चला गया और रज्ज इ. पास कर १९२६
ई में रांची आया। जब मैं अपने खुली जीवन
में था तब मेरा खर्च बड़ा बड़ा मेरा भाई जसभावे
से। मैं १९३१ में मेडिक के इन्सिडन के लिपे बैठा
न मिली। इसके जरूरी के कारण
सफलता के लिपे कोटिपस करना

मनुमान चा ।

उसी अवसर से यह बात चालू हो गयी कि
कितने विद्यार्थी लोग खेमिनरी में लिखे जा रहे हैं।
मेरे भी अपना परखवा भेज कर दी। थोड़े ही दिनों
उसका जवाब आया और मैं खेमिनरी में विद्यार्थी
होना पड़ने लगा।

चार वर्ष बीतते हुए देन न लगी और वह
लोग कठिनात एलात किये गये ९-९-५० के आदेश।

मैं १९३५ के ^{माई} मई महिना में कठिनात -
होकर गोविंदपुर भेजा गया और १२ १९३६ के
मई महिना में पार्थिव रूप में भी भेजा। पर
पाने बाद मुझ को चलाया भेजा गया। कई रोक
टोक हुए और मैं चलाया नहीं गयी पर गोविंदपुर
ही में इलाका चेंबरमेन हो कर काम करने लगा। मैं
वहाँ १९५० १२ ५५ ५८ के कुछ माई महिना तक था।
९-९ में वदली ३५ साल चलकर कर दिया मैं
वर्धनवाला गया। वहाँ १९५० माई तक था। पर वहाँ रहना
घोरे जिंदगी रहित था जो कि वहाँ रहते जाते ज्यों की त्यों
पढ़ाते अति रहित था। इसलिए घेरी - स गवर्नेट
हुट हुई मैं १९५५ में १९५६ में भी - वहाँ पहुँचा
और अब तक मैं वही काम करता हूँ।

Lucas T. J. ५०

30/9/54

72

Office of the Secretary

Church compound, Ranchi.
The 16th February, 1954.

सभी पाद्री महोदयों को धन्यवाद।

गोखर कलाश में पाद्रीयों का सर्विस रेकार्ड अब तक पूर्ण रूप से रखा नहीं जा सका है अतः इस उद्देश्य से कि उनके सर्विस एवं जीवन का पूर्ण विवरण कौंसिल द्वारा रखा जाय नीचे दिये हुए कामें आप लोगों के पास भेजा जा रहा है। आप एक काम में दिये गये विवरण के अनुसार अपना सर्विस रेकार्ड पूर्ण रूप से देने की कृपा करें। यह विवरण 15 सितम्बर तक में कौंसिल सेक्रेटरी के पास अवश्य पहुंच जाना चाहिये ॥

15/10/54

W. G. L.
Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Pastors' Service Record.

Pastor's full name and surname and qualification	Father's name	Home address.	Date of (a) birth (b) baptism (c) Confirmation	Date of joining Church Service	Date of ordination	Name of Seminary Theological College where educated.	Salary allowance at the time of joining service	Present salary + allowance
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Christ Kumar Daud Soy	Mansidh Soy	Village - Kurki. P.O. - Murhu. S.T. - Ranchi.	a) Nov. 8, 1914. b) Dec. 14, 1914. c) April 9, 1933	Jan. 1. '41.	Dec. 28, '41.	Lutheran Theological Sem.	Rs 15/-	Rs. 210/- Pm.

Parish, Illaka, Synod or institutions where served, Period to be given.	When pensioned? Date and year to be given.	S. No.
Jan 1941. Takarma. Takarma.	11	
Jan. 1942-1944. Churdag. Govindpur.		
" 1945-1947 may. Jurdag. Govindpur.		
June 1947-1950 may Burju. Burju Synod.		
1950 - - - Calcutta Bengal Synod.		

LIFE SKETCH OF REVEREND KHRIST KUMAR DAUD SOY.

I was born in a respectable SOY family in the hills of the District of Singhbhum at Tokad mission Station on the November 8, 1914. during the first World War. My parents are Mansidh and Pyari inhabitant of the village of Kurki, P.O. Murhu, District Ranchi. My father was a teacher in the Mission School at Tokad when I was born. I had been baptised by the late Reverend Santosh Mundu on the December 14, 1914.

I started my School career in my sixth year. Having passed my infant and Class I (Class one) at Kurki I have been brought to Ranchi L.P. School in the year 1923. But as my mother's wish I came to Burju M.E. School in 1924 and passed the M.S.C. Examination in the year 1924. Owing to my successful School life my father wanted that I should prosecute my studies further. So I came to Ranchi in January 1930 and joined the Gossner High School. The then our Principal was Reverend J. Lakra M.A., B.D.; S.T.M. I read up to Class X (Class Ten) in this School. I spent most of my school life in the Hostels. Our Wardens of Gossner Hostel were Reverend J. Schultze and Reverend J. Shernath. For matriculation Class I had to join Khunti High School but was unsuccessful in the year 1934.

I was very much interested in the Sunday Schools and Bible Classes during my School life. I got several prizes for successful Bible studies. I was fond of singing and that aided School choir in my whole period of School life. My other extra-ordinary gift was Sportsmanship which led the fame of School also in sports and games. I am one of the first winner and runner medalist of the well known Maharajah's Cup.

I joined the Lutheran Seminary at Ranchi in the month of July 1935. Due to the disturbance of a strike in the beginning of my third year I left the Seminary and spent a full one year's time at Jamshedpur as a employee in the Tata Iron and Steel company.

In the year 1938 I joined the Seminary again and was sent to Burju Ilaka at Tapkara for one year's Practical Work. Then I came back to Ranchi and completed my fourth year in 1940 with a successful result. Our Theological Principals were Reverend M. Kerachis and Reverend J. Stosch. The professors were Reverend M. Prehn, Reverend A. John, Reverend J. Shernath, Reverend W. Radsick, Reverend Jellinghouse, Reverend Dr. O. Wolf, Mrs. Jellinghouse, Mrs. Dr. H. Wolf, Reverend J. Lakra, Reverend L. Jojowar, Mr. Amritlal Tirkki B.A., B.T. and Mr. Naeman Toppo. I was one of the Teachers of Singing Class in the Gossner High School during my Seminary period and was leading ^{and conducting} the Mixed Choir in the Church.

I started my Service in the month of January 1941 at Takarma as a Candidate to the Ministry of the Lord. I was offered the job of a Bible Teacher in the M.E. School and the Hostel Superintendent of the Boy's Hostel. After passing the Examination of the Church Council held on the 27th of December 1941 I was ordained as a Pastor with Mr. Anandmasih Topono on the December 28, 1941 by the President J. Stosch.

Just after my ordination I was posted at Churdag in the month of January 1942 as a Parish Chaiman and I ~~was~~ served there for three years. Then I had been transfered to Jurdag where I served for two and a half years. The Church Council thought it better to send me to Jamshedpur and gave me an order. Accordingly I was on the way to Jamshedpur. Then the Church Council canceled this order and sent me to Burju as an Ilaka Chaiman in the month of June 1947. When I was at Burju the new Synodical system was adopted by the Church and I was offered the post of the Synod President. I was the first Synod President of Burju Synod and also the member of the Church Council. I was one of the members of the thirtyfive Commission of Dr. J. Roy Strock, ~~former~~ ^{to} framed the Constitution of the Church. In the month of June 1950 I resigned the membership of the Church Council and the post of the Synod Presidentship and came to Calcutta in the field of the Diaspora Work of the Federation of India, for Lutherans. Since then I am here serving to collect the Lutherans in the fold ^{and} ~~shepharding~~ ^{and} their spiritual life in the great city of India.

I got married to Miss Christ Susari Marsa Horo daughter of Mr. Prabhushay of Kurid (at present at Kulukera Dumbartoli) on the 31-12-1941. The marriage was solemnised by Rev. S. Kulla.

K. S. Soy
7.10.54.

Advisory Board "Dead" Papers - Meeting of Sept 10, 1920.

For Advisory Board.

12

- ^{-ask Mr. Heycock.}
1. Legal registration - what law?
How arranged? Constitution only submitted?
(both)
 2. Passing the Constitution & Bylaws —
is the coming Special Conference
legally competent?
 3. ~~Does Ad. Board agree to the description~~
~~of Ad. Board aims? Last article - XIV-2.~~
 4. May I proceed to printing of Con & Bylaws,
subject to their confirmation in Nov. Conference?

add. Autonomy section to
Art 5.

Mr. Whitley & I to be an Editorial

10. M. J. Lalra's petition -

That the Board advise that his
theolog. education be gotten in India,
with the understanding that the question
of his ^{going} subsequently to America be
taken up after his course in India is
completed.

5

To

The Secretary,

Advisory Board, Ranchi.

Through

The Church Council,

G.E.L.C. Chota Nagpur & Assam, Ranchi.

Dated Ranchi the 4th September, 1920

Sir,

Having felt the great need of the G.E.L. Church in Chota Nagpur and Assam for qualified workers in the field, I beg to express my earnest desire to prosecute my studies for B.D. in America, in the interest of the church, and most respectfully request you to make the necessary arrangements for ~~pre~~uniary and other helps. I shall be quite unable to meet any kind of expenses involved therein and shall entirely depend upon generous help.

My father has been a bona fide catechist ~~in this~~ in this church for about 35 years. I have graduated myself in 1920 from the Calcutta University and at present I am teaching classics in the Lutheran High School.

Herewith I am enclosing ^{extract of the} ~~an~~ copy of testimonial from the College Principal which would speak of me as to my college career.

I have the honour to be,

Sir,

your most obedient servant,

Guel Lakra

An Extract of the Testimonial

St. Paul's Cathedral College

Amherst Street,

Calcutta July 23, 1929.

Mr Joel Lakra has been for four years one of the finest christians we have ever had in our college. In personal character and in social service alike he has been splendid. The college christian brotherhood, the Night school, the Bustee work, the Sunday school all owe very much to his indefatigable energy and cheery personality.

.....
.....

I earnestly hope that he will get the support he so richly deserves.

Sd/. A. B. Johnston,

(Principal).

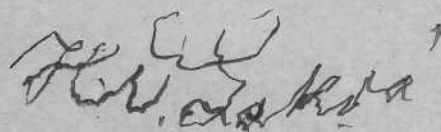
THE GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

Chotanagpur & Assam.

Head-quarters—Ranchi.

Ranchi the 8th Sept. 1920.

The applicant Mr. Yuel Lakra is a spiritual minded young man of our Lutheran Church in Chota Nagpur. His devotion to his Mother Lutheran Church is unique and praiseworthy. He is sober & thoughtful. I have no hesitation in recommending him as thoroughly honest, deserving and promising. I wish him every success in all his undertakings.



President,

The Gossner Ev. Lutheran Church
Chota Nagpur & Assam,
RANCHI.

5

Ranchi, August 3rd, 1920.

Rev. Charles L. Conrad,
American Baptist Mission,
Jamshedpur.

Dear Sir:

I am in receipt of your letter of July 29th, which by action of the Executive of the Advisory Board, has been referred to the Secretary of the Lutheran Church Council. They will no doubt reply to your letter in due course.

As you are a member of the Bihar and Orissa Council, or at any rate as your Mission work falls partly within Bihar and Orissa, you probably know of the autonomous arrangement under which the Lutheran Church of Chota Nagpur now works. At present, correspondence with other Churches and Missions is to be carried on through the Advisory Board. You were accordingly following the proper course in addressing the letter to me, its Secretary.

If I come to Jamshedpur I shall accept with pleasure your invitation to call upon you.

Yours faithfully,

G. A. Ruckley

Secretary, Advisory Board.

H

N O T I C E

The Meeting of the Advisory Board to Gossner's Evangelical Lutheran Church of Chota Nagpur and Assam will be held on the 10th of September, 1920, at Ranchi, at 8 A.M.

The agenda will include -

- a). The Budget for 1921.
- b). Consideration of the Constitution of the Church.

The Pastors will be in session from August 20th to September 19th, preparing the Constitution for adoption at the General Conference to be called for November.

- 
- c). The question whether a second full time male missionary is needed to assist the autonomous Church in the immediate future, and if so, whence he can be obtained. A connected question is the matter of bridging the gap between your Secretary's departure and Mr. Canaday's arrival.

Those who desire the Secretary to arrange entertainment in Ranchi will please indicate it as soon as may be convenient. It is hoped that the full Board will find it possible to attend this important meeting.

S. A. Ruckley
Secretary.

Ranchi, August 24, 1920.